3 | राजधानी
गांवों के विकास की रूपरेखा तैयार

6 | अभिमत
श्रीलंका में सुलह समझौते के प्रयास

10 | राष्ट्रीय
पांच सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया

12 | स्पोर्ट्स
रोहित और कोहली की टी20 टीम में वापसी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 63
नई दिल्ली, सोमवार, 8 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

स्मृति ईरानी दो दिवसीय यात्रा पर जेद्दा पहुंचीं
विदेश-11

www.dailypioneer.com

मालदीव ने पीएम मोदी पर टिप्पणी करने वाले मंत्रियों को किया निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत ने मालदीव के एक मंत्री द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए, इस मुद्दे को उठाया है। मालदीव सरकार ने टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए इसे मंत्री मरियम शिउना की निजी राय करार दिया है। मालदीव की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि वे मालदीव सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। इसके साथ दो और मंत्रियों को निलंबित किया गया है। माले में भारतीय उच्चायुक्त ने यह मामला वहां के अधिकारियों के समक्ष उठाया। यह टिप्पणी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के आधिकारिक दौरे पर चीन रवाना होने से एक दिन पहले आया है। इसके अलावा मुइज्जू ने जब से शीर्ष पद संभाला है, भारत और मालदीव के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। मालदीव सरकार ने उन मंत्रियों को निलंबित कर दिया जिनके भारत और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट पर बड़े पैमाने पर हंगामा हुआ था।

मालदीव सरकार ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्रालय ने आज सोशल मीडिया पर पड़ोसी भारत के लिए अपमानजनक कुछ पोस्ट के संबंध में भारत सरकार के रुख पर एक बयान जारी किया। बयान में निलंबित किए गए लोगों के नाम का खुलासा किए बिना कहा गया, जिन लोगों ने सरकारी पदों पर रहते हुए सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट किए थे, उन्हें अब उनकी नौकरी से निलंबित कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, मंत्री मरियम शिउना, मालशा और हसन जिहान को निलंबित कर दिया गया है। आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद हंगामा होने पर, मालदीव सरकार ने रविवार को एक पूर्व बयान में, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ देश के मंत्री द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वे सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया, मालदीव सरकार विदेशी नेताओं और उच्च पदस्थ व्यक्तियों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अपमानजनक टिप्पणियों से अवगत है। ये राय व्यक्तिगत हैं और मालदीव सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं।

सरकार का मानना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग लोकतांत्रिक और जिम्मेदार तरीके से किया जाना चाहिए और ऐसे तरीकों से जो नफरत, नकारात्मकता न फैलाएं और मालदीव और उसके अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच घनिष्ठ संबंधों में बाधा न डालें। ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच न करें। मरियम शिउना समेत मालदीव के राजनेताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की हालिया लक्ष्यद्वीप यात्रा का मजाक उड़ाने के बाद विवाद पैदा हो गया। मालदीव में युवा अधिकारिता उप मंत्री शिउना ने एक्स पर हटाए गए पोस्ट में मोदी को विदूषक और इज़राइल की कठपुतली कहा था। बाद में माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर प्रतिक्रिया के बाद ट्वीट हटा दिया गया। मालदीव के एक अन्य नेता और प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव सीनेट के सदस्य जाहिद रमीज ने लक्ष्यद्वीप के समुद्र तटों का उपहास करते हुए टिप्पणियां की और इस बारे में संदेह जताया कि क्या इसके द्वारा दी जाने वाली समुद्र तट पर्यटन सेवाओं की तुलना मालदीव द्वारा प्रदान की जा सकती है। रमीज़ ने एक्स पर लिखा, यह कदम बहुत अच्छा है। हालांकि, हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करने का विचार भ्रामक है। वे हमारे द्वारा दी जाने वाली सेवा कैसे प्रदान कर सकते हैं, वे इतने साफ कैसे हो सकते हैं। कमरों में स्थिति खराब है। इन टिप्पणियों से हंगामा मच गया और कई सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि 8,000 से अधिक होटल बुकिंग, साथ ही मालदीव के लिए 2,500 उड़ान टिकट रद्द कर दिए गए। मालदीव सरकार की अधिकारी मरियम शिउना ने एक प्रमुख सहयोगी के नेता के प्रति कितनी भयावह भाषा बोली है, जो मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। (शेष पेज 9)

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने बयान की निंदा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मालदीव के मंत्री मरियम शिउना की अपमानजनक टिप्पणी पर पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भयानक बताते हुए निंदा की है। ज्ञात रहे कि पूर्व राष्ट्रपति नशीद के कार्यकाल में भारती और मालदीव के साथ बेहतर संबंध थे। मालदीव के पहले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने प्रधान मंत्री मोदी की भारत के सबसे छोटे केंद्र शासित प्रदेश लक्ष्यद्वीप द्वीपों की हालिया यात्रा पर द्वीपसमूह सरकार में मंत्री द्वारा भयानक सोशल मीडिया पोस्ट की कड़ी निंदा की। मंत्री शिउना की टिप्पणियों की निंदा करते हुए, नशीद ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से दुनिया को यह बताने के लिए कहा कि मंत्रियों की टिप्पणियां सरकारी नीति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी की लक्ष्यद्वीप 32 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले 36 द्वीपों वाले केंद्र शासित प्रदेश की उनकी यात्रा को द्वीप पर पर्यटन को बढ़ावा देने के एक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव करने लगा ट्रेंड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

मालदीव की एक मंत्री द्वारा केंद्र शासित प्रदेश लक्ष्यद्वीप के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के बाद महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और सुपरस्टार सलमान खान, अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, श्रद्धा कपूर, मधुर भंडारकर सहित कई भारतीय हस्तियों ने देश के नागरिकों से लक्षद्वीप का दौरा करने का आग्रह किया है। कूटनीतिक विवाद उस समय बढ़ गया जब मालदीव की एक मंत्री ने भारत पर देश को निशाना बनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि समुद्र तट पर्यटन में मालदीव के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भारत को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके जवाब में, भारतीय हस्तियों ने लक्षद्वीप के पक्ष में आगे आई हैं और भारतीय द्वीपों की मनमोहक सुंदरता का प्रदर्शन कर रही हैं।

जल्द ही 'बॉयकॉट मालदीव' कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड करने लगा और सोशल मीडिया प्रभावशाली लोग एक ऑनलाइन अभियान में शामिल हो गए, जिसमें मालदीव और उसके पर्यटन स्थलों के बहिष्कार का आह्वान किया गया। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी हाल ही में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में अपने अनुभव को याद करते हुए इस अभियान में शामिल हुए। सिंधुदुर्ग में अपना 50वां जन्मदिन मनाए हुए 250 से अधिक दिन हो गए हैं। तेंदुलकर ने लिखा, तटीय शहर ने वह सब कुछ प्रदान किया जो हम चाहते थे, और भी बहुत कुछ। अद्भुत आतिथ्य के साथ भव्य स्थानों ने हमें यादों का खजाना छोड़ दिया। भारत को सुंदर समुद्र तटों और प्राचीन द्वीपों का आशीर्वाद प्राप्त है। हमारे 'अतिथि देवो भव' दर्शन के साथ, हमारे पास खोजने के लिए बहुत कुछ है, बहुत सारी यादें बनने की प्रतीक्षा कर रही हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में, कुमार, क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और अनुभवी खिलाड़ी वेंकटेश प्रसाद ने भी लोगों से भारतीय पर्यटन क्षेत्र का समर्थन करने का आग्रह किया क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया पर मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों की निंदा की, जिससे इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा लक्षद्वीप और मालदीव को प्रतिद्वंद्वी पर्यटक के रूप में पेश करने को लेकर विवाद पैदा हो गया है। फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर और अभिनेता जॉन अब्राहम, कंगना रनौत और रणदीप हुड्डा भी सोशल मीडिया के माध्यम से लक्ष्यद्वीप को बढ़ावा देने वाली कुछ भारतीय (शेष पेज 9)

विपक्ष के चुनाव बॉयकॉट के बीच बांग्लादेश में मतगणना आरंभ हुई

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में हिंसा की छिटपुट घटनाओं और मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) तथा उसके सहयोगी दलों के बहिष्कार के बीच रविवार को आम चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू हो गई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने बताया कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक मतदान लगभग 40 प्रतिशत था, लेकिन अभी यह आंकड़ा बदल सकता है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि 12वें संसदीय चुनाव में अपराह्न तीन बजे तक 27.15 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। वर्ष 2018 के आम चुनाव में कुल मिलाकर 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा, मतदान शाम चार बजे समाप्त हो गया और मतगणना शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि नतीजे सोमवार तड़के तक आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अनियमितताओं को लेकर सात मतदान केंद्रों पर मतदान स्थगित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाओं के अलावा, 300 में से 299 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा।

टीएमएसी गुंडों के हमले के शिकार ईडी अफसरों पर बंगाल में हुई एफआईआर

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

बंगाल पुलिस ने करोड़ों रुपये के राशन घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। टीएमसी के कद्दावर नेता शाहजहां शेख के परिसर पर ईडी ने शुक्रवार को छापा मारा, जिसके बाद उनके एक हजार से अधिक समर्थकों ने उन पर हमला किया, उन्हें घायल कर दिया और उनका पीछा किया। ये एफआईआर टीएमसी नेता के समर्थकों द्वारा ईडी अधिकारियों और उनके साथ आए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के खिलाफ दर्ज की गई कथित आपराधिक अतिक्रमण की शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई थीं। इस मामले में कुल तीन एफआईआर दर्ज हुई हैं। पुलिस ने बताया कि पहली एफआईआर ईडी-सीएपीएफ अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई है जबकि दो अन्य एफआईआर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ईडी के अधिकारियों ने बिना कोई सर्च वारंट दिखाए और कानून का उल्लंघन करते हुए सहजहां के आवास में जबरन घुसने का प्रयास किया, पुलिस सूत्रों ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। धारा 441 (आपराधिक अतिक्रमण), 379 (चोरी करने का इरादा) और 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना)। अन्य दो एफआईआर आईपीसी की धारा 147, 148, 149 (दंगा) और 353 (लोक सेवकों पर हमला) के तहत दर्ज की गईं। हालाँकि दो अन्य एफआईआर में किसी का नामज़द नहीं किया गया है।

ऑन-ड्यूटी ईडी पर हुए हमले ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुर्खियां बटोरीं, जब लाठी, बांस, ईंट-पत्थरों और अन्य घातक हथियारों से लैस लगभग एक हजार पांच सौ लोगों ने ईडी के लोगों पर उस समय हमला कर दिया, जब वे टीएमसी जिला बोर्ड सदस्य शाहजहां के संदेशखाली आवास पर छापेमारी कर रहे थे। देश में ईडी अधिकारियों पर अपनी तरह के पहले हमले में उनके वाहन और मीडियाकर्मियों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जबकि सीएपीएफ कर्मियों सहित छापेमारी करने वाले अधिकारियों को टीएमसी के गुंडों ने बुरी तरह पीटा।

इस बीच, जब केंद्र ने सुंदरबन और बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे उत्तर और दक्षिण 24 परगना के व्यापक क्षेत्र में आतंक माने जाने वाले टीएमसी नेता के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव डाला, तो बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरोपी नेता के सीमा पार करने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हमले के बाद केंद्र की संभावित कार्रवाई का स्पष्ट संकेत देते हुए, राज्यपाल ने पुलिस से यह पता लगाने के लिए भी कहा कि क्या हमलों का कोई आतंकी लिंक था। (शेष पेज 9)

बिहार से चुनावी बिगुल बजाएंगे मोदी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी कमर कस चुकी है। पार्टी अलग-अलग राज्यों को लेकर रणनीति बना रही है। इस बीच अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के चंपारण में होने वाली रैली से लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत कर सकते हैं। पीएम मोदी का यहां उनका 13 जनवरी को बेतिया के रमन मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम है। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि बिहार भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की कई रैलियों को संबोधित करेंगे। पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 40 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करना है। इसमें रैलियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों को शामिल करते हुए एक रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई है। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के बिहार में सड़कों और पुलों सहित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास के साथ रैली को संबोधित करेंगे। बेतिया के रमन मैदान में प्रस्तावित प्रधानमंत्री मोदी की रैली को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

बड़ी संख्या में बिक रही हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र वाली पतंगें

अपनी बिहार यात्रा से पहले, पीएम मोदी 8-10 जनवरी तक गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वह वैश्विक नेताओं के साथ वार्ता करेंगे। इसके अलावा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। गुजरात दौरे के बाद, पीएम मोदी 12 जनवरी को महाराष्ट्र जाएंगे, जहां उनका 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन करने और नवी मुंबई में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने का कार्यक्रम है। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी है और हाल ही में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनावों में मिली सफलता लोकसभा चुनाव में उत्साह बढ़ाना वाला है। बिहार बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, पीएम जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे उनमें एनएच 327ई फोरलेन नरेनपुर-पूर्णिया, एनएच 327ई फोर लेन अररिया-गलगलिया, एनएच 30 फोर लेन परिया-मोहनिया आदि शामिल हैं। इसके अलावा शिलान्यास समारोह जेपी सेतु के समानांतर गंगा नदी पर छह लेन पुल, परसरमा-सहरसा-महिषी, चकिया-बैरगिनिया, दरभंगा-जयनगर, जमुई, शेखपुरा और बांका बाईपास का शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं में शामिल है।

इसके साथ ही राज्य में वर्तमान में निर्माणाधीन 10 परियोजनाओं को पूरा करने की समय सीमा इसी वर्ष है। इनमें नौ सड़कें और एक पुल शामिल हैं। इन सभी एनएच की कुल 10 परियोजनाओं का निर्माण 585.75 किलोमीटर की लंबाई में लगभग 19 हजार 756 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव देखा गया है, भाजपा विपक्ष में है और जद (यू) गठबंधन का हिस्सा बन गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी चुनाव में भाजपा को हराने के लक्ष्य के साथ विपक्षी नेताओं को एकजुट करने में जुटे हैं। भाजपा का लक्ष्य बिहार में बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य का मुकाबला करना है, जहां भगवा पार्टी अब विपक्ष में है। (शेष पेज 9)

पौष्टिक और स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड की दिशा में भारत ने बढ़ाया पहला कदम

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में आने वाले भक्तों और पर्यटकों को 'प्रसादम' में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों का लुप्त उठा सकेंगे। मंदिर में रोजाना देश भर से 1 से 1.5 लाख से अधिक भक्त दर्शन-पूजन करने के लिए पहुंचते हैं। श्री महलकाल लोक में देश के सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्यवर्धक एवं स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब का राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के साथ एफएसएसएआई और राज्य के कई अधिकारियों की मौजूदगी में उद्घाटन किया। यहां कुल 19 दुकानों के साथ 939 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैले, प्रसादम फूड स्ट्रीट के विक्रेता ईट राइट यानी स्वस्थ भोजन के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों सहित मेहमानों को उज्जैन के व्यंजन परोसेंगे। फूड स्ट्रीट में समोसा, कचौरी और जंक फूड के साथ प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

यहां खुलने वाले फूड स्टॉलों में पर्यटक मालवा की प्रसिद्ध दाल-बाटी और पोहे-जलेबी के साथ अन्य स्थानीय व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक अधिकारी ने कहा, यह क्षेत्र पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त होगा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए यहां एक मोबाइल लैब भी तैनात की जाएगी। इसे 1.75 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यहां बच्चों के खेलने के स्थान, पीने के पानी की सुविधा, सीसीटीवी निगरानी, ??पार्किंग, सार्वजनिक सुविधाएं और बैठने की जगह सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्ट्रीट फूड हब का उद्घाटन करते मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया

प्रसादम में स्ट्रीट फूड बनाते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां स्ट्रीट फूड का हब बनाया जाएगा, जहां भगवान महाकालेश्वर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु उज्जैन के स्थानीय व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। अधिकारी ने कहा, एफएसएसएआई और उज्जैन स्मार्ट सिटी की देखरेख में यहां ईट राइट फूड के तहत सभी मापदंडों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रसादम नीलकंठ वन के पास स्थित स्मार्ट वाहन पार्किंग के ऊपर परिसर में शुरू होगा। प्रसादम के लिए विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे। उज्जैन में पर्यटन को बढ़ाने और इसकी परंपराओं को संरक्षित करने के अलावा, प्रसादम आर्थिक विकास और सामुदायिक जुड़ाव में भी योगदान देगा।

इस अवसर पर डॉ. मंडाविया ने कहा कि आने वाले दिनों में, हर शहर की अपनी फूड स्ट्रीट होगी, जिससे पूरे देश में स्वस्थ भोजन पहुंचेगा। उन्होंने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सहित खाद्य स्ट्रीटों के पास बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास की भी सराहना की। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि फूड स्ट्रीट यह सुनिश्चित करने का काम करेगी कि स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने वाले आकर्षक तरीके से सभी को स्वस्थ और स्वच्छ भोजन उपलब्ध हो। प्रसादम स्ट्रीट का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की परियोजना का हिस्सा है, जिसका मकसद खाद्य व्यवसायों और समुदाय के सदस्यों के बीच सुरक्षित और स्वस्थ प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे खाद्य जनित बीमारियों को कम किया जा सके और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके।

पिछले साल अप्रैल में, मंत्रालयों ने संयुक्त रूप से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश भर के 100 जिलों में 100 फूड स्ट्रीट विकसित करने के लिए पत्र लिखा था क्योंकि यह महसूस किया गया है कि तेजी से शहरीकरण के साथ, इन केंद्रों से भोजन तक पहुंच आसान हो गई है, इससे पौष्टिक भोजन की समस्या बढ़ गई है। अस्वास्थ्यकर और असुरक्षित प्रथाओं के स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं उत्पन्न होती है। लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि ये केंद्र न केवल लाखों लोगों को कम कीमत पर रोजाना आहार प्रदान करते हैं बल्कि पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देते हुए बड़ी संख्या में लोगों को सीधे रोजगार भी प्रदान करते हैं। (शेष पेज 9)

दिल्ली में कड़कड़ाती ठंड के बीच स्कूलों की बढ़ी छुट्टियां

● मंगलवार को हल्की वर्षा होने के आसार

संजय राय। नई दिल्ली

उत्तर भारत में ठंड और कोहरे का प्रकोप लगातार जारी है। कई हिस्सों में शीतलहर चल रही है और अगले कुछ दिनों तक इससे राहत के आसार नहीं हैं। ऐसे में स्कूल जानें वाले बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ठंड को देखते हुए सभी स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए शीतकालीन अवकाश 12 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, रविवार सात जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूल सोमवार को फिर से शुरू होने वाले थे। आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ठंड के मौजूदा प्रकोप के कारण दिल्ली में नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल अगले पांच दिन तक बंद रहेंगे। शिक्षा निदेशालय (डीओई) द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया कि स्कूल प्राथमिक कक्षाओं के अपने छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित कर सकते हैं। परिपत्र में कहा गया, मौजूदा मौसम के मद्देनजर अगले पांच दिन तक किसी भी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में प्राथमिक वर्गों (नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक) के लिए प्रत्यक्ष रूप से कोई कक्षाएं नहीं होंगी। जहां तक संभव हो, स्कूल प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित कर सकते हैं। (शेष पेज 9)

कॉलेजों में ऑन डिमांड नशीले पदार्थों की करते थे सप्लाई

नोएडा कमिश्नरेट में अलग-अलग विश्वविद्यालय के पांच छात्र गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में स्थित विभिन्न यूनिवर्सिटी और बड़े कॉलेजों में एमबीए या एमटेक आदि की डिग्री लेने के लिए आने वाले छात्रों के कारनामें बड़े ही चौंकाने वाले हैं। इन छात्रों के कारनामों को देखकर नोएडा कमिश्नरेट पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों से लेकर सभी लोग हैरान व परेशान हैं।

मैनेजमेंट की शिक्षा हासिल करने के बाद ये छात्र किसी बड़ी कंपनी में जॉब हासिल करने से पहले ही मालामाल होना चाहते हैं। मालामाल बनने के लिए इन छात्रों ने ऐसे आइडिया डवलप किए हैं कि अपने बुने जाल में खुद ही फंस गए हैं और अब पुलिस के शिकंजे में हैं। दरअसल, नोएडा कमिश्नरेट की विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में ऑन डिमांड मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। नोएडा की कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने शनिवार को गिरोह के सरगना समेत पांच छात्र तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 12 लाख के मादक पदार्थ, सात मोबाइल, एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा और तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली बाइक और स्कूटी बरामद हुई है। नोएडा की कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने शनिवार को रिहाए नेपाल निवासी सागर, बिहार निवासी निशांत, मैनपुरी निवासी सचिन कुमार, सहरसा निवासी हर्ष झा और रोहिणी दिल्ली निवासी चेतन अदलका को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को मीडिया के सामने पेश करते पुलिस अधिकारी व जब्त माल।

आरोपी विद्यार्थियों को विदेशी गांजा ओजीए शिलॉन्ग के गांजे और चरस की सप्लाई करते थे और इसके लिए सोशल नेटवर्किंग साइट का सहारा लेते थे।

नोएडा जोन के डीसीपी हरीश चंदर के अनुसार, आईटीआई पास सरगना सचिन मध्य प्रदेश के चिंटू से 90 हजार प्रति किलो कीमत वाला शिलॉन्ग गांजा मंगवाता है।

तस्करी के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते थे आरोपी

डीयू का पूर्व छात्र सागर स्नैपचैट, टेलीग्राम और व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अलग.अलग विवि अन्य शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थियों से जुड़ा है। मांग के अनुसार सचिन और सागर ड्रग्स की डिलीवरी कराते थे। आरोपी सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर ग्रुप बनाकर नशे का कारोबार कर रहे थे। सप्लाई के लिए फ्लिपकार्ट, अमेजन और मीशो जैसी कंपनियों की नकली रैपर में पैकिंग कर छोटे.छोटे पार्सल बनाए जाते थे। इन पैकेट को इन्हीं का राइडर विश्वविद्यालय, हॉस्टल और पीजी में सप्लाई करता था। पकड़ा गया आरोपी चेतन नोएडा की एक यूनिवर्सिटी का होटल मैनेजमेन्ट कोर्स का चतुर्थ वर्ष का छात्र है। जो विदेशी ड्रग्स ओजी व चरस खरीदकर एमिटी यूनिवर्सिटी व अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को मादक पदार्थ बेचता है। पकड़े गए आरोपियों के मोबाइल फोनों से काफी अधिक संख्या में छात्रों के मोबाइल नंबर व मादक पदार्थों की डिलीवरी व सप्लाई से संबंधित चैटस भी प्राप्त हुई है। आरोपी सागर मूलरुप से नेपाल का रहने वाला है और उसने दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई की है। सचिन मूलरुप से मैनपुरी व हर्ष बिहार का रहने वाला है। जिन्होंने आईटीआई संबंधित टेक्निकल कोर्स की पढ़ाई की है। आरोपियों ने एक अलग कमरा किराये पर लेकर मादक पदार्थों को फ्लिपकार्ट, अमेजॉन, मिशो जैसी कंपनियों की रैपर पैकिंग में छोटे-छोटे पार्सल के रूप में पैक किया जाता था। आरोपियों से पूछताछ पर मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले एक अन्य व्यक्ति अनित सोम का नाम भी प्रकाश में आया है।

भाभी ने प्रेमी संग मिलकर देवर को मार डाला, दो गिरफ्तार

● अवैध संबंधों उजागर करने की दे रहा था धमकी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में हुई ई रिक्शा चालक की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। मृतक की भाभी के पड़ोसी व्यक्ति से अवैध संबंध थे। भाभी के बॉयफ्रेंड को वो ब्लैकमेल कर रहा था और पैसे न देने पर अवैध संबंधों की बात उजागर करने की धमकी दे रहा था।

इस पर भाभी ने देवर को मरवा डाला। पुलिस ने दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी विवेक चंद्र यादव ने बताया, मोदीनगर थाना क्षेत्र के बिसोखर गांव में शुक्रवार को 30 वर्षीय पवन का शव घर के ऊपर बने स्टोर रूम में रजाई में लिपटा मिला था। मृतक के शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे। पवन ई रिक्शा चलाता था, लेकिन शनिवार को ठंड ज्यादा होने की वजह से वो काम पर नहीं गया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। एसीपी ने बताया पुलिस ने शनिवार को इस हत्याकांड में मृतक पवन की भाभी दीपा 30 वर्ष और पड़ोसी फैजान 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में दीपा का पति पिछले डेढ़ महीने से बंगलुरु में रहकर नौकरी कर रहा था। इस दौरान दीपा का प्रेम प्रसंग पड़ोसी फैजान से हो गया। करीब एक सप्ताह पहले पवन को भाभी और पड़ोसी के प्रेम संबंधों की जानकारी हो गई। वो फैजान को ब्लैकमेल करने लगा और रुपयों की डिमांड करने लगा। रुपए न देने पर उसने अवैध संबंधों की बात सार्वजनिक करने की धमकी दी। इस पर दीपा और फैजान ने मिलकर पवन की हत्या की प्लानिंग बनाई।

गाजियाबाद से ब्रजघाट तक कार रैली, गंगा नदी में प्रदूषण को लेकर करेंगे जागरूक

● आगामी 5 वर्ष में 25 लाख परिवारों को जागृत कर जल संरक्षण और शुद्धता में सहयोगी बनाया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद से ब्रजघाट तक कार रैली रविवार सुबह प्रारंभ हुई। हैप्पी रिवर कम्युनिटी के बैनर तले निकाली जा रही इस रैली के जरिए जल की शुद्धता, पवित्रता और जलीय प्रदूषण को लेकर जन जागरुकता फैलाई जाएगी।

हैप्पी रिवर कम्युनिटी के फाउंडर अमरीश कुमार ने बताया कि आगामी 5 वर्ष में 25 लाख परिवारों को इस विषय पर जागृत कर जल का संरक्षण और शुद्धता में सहयोगी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा जल प्रदूषण की समस्या से आगामी दिनों में शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर बढ़ेगा। इस तथ्य से जन सामान्य भली भांति परिचित हो, इसके लिए पिछले कई वर्षों से हैप्पी रिवर कम्युनिटी इस विषय पर लगातार काम कर रही है। संदीप त्यागी रसम ने कहा कि हर नंदी पौराणिक नदी है। इसके किनारे से यह यात्रा अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी। जैसे स्वस्थ जीवन के लिए जल की शुद्धता आवश्यक है, वैसे ही समाज में अत्याचारियों की सम्मानित करती मानसिकता भारत छोड़ो अभियान में गाजियाबाद जैसे नाम परिवर्तन की आवश्यकता है। भाजपा प्रकोष्ठ के संयोजक संजय कश्यप ने अपने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हैप्पी रिवर कम्युनिटी की आगामी जन जागरण यात्रा बद्रीनाथ से बनारस तक चलेगी। मोनिका, मेहरचंद चांवरिया, आरके शर्मा, बबीता चांवरिया, सी हीरोज, से सोनिया, ममता, मिथिलेश चांवरिया, विजय, राहुल, वीके, प्रमोद आदि शामिल हुए।

गैंगस्टर रवि नागर उर्फ काना की 70 करोड़ की संपत्ति जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गैंगस्टर और स्क्रैप माफिया रवि नागर उर्फ रवि काना के खिलाफ नोएडा पुलिस लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। रवि और उसके गिरोह की संपत्ति को लगातार कब्जे में लिया जा रहा है। शनिवार को ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा के शाहदरा गांव में स्थित रवि की 70 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया।

गैंगस्टर और गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी रवि काना को लेकर पुलिस लगातार दबिश देकर कारवाई कर रही है। उसके द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को भी पुलिस के द्वारा जब्त किया जा रहा है। शनिवार को ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने शाहदरा गांव में स्थित एक 4000 वर्ग मीटर के प्लॉट और पांच दुकानों को सील कर दिया। इस संपत्ति की कीमत करीब 70 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस अब तक रवि नागर और उसके गिरोह की लगभग 300 करोड़ की संपत्ति को जब्त कर चुकी है। जिसमें उसकी स्क्रैप की दो फैक्ट्रियां, कई वाहन दिल्ली में स्थित उसके गैंग के सदस्य का एक मकान और कई लग्जरी गाड़ियां शामिल है।

गैंग का एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

● आरोपी की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

साथ ही पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे इसी गिरोह के एक सदस्य विक्की को गिरफ्तार कर लिया। विक्की सलारपुर का रहने वाला है। वह रवि के गिरोह के ट्रांसपोर्ट के काम को संभालता था। गैंगरेप के मामले में रवि नागर उर्फ रवि काना फरार चल रहा है। इसको लेकर पुलिस के द्वारा दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड सहित कई जगह पर दबिश दे चुकी है।

पुलिस की 5 से ज्यादा टीम रवि और उसके गिरोह के सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के द्वारा रवि के खिलाफलुक आउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है, लेकिन उसके बावजूद भी रवि अभी फरार चल रहा है। एक तरफ पुलिस रवि नागर को तलाश कर रही है वहीं दूसरी तरफउसे आर्थिक रूप से कमजोर कर उसकी संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई कर रही है। अभी तक उसके गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार हो चुके हैं। बीटा 2 थाने में रवि सहित 16 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

उल्लू गैंग के पांच आरोपियों की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

ट्रैक्टर चोरी करने वाले उल्लू गैंग के पांच गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने नोएडा और एनसीआर में ट्रैक्टर ट्राली चोरी करने वाले अंतर्राज्जीय उल्लू गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए उल्लू गैंग के पांचों सदस्यों के पास से चोरी के आठ ट्रैक्टर बरामद हुए हैं। पुलिस गैंग के फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है। आपको बता दें कि रविवार को नोएडा के थाना सेक्टर 24 नोएडा में ट्रैक्टर ट्राली चोरी होने का एक मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने दिलशाद, अनीस, शहजाद, वरूण तथा भूपेन्द्र को सेक्टर-54 रेड लाइट के पास से गिरफ्तार किया गया है, जिनकी निशादेही पर चोरी के 8 ट्रैक्टर व ट्राली व 3 तमंचे व 4 कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वह हमेशा चोरी करने के लिए रात में ही निकलते हैं जिस कारण हमने अपने गैग का नाम उल्लू रखा है।

अफीम की तस्करी करने वाला पकड़ा गया

गाजियाबाद। गाजियाबाद में क्राइम ब्रांच की टीम ने रविवार को एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से 2 किलो अफीम पकड़ी है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में करीब 50 लाख रुपए कीमत बताई गई है। वह इसे झारखंड से तस्करी करके लाया था। अपर पुलिस उपायुक्त क्राइम सच्चिदानंद ने बताया पकड़ा गया आरोपी पंकज कुमार दागी 21 है। ये मूल रूप से झारखंड राज्य में चतरा जनपद के मोहल्ला पांडे टोल कस्बा का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी सिहानी गेट थाना क्षेत्र में बस स्टैंड के पास से हुई है। पूछताछ में पंकज ने बताया मैं पांचवीं पास हूं। पूर्व में कमाई के उद्देश्य से मुंबई गया था, लेकिन आमदनी ज्यादा न होने से मुंबई से लौट आया। उसके बाद गांव आकर खेती करने लगा। इसी बीच मेरा संपर्क अफीम बेचने वाले गांव के ही संतोष से हुआ। उसने मुझे कम समय में अच्छी इनकम के सपने दिखाए। इसके बाद मैं भी अफीम की तस्करी से जुड़ गया। गांव के ही संतोष ने मुझे दिल्ली, एनसीआर, गाजियाबाद, पंजाब, हरियाणा में कुछ ग्राहकों के नाम बताए और उनसे संपर्क करने को कहा। उसके बाद से मैं इस धंधे में उतर गया।

विद्यावती गर्ल्स कॉलेज में रक्तदान शिविर लगा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के विद्यावती मुकंदलाल गर्ल्स कॉलेज में संस्थापक दिवस के मौके पर रक्तदान मेले का आयोजन हुआ। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी नई दिल्ली एवं एमएमजी अस्पताल गाजियाबाद के निर्देशन में हुए इस मेले में 185 यूनिट ब्लड इकट्ठा किया गया, जो जरूरतमंदों के काम आता रहेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन, पूजन एवं प्रसाद वितरण से हुआ। महाविद्यालय प्रबंध तंत्र ने संस्थापक परिवार की मूर्तियों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रक्तदान मेला का प्रारंभ प्रथम रक्तदाता पंकज कुमार डेढ़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

वॉलीबॉल मैच में सट्टा लगाने को लेकर विवाद

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना ट्रॉनिका सिटी के अगरौला गांव में मकान के बाहर फायरिंग का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। यह सीसीटीवी शनिवार रात का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक वॉलीबॉल मैच में हुए विवाद के बाद एक पक्ष की तरफसे फायरिंग की गई है। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शनिवार रात तकरीबन 11:00 बजे थाना ट्रोनिका सिटी के गांव अगरौला में कृष्ण कुमार नाम के व्यक्ति के घर के बाहर फायरिंग हुई है। जांच करने पर पता चला है की कृष्ण कुमार के बेटे विशाल का वंश नामक युवक से वॉलीबॉल मैच के दौरान झगड़ा हुआ था। वंश ने पत्थर से विशाल के पैर में चोट मार दी थी। जिसको लेकर बाद में समझौता भी हो गया था। जिसमे ये तय हुआ था की अब इस विवाद को आगे नही बढ़ाया जाएगा।

पहलवान गिरोह को बेहद पसंद थी बुलेट मोटरसाईकिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में दिनों एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जिसका नाम पहलवान है। पहलवान गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ मिलकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे जिले में पलक झपकते ही बाइक को साफ कर देता है। पुलिस ने पहलवान गिरोह के सरगना और उसके साथी को चोरी की 9 बाइक के साथ गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा-2 पुलिस ने लेबर गोल चक्कर के पास से शिवम सिंह चौहान पुत्र गोविन्द तथा बोबी पुत्र शिव सिंह को चोरी की 1 फर्जी नम्बर प्लेट लगी मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों बाइक चोर हैं। जिसके बाद उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चूहडपुर अंडरपास के पास झाड़ियों से चोरी की 8 मोटर साइकिल बरामद की। पकड़े गए बाइक चोरों की बाबत पुलिस ने बताया कि पकड़े गए दोनों युवक शातिर किस्म के वाहन चोर हैं। शिवम गैंग का सरगना है इस गैंग का नाम पहलवान गैंग है।

● सरगना और उसका साथी गिरफ्तार, चोरी के नौ वाहन जब्त

यह गैंग नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सक्रिय है। इस गैंग के सदस्यों को बुलेट बाइक बेहद पसंद हैं, लिए बुलेट को निशाना बनाकर रेकी करके चोरी करते हैं। चोरी की गई मोटर साइकिलों को मन माफिक फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेचकर अवैध धन अर्जित करते हैं।

तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में सड़क पर एक बार फिर लापरवाही देखने को मिली। जहां रॉन्ग साइड जा रही एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी।

इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। सड़क हादसे की है पूरी घटना एक कैमरे में कैद हो गई। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में नोएडा.ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस.वे पर सड़क हादसा देखने को मिला। दरअसल परी चौक की तरफसे एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर रॉन्ग साइड नोएडा की तरफ जा रही थी। वही नोएडा की तरफ से एक मोटरसाइकिल सवार आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार रॉन्ग साइड आ रही फॉर्च्यूनर ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी।

यह टक्कर इतनी जबरदस्ती की फॉर्च्यूनर के एक हिस्से की पर परखच्चे उड़ गए। मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार को चोट भी आ गई। वही एक अन्य गाड़ी में लगे हुई कैमरे में यह पूरी घटना कैद हो गई।

किराये के विवाद में युवक का पेपर कटर से गला रेता, गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में मुरादनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर डागर विहार कॉलोनी के सामने सुबह रिक्शा के किराए को लेकर हुई विवाद में एक युवक का पेपर कटर से गला रेत दिया गया।

गंभीर हालात में युवक को दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नगर की कूटी रोड निवासी राजू सिंह रिक्शा चलाते हैं। बताया जा रहा है कि सुबह जलालपुर रोड निवासी अर्जुन ने राजू सिंह से रिक्शा में शीशा मंगवाया था। राजू रिक्शा में शीशा लादकर अर्जुन सिंह के पास दिल्ली मेरठ मार्ग पर डागर विहार कॉलोनी के पास पहुंचा दिया। किराए के पांच सौ रुपए को लेकर राजू सिंह व अर्जुन के बीच विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ा कि अर्जुन सिंह ने राजू की पिटाई कर दी। इसी बीच राजू सिंह ने फोन करके अपने 20 साल के बेटे प्रेम को बुलाया लिया। जैसे ही प्रेम मौके पर पहुंचा तो उसकी अर्जुन सिंह के साथ मारपीट हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि अर्जुन सिंह ने पेपर कटर से प्रेम के गला रेत दिया। गला रेतने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रेम को सीएचसी मुरादनगर अस्पताल में पहुंचाया।

लोनी क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास

● भाजपा सरकार जनता के प्रति पूर्ण रूप से समर्पितः वीके सिंह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की लोनी विधानसभा क्षेत्र में रविवार को करोड़ों रुपए के विकास.निर्माण कार्यों का शिलान्यास हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जरनल वीके सिंह रहे। ये कार्यक्रम खन्नानगर लोनी में दादी भोई फार्म हाउस में आयोजित हुआ।

लोनी विधानसभा क्षेत्र में रविवार को करोड़ों के विकास-निर्माण कार्यों का शिलान्यास करते सांसद वीके सिंह।

उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग द्वारा जारी प्राप्त धनराशि 5574.25 लाख रुपये से 211 कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही ई-निविदा के तहत 3650.03 लाख रुपए की लागत से 140 कार्यों को स्वीकृति दी गई है। वहीं 15वां वित्त आयोग के तहत 1518.98 लाख रुपये की लागत से 37 निर्माण कार्य और 723.15 लाख रुपये की लागत से 55 पेयजल कार्यों को स्वीकृति दी गई है। केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह ने इन सभी कार्यों को स्वीकृति देते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनता के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होकर काम कर रही है। आज के सभी विकास कार्य इसका सबसे बड़ा सुबूत है कि जहां-जहां जनता की मांग थी, वहां-वहां विकास कार्यों का शुभारंभ हो रहा है। इस मौके पर लोनी नगर पालिका चेयरपर्सन रंजीता धामा, भाजपा जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान आदि काफी लोग मौजूद रहे।

बदमाशों ने डॉक्टर से लूट का किया प्रयास

गाजियाबाद। मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बैंक कॉलोनी के पास बदमाशों ने बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर से लूट करने का प्रयास किया। लूट में विफल होने पर बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की तलाश में लगी हुई है। नगर की बैंक कॉलोनी निवासी डॉण्श्याम सिंह बॉल रोग विशेषज्ञ है। उनका दिल्ली.मेरठ मार्ग पर जगत नर्सिग होम के नाम से अस्पताल व क्लिनिक है। शनिवार शाम 7:45 बजे के आसपास वह पैदल ही अपने घर से क्लिनिक की और जा रहे थे। जब वह अपने क्लीनिक के पास पहुंचे तो एक युवक उनके पास आया और बच्चा दिखाने के लिए कहने लगा। डॉक्टर ने युवक से कहा कि क्लीनिक के मेन दरवाजे से आए और पर्चा बनवाए।

तीन दिन की छापेमारी में मिली 2.70 करोड़ रुपये की नकदी

● करीब 100 करोड़ के टैक्स चोरी के मिले दस्तावेज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कॉमर्शियल स्पेस बेचने के नाम पर नोएडा में चार बिल्डर सहित दो ब्रोकर कंपनी के ठिकानों पर आईटी की रेड जारी है।

तीन दिन में करीब 2 करोड़ 70 लाख रुपए कैश बरामद हुआ है। भूटानी इंफ्रा गुप 108, एडवंट, लाजिक्स समेत दो ब्रोकर कंपनियों में करीब करोड़ रुपए के टैक्स चोरी करने के दस्तावेज सामने आए हैं। इसके अलावा बहुत सी पर्चियां और कच्चे बिल और दस्तावेज मिले हैं। चौथे दिन भी आईटी की रेड जारी है। इनकम टैक्स ने चार बिल्डर और दो ब्रोकरेज कंपनी के नोएडा, दिल्ली, फरीदाबाद में 37 ठिकानों पर गुरुवार को सर्च शुरू की गई थी। हालांकि इसमें नोएडा की तीन लोकेशन पर सर्च पूरी हो गई है।

अब सिर्फ34 स्थानों पर आईटी सर्च कर रही है। अब बिल्डरों के एग्रीमेंट और सेल.परचेज के मिले दस्तावेजों के आधार पर पूछताछ की जा रही है। दस्तावेजों से स्पष्ट होता जा रहा है कि लाजिक्स ग्रुप कॉमर्शियल स्पेस को बड़े पैमाने पर बेचने का ठेका भूटानी ग्रुप की ओर से लिया गया है। जिसमें सभी की हिस्सेदारी तय है। इस सर्च में आयकर विभाग के 400 से ज्यादा कर्मी और अधिकारी लगे हैं। पूरा खेल लाजिक्स ग्रुप के कई कॉमर्शियल भूखंड को बनाकर कॉमर्शियल स्पेस के लिए बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। जिसमें भूटानी ग्रुप के पुराने हिस्सेदार आइथम एवं कोरंथम के मालिक भी शामिल हैं। जिसका भूटानी ग्रुप से आंतरिक एग्रीमेंट किया, इसके तहत भूटानी ने इस स्पेस को बेचना शुरू किया। यहां अधिकांश पैसा ब्लैक में खपाया गया। लगभग एक प्लॉट को बेचने में 40 प्रतिशत तक की धनराशि नकद में ली गई। जिसका न कोई पक्के दस्तावेज होते है और न ही कोई लीगल डाक्यूमेंट।

चारों बिल्डरों ने कई सौ करोड़ रुपए के टैक्स में हेराफेरी की। दरअसल भूटानी इंफ्रा। किसी भी ब्रोकर के जरिए कोई भी कॉमर्शियल स्पेस बेचता है तो ब्रोकर को काफी बड़ा अमाउंट कमीशन के रूप में दिया जाता था। ये पूरा कमीशन कैश में दिया जाता है। जिसका कोई भी पक्का दस्तावेज नहीं होता। ऐसी कई पर्चियां और कच्चे दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ब्रोकर को दिए गए पैसों की जानकारी है। इनमें से दो ब्रोकर के यहां इनकम टैक्स की रेड जारी है।

फरवरी 2022 में आयकर विभाग को पहली बार टैक्स चोरी का इनपुट मिला। डेढ़ साल पहले आयकर विभाग ने बिल्डरों पर सर्च की योजना तैयार की थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर सर्च को एक साल तक रोके रखा गया। टैक्स चोरी के पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद दस्तावेजों को खंगालना काम शुरू किया। इसी दौरान पता चला कि भूटानी ग्रुप दो भागों में बंट गया। पहली भूटानी इंफ्रा और दूसरा ग्रुप 108 रहा। अब दोनों कंपनी के जरिए कॉमर्शियल स्पेस को बेचा जा रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 जनवरी, 2024

गांवों के विकास कार्यों का खाका तैयार

ग्रामीण इलाकों की बदलेगी तस्वीर, परंपरागत पहचान और आधुनिकता का होगा समावेश

● ग्रामीण विकास बोर्ड का 793 करोड़ रुपये का फंड भी डीडीए को स्थानांतरित किया है

संजय राय। नई दिल्ली

दशकों से अनदेखी के शिकार दिल्ली देहात के गांवों को तस्वीर बदलने वाली है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की पहल से 200 शहरीकृत और 49 ग्रामीण गांव शहरों की तर्ज पर विकसित किए जाएंगे।

गांवों की पारंपरागत छवि को बरकरार रखते यहां आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राजस्व विभाग ने ग्रामीण विकास बोर्ड का 793 करोड़ रुपये का फंड भी दिल्ली विकास प्राधिकरण को स्थानांतरित कर दिया है। खास बात यह है कि इस फंड का खर्च कैसे होगा एवं गांवों में क्या-क्या कार्य कराए जाएंगे, इसका पूरा खाका तैयार कर लिया गया है।

अभियान को धरातल पर उतारने, गांवों की स्थिति की जायजा लेने और ग्रामीणों की सलाह से विकास योजनाओं को तैयार करने के लिए सभी 11 जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का चयनित गांवों में रात्रि प्रवास भी रविवार से शुरू हो गया है। राजनिवास के मुताबिक रात्रि प्रवास के जरिये एलजी ने सभी विभागों से ग्रामीणों के सामने आने वाली चुनौतियों और सामाजिक आर्थिक स्थितियों का जमीनी आकलन करने के लिए निर्देश दिया है। इस प्रवास के बाद जरूरत के मुताबिक फंड के व्यय और कराए जाने वाले कार्यों में कुछ बदलाव भी किया जा सकता है।

दिल्ली ग्रामोदय अभियान संवाद में डीएम के साथ सांसद प्रवेश साहिब सिंह व अन्य।

बजट का व्यय

दिल्ली ग्रामोदय अभियान के अंतर्गत लगभग 793 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस धनराशि का वितरण ग्रामवार किया जायेगा। ग्रामवार एस्क्रो खाते खोले जाएंगे और ग्राम सभा भूमि में किए जाने वाले विकास कार्यों की पहचान समुदाय के प्रतिनिधियों, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की जाएगी। फंड का 60 प्रतिशत इस वित्तीय वर्ष में दिया जाएगा जबकि शेष राशि अगले वर्षों में वितरित की जाएगी। तीन प्रतिशत प्रशासन शुल्क के लिए होगा। अभियान के तहत क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यों व योजनाओं को दिल्ली विकास प्राधिकरण की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा अनुमोदित किया जाना है। डीडीए के तहत निष्पादित किए जाने वाले कार्यों को उसी वित्त वर्ष के भीतर या मंजूरी की तारीख से एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाना आवश्यक होगा। एक वित्त वर्ष से अधिक के लिए कार्य की चरणबद्धता एवं वित्तीय स्वीकृति मान्य नहीं है। स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, डीडीए के उपाध्यक्ष को पुनर्विनियोजन के लिए अधिकृत किया गया है। योजनाओं के पूरा होने में देरी के मामले में, परिसमापन क्षति प्रति सप्ताह अनुबंध मूल्य के 0.5 प्रतिशत (आधा प्रतिशत) के बराबर राशि से अधिक नहीं होनी चाहिए।

गांवों में कराए जाने वाले विकास कार्य

तालाबों, जलाशयों का जीर्णोद्धार। श्मशान घाट, पार्क, खेल के मैदान, व्यायामशाला व ग्राम पुस्तकालय का विकास। बुनियादी ढांचागत विकास यानी जल आपूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सीवेज पंपिंग स्टेशन, वर्षा जल संचयन आदि का उन्नयन। मौजूदा चौपालों, बारातघरों, सामुदायिक केंद्रों आदि का रखरखाव और नए का निर्माण समेत अन्य आवश्यकता आधारित कार्य जैसे पेयजल सुविधा बेहतर बनाना। आवश्यकता के आधार पर स्कूलों, अस्पतालों एवं औषधालयों के लिए स्थानीय निकायों को भूमि का आवंटन।

दिल्ली ग्रामोदय अभियान : प्रवेश साहिब सिंह ने गांव के विकास पर की चर्चा

नई दिल्ली। सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में दिल्ली ग्रामोदय अभियान संवाद के अंतर्गत खेड़ा डाबर, जाफरपुर कलां, उजवा, समसपुर खालसा, बापरोला, बक्करवाला, रणहौला और कोटला में ग्रामीणों से संवाद किया। उनकी समस्याओं को सुना और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और गांव के विकास पर संवाद कर चर्चा की। ग्रामिणों की माँग के अनुसार गांव के महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण प्रवेश ने अधिकारियों के साथ किया, जहाँ- जहाँ स्टेडियम बनवाने, कॉलेज बनवाने, पानी की समस्या , चौपाल की मरम्मत, ट्यूबल की समस्या, सामुदायिक भवन बनाने व मरम्मत , पार्क बनाने, सड़क बनाने , तालाब का सौन्दर्यीकरण करने, स्कूल की चारदीवारी, नाले की समस्या कूड़े की समस्या समेत अन्य माँगों के अनुसार उस स्थान को चिन्हित कर अधिकारियों को करवाई करने के आदेश दिये । इस ग्रामोदय अभियान संवाद कार्यक्रम में डीएम लक्ष्य सिंघल, एसडीएम ममता यादव आदि मौजूद रहें।

वीकेंड पर हल्की धूप में आराम के साथ मस्ती

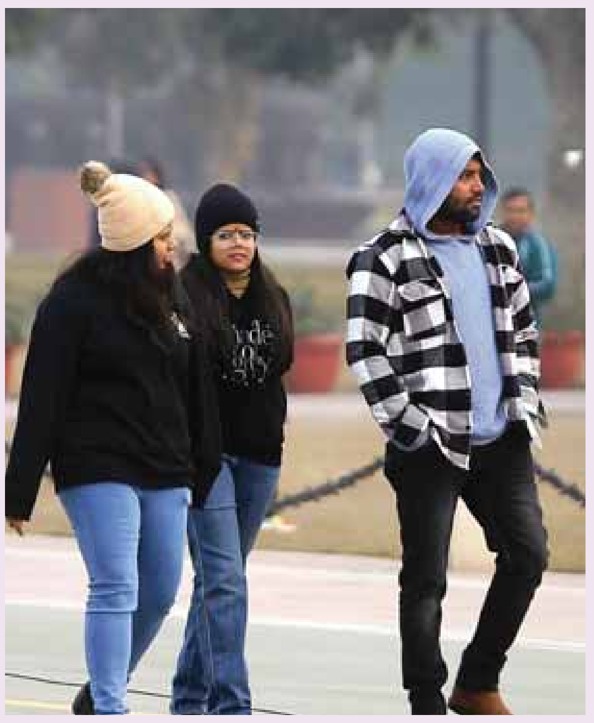

सभी फोटो: रंजन डिमरी

'समाज में शिक्षा व समानता का विशेष महत्व'

● मंत्री राज कुमार आनंद ने सावित्री बाई फुले का मनाया जन्मदिवस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अनुसूचित जाति, जनजाति मंत्री राज कुमार आनंद ने अपने निवास स्थान पर सामाजिक बुद्धिजीवियों और बहुजन समाज के लोगों के साथ सावित्री बाई फुले का जन्मदिवस धूम धाम से मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सबसे खतरनाक होता है सपनों का मर जाना, 19वीं शताब्दी तक महिलाओं के पढ़ने लिखने के सभी मार्ग बंद थे।

वह अपने पढ़ने लिखने के सपनों को मार चुकी थी। जब अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा विवाह जैसी कुरीतियों पर महिलाएं इसे नियति मानकर चुपचाप झेला करती थीं, उस दौर में महिलाओं के लिए अगर पहली बार किसी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को सशक्त और सार्थक करके दिखाया तो इसका श्रेय वीरांगना सावित्री बाई फुले को जाता है। राज कुमार आनंद ने कहा कि यह सब उन्होंने तब संभव कर दिखाया जब पेशवाई संस्कृति चरम पर थी, बाल विवाह की परंपरा समाज में व्यापकता से फैली थी। उस समय सावित्री बाई फुले ने अपनी आवाज़ उठाई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। बाल विवाह और वेश्यावृति के कारण महिलाओं पर होने वाले जुल्म का भी सावित्री बाई फुले ने जगह जगह पोस्टर लगाकर बताया कि जिस विधवा का कोई नहीं उसके लिए सावित्री बाई है।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का दिल्ली के मंदिरों में सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष करनैल सिंह ने रविवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले अभिषेक समारोह का सीधा प्रसारण राष्ट्रीय राजधानी के लगभग 14,000 मंदिरों में दिखाया जाएगा। सिंह ने कहा कि समारोह को लाइव देखने के लिए प्रत्येक मंदिर में लगभग 200 लोग मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहर के मंदिरों में स्क्रीनिंग में कुल मिलाकर लगभग 30 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

भाजपा नेता ने कहा कि 20 जनवरी को दिल्ली-करनाल रोड पर खाटू श्याम मंदिर में 1.08 लाख दीये जलाए जाएंगे और 17 जनवरी को 'प्राण प्रतिष्ठा' के ऐतिहासिक आयोजन के उपलक्ष्य में मंदिर के पुजारियों द्वारा एक बाइक रैली निकाली जाएगी।

निर्वाचन अधिकारी से मिलने की संजय को मिली अनुमति

नई दिल्ली। अदालत ने आबकारी मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी नेता संजय को राज्यसभा चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी से नामांकन पत्र दाखिल करने के सिलसिले में मिलने की अनुमति दे दी है।

विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने सिंह द्वारा दायर एक आवेदन पर यह निर्देश पारित किया। पहले सिंह को रास चुनाव के लिए उनके पुन: नामांकन से संबंधित कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी थी। न्यायाधीश ने 8 और 10 जनवरी को निर्वाचन अधिकारी के सामने पेश करने का निर्देश दिया, ताकि वह चुनाव के संबंध में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकें।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, 3 किशोर पकड़े

● कचरा बीनने का काम करती थी पीड़िता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में 12 वर्षीय एक लड़की के साथ एक व्यक्ति तथा तीन किशोरों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। एक महिला किशोरी को बहला-फुसला कर एक सुनसान स्थान पर ले गई थी, जहां उसके साथ इस वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पुरुष और महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं तीन आरोपी किशोरों को पकड़ा गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना दो जनवरी को यहां के सदर बाजार इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि नाबालिग लड़की कचरा बीनने का काम करती है और कचरा बीनने के लिए सदर बाजार इलाके में आई थी उन्होंने बताया, आरोपी महिला वहां एक चाय की दुकान पर नियमित तौर पर आती थी और लड़की को पहचानती थी।

वह बहला-फुसला कर लड़की को किसी सुनसान जगह पर ले गई जहां 12, 14 और 15 वर्ष के तीन किशोर तथा चाय के दुकान का मालिक सुरेश (38) उनका इंतजार कर रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला लड़की को एक टेंट में ले गई और वहां तीनों नाबालिगों तथा पुरुष ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने लड़की को घटना के बारे में किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब लड़की चार जनवरी को कचरा बीनने फिर से सदर बाजार इलाके में आई और उसने घटना की जानकारी अपने एक रिश्तेदार को दी। पुलिस अधिकारी ने बताया चाय की दुकान के मालिक सुरेश और महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। तीनों आरोपी किशोरों को पकड़ लिया गया है। पीड़िता के बयान दर्ज किए गए हैं।

स्वास्थ्य मॉडल भ्रष्टाचार का पर्याय बना : सचदेवा

● बोले, पट्टी, रूई, इंफूयसन सेट, मेडिकल ग्लव्स जैसी आवश्यक मेडिकल सामग्री तक घटिया निकलने से खुली पोल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की केजरीवाल सरकार का हेल्थ मॉडल अब भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। राज्य सरकार 9 साल से विश्व स्तरीय हेल्थ मॉडल का दावा करती रही आज एक महीने में उसके हेल्थ मॉडल के अंतर्गत हर काम में भ्रष्टाचार की चर्चा से दिल्ली वालों को विचलित कर दिया है।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की दिल्ली सरकार के अस्पतालों में उपयोग की जा रही पट्टी, रूई, इंफूयसन सेट, मेडिकल ग्लव्स जैसी आवश्यक मेडिकल सामग्री तक घटिया निकलने और जांच में उनके सैंपल फेल होने से अब अरविंद केजरीवाल के हेल्थ मॉडल की पोल पूरी तरह खुल गई है। हेल्थ मॉडल के एक के बाद एक घोटाले उजागर होने के बाद से स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज लगातार मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मनीष सिसोदिया एवं खुद का बचाव कर रहे हैं और अधिकारियों पर दोषारोपण कर रहे हैं। जनता सौरभ भारद्वाज से पूछना चाहती है की जब आपके स्वास्थ्य विभाग के हर काम में भ्रष्टाचार सामने आ रहा है तो यह कैसे मुमकिन है की मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को इसी भनक भी नहीं थी। सचदेवा ने कहा है की यदि मुख्यमंत्री केजरीवाल एवं मंत्री भारद्वाज में थोड़ी भी नैतिकता शेष हो तो नकली दवाओं, पैथोलॉजिकल टेस्ट घोटाले के बाद अब सामने आये घटिया मेडिकल सामग्री घोटाले की जिम्मेदारी लें और इस्तीफा दें।

केजरीवाल ने प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि पर दिल्ली वालों की सराहना की

● बोले, दो करोड़ लोगों और दिल्ली सरकार की कड़ी मेहनत से इसे हासिल किया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राज्य की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का श्रेय दो करोड़ दिल्लीवासियों और शहर सरकार की कड़ी मेहनत व संयुक्त प्रयासों को दिया। केजरीवाल सरकार ने शनिवार को अपनी सांख्यिकी पुस्तक (स्टैटिस्टिकल हैंडबुक)-2023 का विमोचन करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 3,89,529 रुपए से बढ़कर 4,44,768 रुपए हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत से 158 प्रतिशत अधिक है।

राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर आधारित आंकड़ों वाली यह पुस्तक दिल्ली सरकार के आर्थिक और सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी की गई। केजरीवाल ने कहा कि सरकार को अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह किसी भी राज्य में एक वर्ष के भीतर प्रति व्यक्ति आय में भारी वृद्धि है। दो करोड़ दिल्लीवासियों और दिल्ली सरकार की दिन-रात की कड़ी मेहनत से इसे हासिल किया गया है। पिछले नौ वर्षों में कई नए और दूरदर्शी कदम उठाए गए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। आतिशी ने सांख्यिकी पुस्तक के विमोचन पर कहा, विभिन्न बाधाओं के बावजूद, केजरीवाल सरकार ने 2023 में सार्वजनिक सेवा क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

वंदना एन्क्लेव में आयोजित शिविर में रक्तदार करते भक्त

रक्तदान शिविरों में श्रद्धालुओं ने किया रक्तदान

नई दिल्ली। मानव के कल्याणार्थ सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं राजपिता रमित के मार्गदर्शन में निजामुद्दीन, संगम विहार व वंदना एन्क्लेव में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मिशन के 260 भक्तों ने रक्तदान किया गया। रक्त संग्रहित करने हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के ब्लड बैंक की टीम व जिला अस्पताल की टीम उपस्थित हुई। शिविर का उद्घाटन निजामुद्दीन ईस्ट व खान मार्किट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव मेहरा व सन्त निरंकारी मंडल कार्यकारिणी के सदस्य अशोक मनचंदा ने किया। ब्रांच संगम विहार रक्तदान शिविर का उद्घाटन सांसद रमेश बिधूड़ी व सन्त निरंकारी मंडल की उप प्रधान राज वासदेव सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा रक्तदान सबसे अमूल्य दान है मानवता की भलाई के लिए सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिये मानवता के प्रति किये जा रहे इस अतिमहत्वपूर्ण कार्य के लिए सभी बधाई के पात्र है। संत निरंकारी मिशन वर्ष 1986 से रक्तदान शिविरों का आयोजन करता आ रहा है। बाबा हरदेव सिंह के संदेश 'रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए' को मिशन का प्रत्येक भक्त अपनी निस्वार्थ सेवा भावना से चरितार्थ कर रहा है।

विश्व हिंदी दिवस पर दो दिवसीय पुस्तक मेला

नई दिल्ली। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर अंबेडकर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 10 एवं 11 जनवरी को 'पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो.अनु सिंह लाठर की प्रेरणा, हिंदी विभागाध्यक्ष एवं डीन अकादमिक प्रो. सत्यकेतु सांकृत के मार्गदर्शन में पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ. नितिन मालिक और प्रो. संतोष सिंह अधिष्ठाता, विद्यार्थी सेवा के निर्देशन में आयोजित इस पुस्तक मेले में 2047 का भारत, हिंदी और रोजगार, भारतीय भाषाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा है। दो दिवसीय इस पुस्तके मेले में देशभर से लगभग पचास प्रकाशक शामिल हो रहे हैं। मेले में स्किल इंडिया के तहत कला, संस्कृति के विभिन्न पक्षों को प्रदर्शित करने वाली दुकानें भी लगेंगी। इसके साथ मोटा अनाज, कुल्हड़ वाली चाय लिट्टी चोखा आदि का आनंद लिया जा सकेगा।

सावधानी बरतेः कड़ाके की ठंड में बढ़ा दिल के दौरे का खतरा

दिनचर्या में बदलाव और संतुलित खानपान से करें स्वयं की रक्षा, सुबह के समय कम कपड़ों में रहना और लापरवाही पड़ सकती है भारी

अजीत तिवारी। नई दिल्ली

कड़ाके की ठंड के साथ दिल के दौरे की आशंका को बढ़ा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अत्यधिक सर्दी में दिल के दौरे के बढ़ते खतरों पर चिंता व्यक्त करते हुए विशेष सावधानी और दिनचर्या में बदलाव के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार विशेष सावाधानी, दिनचर्या में बदलाव और संतुलित खानपान से मरीज और स्वस्थ आदमी इस सर्दी में अपनी सुरक्षा कर सकता है।

एम्स के कार्डियक थोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. शिव चौधरी का कहना है कि सर्दियों मे हार्ट अटैक की ज्यादा घटनाएं सुबह के समय होती है। ऐसे में सर्दी में विशेष रूप से सुबह के समय में किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। इनमें अधिक उम्र के लोगों को अपना खास ध्यान रखना चाहिए। बुजुर्ग लोग सर्दी में धूप निकलने पर और शरीर को पूरी तरह से ढक कर ही निकलें। सुबह के समय बाथरूम में कम कपड़ों में देर तक रहना और नहाने के बाद गर्म कपड़ों को पहनने में देरी भी हार्ट अटैक (हृदयघात) संबंधी परेशानी का कारण बन सकता है। किसी भी तरह की समस्या होने पर उसे नजरअंदाज करने के बजाय विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास ले जाएं ताकि समय रहते मरीज को इलाज मिले और उसे सुरक्षित किया जा सके। मैक्स अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित मलिक के अनुसार सर्दियों में सामान्य तौर हृदयघात की दर में बढ़ोतरी देखी जाती है। ऐसे में प्रदूषण और एक्स्ट्रीम कोल्ड हालात को और भी बिगाड़ देते हैं। ठंड के रक्त वाहिका सिकुड़ने से रक्तचाप बढ़ जाता है जो संभावित दिल के दौरे का कारण बन सकता है। विशेषकर उन लोगों के लिए जो पहले से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे है। डॉ. मलिक ने सर्दियों में खुले स्थान में व्यायाम करने से बचने की भी सलाह देते हुए संतुलित आहार लेने पर जोर देते हैं। जो मरीज पहले से हार्ट की दवाएं ले रहे हैं वे किसी भी तरह का गैप न करें और शरीर में पानी की मात्रा को बनाएं रखें। प्राय: देखा गया है कि सर्दियों के दिनों में लोग पानी कम पीते हैं जिसके कारण भी परेशानी हो सकती है।

फोर्टिस अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. राजू व्यास कहते हैं कि सर्दियों में दिल के दौरे की आशंका बढ़ने के साथ अस्थमा और धूम्रपान सांस की बीमारियों को बढ़ने से मरीज की परेशानी बढ़ जाती है।

ऐसे में राजधानी में प्रदूषण और कड़ाके की ठंड हार्ट के साथ ब्रेन स्ट्रोक का भी कारण हो सकती है। ऐसे में मरीज को अपनी सक्रियता बनाए रखने के साथ खानपान पर भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

खाने में शुगर से करे परहेज

नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट ईस्ट ऑफ कैलाश के सीईओ डॉक्टर ओपी यादव ने गांव नांगलोई में दिल्ली पंचायत संघ के कार्यक्रम में स्वस्थ रहने व हृदय घात से बचने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गर्भावस्था से ही बच्चों के ध्यान रखने और पोषण का महत्व बताया। उन्होंने खाने में शुगर से परहेज करने और वजन के नियंत्रण का महत्व के साथ सुबह शाम की सैर के साथ योग के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने सर्दियों में विशेष रूप से बुजुर्गों से सावधानी रखने की अपील की। सुरेश नेता की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम में दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव व क्षेत्रीय विधायक रघुविंद्र सिंह शौकीन का भी स्वागत किया गया।

तावडू सीआईए पुलिस को मिली सफलता

तावडू। अपराध जांच शाखा टीम को नगर के ढीडारा बाईपास से एक दस हजार रुपए के इनामी बदमाश को साथी के साथ अवैध हथियार सहित काबू करने में सफलता मिली है।

दोनों आरोपियों के विरुद्ध सदर थाने में अवैध हथियार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया के दिशा निर्देश पर अपराध की रोकथाम हेतु अपराध जांच शाखा की एक टीम निरीक्षक सुभाष के नेतृत्व में गस्त कर रही थी,उसी दौरान सूचना मिली कि वकील उर्फ गिज्जल पुत्र तैयब और मोहब्बत उर्फ भुट्टा पुत्र कुर्सीद निवासी जेवँत थाना पुन्हाना जिला नूंह अवैध हथियार समेत बाईपास पर खड़े हैं,जिन्हें दबिश देकर काबू किया जा सकता है।सूचना के मुताबिक एक टीम मौके पर पहुंची तो सरकारी वाहन को देख दो युवक तेज कदमों से चलकर भागने का प्रयास करने लगे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नौरंगपुर गांव में निकाली शोभायात्रा

शोभायात्रा में लोगों ने लगाए भगवान श्री राम के नारे

सरपंच प्रदीप यादव के नेतृत्व में निकाली गई यह यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांव नौरंगपुर में सरपंच प्रदीप यादव के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकालते ग्रामीण।

नौरंगपुर गांव के सरपंच प्रदीप यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने ध्वज लेकर शोभा यात्रा निकालते हुए ग्रामीणों को 22 जनवरी 2024 को अयोध्या पहुंचने के लिए निमंत्रण दिया। इस यात्रा में सरपंच प्रदीप यादव के अलावा रोहताश डाक्टर, सोहन, विनोद, गजराज, नरेंद्र, राजपाल, हरी सिंह समेत अनेक ग्रामीण शामिल रहे।

सरपंच प्रदीप यादव ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में तैयारियां की जा रही हैं। कोई अयोध्या जाने की तैयारी कर रहा है तो कोई अपने घरों में ही रहकर दीवाली मनाने की तैयारी कर रही है। अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत की रथ यात्राएं भी लगातार निकाली जा रही हैं। हम सब इनमें भागीदार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी को 22 जनवरी को बेसब्री से इंतजार है। सरपंच प्रदीप यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने और इसका नाम महर्षि वाल्मीकि नाम पर रखकर महर्षि वाल्मीकि का भी सम्मान, आदर और ऊंचा किया है। भगवान राम के साथ महर्षि वाल्मीकि का जो सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है, यह हमारी सनातन संस्कृति में ऐतिहासिक काम हो गया है। वर्षों तक भगवान राम पंडाल में रहे, अब उनका भव्य, दिव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। दुनियाभर में राम मंदिर की चर्चाएं हैं।

अधिकारी के तबादले से ठेकेदार की दादागिरी निकली, अधर में लटका निर्माण कार्य शुरू

शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर चार माह से ठपा निर्माण कार्य रविवार से हुआ शुरू ।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

अधिकारी के बदलने के साथ ही ठेकेदार की दादागिरी निकल गई। पिछले चार माह से ठप पड़ा फव्वारा चौक का सौंदर्यीकरण निर्माण कार्य शुरु हो गया। नगर परिषद अधिकारी द्वारा शहर में विकास कार्यों कराने के नाम पर झूठी लूटी जा रही वाही, वाही की पोल रविवार को उस समय निकल गई। जबकि अधिकारी द्वारा ऑनलाइन खानापूर्ति की कार्रवाही करते हुए शहर के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक का सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य अपने किसी नजदीकी ठेकेदार को दिलवा दिया।

उक्त चौक के सौंदर्यीकरण पर 2 करोड़ रुपये खर्च होने है। जिसकी शिलान्यास 2 अगस्त को विधायक संजय सिंह ने किया था। लेकिन चार माह से ठेकेदार ने सौंदर्यीकरण के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगाई। दो दिन पहले नगर परिषद के एक्सइएन विक्की कुमार का तबादला क्या हुआ। फव्वारा चौक का सौंदर्यीकरण करने वाले ठेकेदार ने अपनी टीम को निर्माण कार्य में लगा दिया। पिछले चार माह से ठेकेदार व उसके मजदूर दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे थे। लेकिन रविवार को ठेकेदार मौके पर अपनी गाड़ी में बैठा रहा और उसके मजदूर काम करने में जुट गए।

ठेकेदार को लगा ग्रहण : जानकार सूत्रों के अनुसार शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक का सौंदर्यीकरण कराने वाले ठेकेदार पर सोमवार को परिषद प्रशासन की तरफ से सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जानी है। ठेकेदार द्वारा बरती गई अब तक लापरवाही को लेकर नोटिस भी दिया जा सकता है। यह तो अब आने वाला समय ही बताएगा। ठेकेदार द्वारा बरती गई लापरवाही की सजा मिलेगी या रहमत।

सड़क और गलियों को पक्का करने की शुरुआत पर विधायक का जताया आभार

सरपंच सुंदर लाल यादव समेत अनेक ग्रामीणों ने किया स्वागत व धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव सिकंदरपुर बढ़ा में सड़क, गलियों के निर्माण की शुरुआत के अवसर पर विधायक सत्यप्रकाश जरावता का स्वागत करते सरपंच सुंदर लाल व ग्रामीण।

गांव सिकन्दर पुर और बढ़ा में पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता द्वारा दोनों गांव में लगभग 12.10 करोड़ दस लाख रुपये की लागत से बनने वाले रास्ते गांव सिकंदर पुर से बढ़ा व गांव बढ़ा से नवादा की सभी गलियों को पक्का करने के कार्य का शिलान्यास किया। गांव सिकन्दर पुर बढ़ा में पहुंचने पर दोनों गांव की सरदारी ने सरपंच सुंदर लाल यादव के नेतृत्व में पगड़ी बांधकर स्वागत किया।

इस समारोह में विजयपाल सरपंच नाहरपुर, बढ़ा गांव के सरपंच महेश राघव, रामपुरा गांव के सरपंच हरजस यादव, नखडोला गांव के सरपंच लक्ष्मण यादव, दयाराम चेयरमैन, संजय यादव एमडी फिलबी रियल ईस्टेट, रमेश यादव खरखड़ी, रोहतास यादव, बलबीर सिंह, सत्यप्रकाश, चन्द्रपाल सत्तू प्रधान, दीपक यादव, कर्मबीर यादव, विनोद यादव, सूबेदार धर्मसिंह सहित गांव के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि चाहे ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र, हर जगह पर समान विकास कराया जा रहा है। जहां पर जिन मूलभूत सुविधाओं की जरूरत महसूस की जा रही है, वहां ड्क्षबना देरी के सुविधाएं दी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का यही लक्ष्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सुविधाओं, योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मनोहर सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। नौकरियों में पारदर्शिता, बिना पर्ची-बिना खर्ची के नौकरियां युवाओं को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको सरकार का हर स्तर पर सहयोग करना चाहिए।

निकट भविष्य में हमारे क्षेत्र में और भी विकास की परियोजनाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर अपने क्षेत्र को बेहतर बना रहे हैं। सरकार इसमें पूरी तरह से निष्पक्ष काम कर रही है। सरपंच सुंदर लाल यादव ने विधायक सत्यप्रकाश जरावता का इन गांवों में गलियों व सडकों के निर्माण की शुरुआत के लिए आभार जताते हुए कहा कि वे सदैव ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए काम करते रहे हैं। उनकी विधानसभा में शिक्षा, चिकित्सा, सडक़ आदि पर बहुत अच्छे काम उनके नेतृत्व में हुए हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए विधायक दिन-रात प्रयत्नशील रहते हैं। उनके प्रयासों से ही क्षेत्र के कई स्कूलों की कायापलट हुई है। स्कूलों में बेहतर सुविधां मिलनी शुरू हुई हैं।

क्लॉथ बैंक के तहत डेरा प्रेमियों ने 250 कंबल, कपड़े व सामग्री भेंट की

गुरुग्राम के गांव राठीवास में बच्चों को कपड़े, महिलाओं को राशन वितरित करते सेवादार।

गुरुग्राम। डेरा सच्चा सौदा के दूसरे गद्दीनशीन परमपिता शाह सतनाम सिंह जी महाराज के अवतार माह की खुशी में रविवार को बोहड़ाकलां ब्लॉक की संगत ने जिला के गांव राठीवास में हुई नाम चर्चा में जरूरमंदों को क्लॉथ बैंक के तहत सर्दी से बचने के लिए 250 कंबल, छोटे बच्चों को कपड़े वितरित किये गये।

पूज्य गुरु जी की नई मुहिम सहारा-ए-इंसा के तहत पांच जरूरतमंद परिवारों को जरूरी सामग्री वितरित की गई। अवतार माह की इस नाम चर्चा में 1000 से अधिक साध-संगत ने भाग लेकर ऐसे ही मानवता की भलाई के काम करते रहने की बात कही। ब्लॉक प्रेमी सेवक जगदीश इंसा बोहड़ा कलां ने पवित्र नारा बोलकर नाम चर्चा की शुरुआत की। नामचर्चा में सत्यनारायण प्रेमी सेवक राठीवास, पप्पू इंसा राठीवास, डॉ. राजकुमार इंसा राठीवास, गंगा प्रसाद इंसा राठीवास, ओमपाल प्रेमी सेवक बोहड़ा कलां, राजेश प्रेमी सेवक फरुखनगर, बलकार प्रेमी सेवक मानेसर, श्याम सुंदर इंसा गुरुग्राम, महेंद्र सिंह बादशाहपुर, आशीष इंसा, डॉक्टर सुरेंद्र मेहता, मास्टर अमरनाथ, कृष्ण इंसा, विजय थानेदार सहित अनेक गणमान्य लोगों ने इस आयोजन में शिरकत की। ब्लॉक प्रेमी सेवक जगदीश इंसा ने कहा कि साध-संगत लगातार दीन-दुखियों, जरूरतमंदों की सेवा में लगी है। पूज्य गुरूजी द्वारा मानवता भलाई के लिए जो मार्ग दिखाया गया है, उसी पर संगत चलकर सेवा कर रही है।

कोविड को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ विक्रम ने कहा कि कोविड़ के पिछले आंकड़ों की बात करें तो 1 अप्रैल 2020 को पहला केस सामने आया था। हमने टेस्टिंग की थी, तब उसका रिजल्ट डिक्लेयर हुआ था। 6239 केस अब तक सामने आ चुके हैं। जिसमें से 6085 केस पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं।

जब से अब दोबारा 24 दिसंबर 2023 के बाद केरल में जो एक केस सामने आया था जे फस्ट वेरिएंट का जो केस सामने आया है। तब से लेकर अब तक 353 सैंपल किए जा चुके हैं। 132 सैंपल के रिजल्ट आ चुके हैं। सभी नेगेटिव हैं, डॉक्टर का मानना है कि अभी तक इस तरह का वेरिएंट जिले में सामने नहीं आया है। लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। इसकी तैयारी के लेकर आठ ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए हैं। उनकी मरम्मत के लिए सरकार को लिखा गया है। वार्ड का इंतजाम किया जा चुका है। अगर जरूरत पड़ी तो इसको बढ़ाया जा सकता है। डॉक्टर विक्रम डिप्टी सिविल सर्जन ने कहा कि जब स्वास्थ्य विभाग ने कोविड के मामलों को देखा था तो उस समय एक भी कैसे रेफर नहीं किया गया था। बेड से लेकर हमारे पास ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी। डॉक्टर ने पूरी तत्परता के साथ काम किया था, बाकि स्टाफ ने भी अच्छा काम किया था। यही कारण है कि कोरोना ने इतना नुकसान इस जिले में नहीं किया था। हमारे जो वार्ड हैं, उनमें 5 - 6 बेड रिजर्व किए गए हैं। जैसे - जैसे जरूरत पड़ेगी 50 से अधिक बेड़ों की संख्या की जा सकती है। शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज की बात करें तो 50 अतिरिक्त बेड तैयार हैं और 500 से अधिक वहां पर बेड की संख्या है।

बस स्टैंड मार्ग पर दुकानदारों में अतिक्रमण करने की लगी होड़

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर के बस स्टैंड मार्ग पर बैंठे दुकानदारों में सड़क पर अतिक्रमण करने की होड़ लगी है। नगर परिषद की दुकानों में बैठें दुकानदारों ने मुख्य सड़क पर 5 से 8 फुट तक सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ है। नगर परिषद के अधिकारी अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति कर रहे हैं।

नगर परिषद की दुकानों में बैठे दुकानदारों ही सिर दर्द बनने लगे हैं। बस स्टैंड मार्ग पर बनी 80 के लगभग दुकानों में बैठें दुकानदार एक दूसरे से अधिक अपना सामान आगे निकालने की होड़ कर रहे हैं। इस होड़ में दुकानदारों ने 5 से 8 फुट तक दुकान का सामान सड़क पर रखा हुआ है। इतना ही नहीं अपनी दुकान में रखकर बेचा जाने वाला सामान को लोहे की पाइप व बांस के डंडों सड़क के ऊपर ताने हुए है। जिनसे बाइक, स्कूटी, साइकिल या पैदल चलने वालों के अचानक से नजर आने पर जान लेवा साबित हो रहे है। जिनके आंख पर लगने से रोशनी तक जाने का खतरा बना है। दुकानदारों की दुकान में कम सड़क पर अधिक सामान रखे जाने से सड़क पर चलने वाले दो वाहन आमने सामने आने पर बहुत ही मुश्किल से बचाव होता है।

अतिक्रमण दे रहा जाम को बढ़ावा

दुकानदारों द्वारा किया हुआ अतिक्रमण से मात्र तीन सौ मीटर की दूरी में पूरा दिन जाम की समस्या बनती और बिगड़ती रहती है। सड़क के दोनों तरफ दुकानदारों ने 15 से 18 फुट चौड़ी सड़क मात्र 5 से 6 फुट की चौड़ाई में सिमटकर रह गई है। ऐसे में कोई रेहड़ी या ठेला वाला भी बीच सड़क पर खड़ा कर सामान बेचने से रास्ता जाम हो जाता है।

सोहना के बस स्टैंड मार्ग पर नगर परिषद के कर्मचारी अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति करते हुए।

परिषद प्रशासन पूरी तरह से फेल : नगर परिषद के कर्मचारी जब-जब भी इस मार्ग पर अतिक्रमण का सफाया करने सड़क पर जाते है। मात्र खानापूर्ति करके चले आते है। परिषद कर्मचारी स्थाई रुप से अतिक्रमण करने वालो को कुछ नहीं कहते है। केवल एक दो दुकानदार का सामान केवल फोटों खिंवाने के इरादे से हटाते है। उसके बाद अतिक्रमण ज्यो की त्यो जम जाता है।

नहीं निकल सकती एम्बुलेंस : बस स्टैंड मार्ग पर जमा अतिक्रमण लोगों की जान का दुश्मन बना हुआ है। किसी भी महिला के प्रस्तुति या गंभीर हालत में रोगी को अस्पताल लेकर जाने में देरी होने पर जान भी जा सकती है। क्योकि इस मार्ग पर एम्बूलेंस को भी अतिक्रमण के कारण निकलने को रास्ता तक मिलने वाला नहीं है।

बेसहारा व चोटिल गोवंश की सेवा करना सबसे पुनीत कार्य

डॉ. धनवाल ने अपनी माता की स्मृति में कराया कक्ष का निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पटौदी खंड के गांव हेड़ाहेड़ी स्थित श्री महाकालेश्वर गो सेवा सदन में अपनी माता स्व. चंपा देवी की स्मृति में नवनिर्मित कक्ष का उद्घाटन करते हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य डा. पवन कुमार धनवाल।

हरियाणा लोक सेवा आयोग के सदस्य पद से हाल में सेवानिवृत डा. पवन कुमार धनवाल ने रविवार को पटौदी खण्ड के गांव हेड़ाहेड़ी स्थित श्री महाकालेश्वर गो सेवा सदन में अपनी माता स्व. चंपा देवी की स्मृति में गोवंश व गोसेवकों की सुविधा के लिए बनवाए एक कक्ष का उद्घाटन किया।

गो सेवा सदन के महंत राजगिरी का आशीर्वाद लेकर डा. पवन कुमार धनवाल व उनकी धर्मपत्नी डा. पुष्पा धनवाल ने ग्रामवासियों द्वारा आयोजित रूद्र यज्ञ में आहुति डाली। भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। इस अवसर पर डा. पवन कुमार धनवाल ने कहा कि श्री महाकालेश्वर गो सेवा सदन में वर्षों से बेसहारा व चोटिल गोवंश को आश्रय व उपचार दिया जाता है। महंत राजगिरी जी की प्रेरणा से उन्हें भी गोसेवा के महान कार्य में भागीदार बनने का अवसर मिला। उन्होंने अपनी माता स्व. चंपा देवी के गोसेवा से जुड़े संस्मरणों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में इस पवित्र स्थान पर आने का सौभाग्य मिला है। इस स्थान पर गो सेवा के प्रति समर्पण व गोसेवकों में सेवा की भावना अपने आप में अतुलनीय है। बेसहारा व चोटिल गाय व गोवंश की सेवा करना एक पुण्य का कार्य है। अपनी माता की स्मृति के माध्यम से इस संस्थान से जुडक़र वे स्वयं को गोरवांवित महसूस कर रहे हैं। हरियाणा लोक सेवा आयोग से सेवानिवृति के उपरांत पहली बार हेड़ाहेड़ी पहुंचे डॉ. धनवाल ने गोसेवा के प्रति हरियाणा सरकार की नीतियों की भी प्रशंसा की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में गोसेवा आयोग हरियाणा के माध्यम से भी गोशालाओं को वित्तीय मदद दी जाती है। इस मौके पर महंत राजगिरी महाराज ने बताया कि गोसेवा सदन में स्व. चंपा देवी की स्मृति में निर्मित कक्ष के साथ ही आदर्श ब्राह्मण सभा पटौदी के अध्यक्ष रामचंद्र भारद्वाज, गांव के प्रदीप व सिकन्दरपुर के सुजान, देशराज व हंसराज द्वारा भी कमरे बनवाए गए। इस आयोजन में पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता भी पहुंचे।

सोहना में 24 घंटे जल रहीं स्ट्रीट लाइटें, नगर परिषद पर बढ़ रहा बिजली खर्च का बोझ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद के शहरी क्षेत्र की सड़कों से लेकर बाजार और वार्डों में लगी स्ट्रीट लाइटें 24 घंटा उजाला देती रहती हैं। उक्त स्ट्रीट लाइटें 24 घंटा उजाता देने से जल्दी-जल्दी खराब हो रही है। इसके साथ नगर परिषद पर आर्थिक बजट का बोझ बढ़ता जा रहा है।

शहर के बाजारों से लेकर वार्डों की सड़क, आम रास्ते, गली, चौक-चुराहों को स्ट्रीट लाइटों से जगमग करने के इरादे से स्ट्रीट लाइटें लगा तो दी। लेकिन नगर परिषद कार्यालय में तैनात लाइट इंस्पेक्टर या अन्य कोई कर्मचारी इन्हें समय पर जलाने व बंद करने की ड्यूटी नहीं दे रहा है। आम लोग ही अपने आसपास लगी स्ट्रीट लाइओं को बंद व जलाते हैं। ऐसे लोगों की संख्या 10 से 15 फीसदी है।

रात के समय में नहीं होती है जांच : नगर परिषद का कोई भी एक कर्मचारी रात के समय में स्ट्रीट लाइटों का निरीक्षण नहीं करता। जिसे खराब स्ट्रीट लाइटों का अंदाजा आ जाए। खराब लाइटों को समय पर ठीक किया जा सके। नगर परिषद कर्मचारी व अधिकारी इस मामले में पूरी लापरवाही बरत रहे है। जिसकी इस लापरवाही खामियाजा परिषद के खजाने पर पड़ रहा है। वर्तमान में करीब 3000 स्ट्रीट लाइटें खराब है। जबकि नगर परिषद द्वारा हाल ही में 1664 सोलर लाइटों की खरीद आने वाले सप्ताह में की जानी है। जिनकी कीमत 60 लाख रुपये बताई जा रही है।

सोहना में दिन के समय में भी जलती तिरंगा व स्ट्रीट लाइटें

> "स्ट्रीट लाइट की देखरेख फॉरच्यून एजेंसी और तिरंगा लाइट की देखरेख एनडी एजेंसी का कार्य है। स्ट्रीट व तिरंगा लाइटों को समय पर जलाने तथा बंद करने की जिम्मेदारी दोनों ही एजेंसियों की है। किसी भी एजेंसी ने अपने कर्मचारियों को यहा पर छोड़ा नहीं है। जल्द ही दोनों एजेंसियों को पत्र लिखा गया है। ताकि स्ट्रीट व तिरंगा की खराब लाइटों को ठीक किया जा सके।
> **(दिगम्बर सिंह-जेई नप)**

तिरंगा लाइटें भी होने लगी खराब : अक्तूबर के आखिरी सप्ताह में शहर में तिरंगा 480 लाइटें लगाई गई थी। जबकि लगाई गई तिरंगा लाइटें खराब होने की शिकायत आने लगी है। जिससे नगर परिषद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालियां निशान लगने लगे है।

गुरुग्राम के रोहित तीन गोल्ड मेडल जीत बने बेस्ट एथलीट

साहिबाबाद में हुई डीएवी नेशनल लेवर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डीएवी नेशनल लेवल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता (2023-24) में पुलिस लाइन गुरुग्राम में रहने वाले रोहित दहिया पुत्र जितेंद्र कुमार ने तीन गोल्ड मेडल जीते। यह प्रतियोगिता डीएवी पब्लिक स्कूल साहिबाबाद में कराई गई।

अंडर-17 श्रेणी में अपने खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रोहित दहिया खूब वाहवाही लूटी। रोहित ने 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 1500 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल और 100गुणा4 मीटर रिले दौड़ में गोल्ड मेडल हासिल किया। रोहित को इस प्रतियोगिता में बेस्ट एथलीट का खिताब दिया गया। मेडल लेकर गुरुग्राम लौटे रोहित दहिया का साथियों ने भी स्वागत किया और पुलिस लाइन में भी आसपास के लोगों ने बधाई दी।

तीन गोल्ड मेडल विजेता रोहित दहिया।

रोहित ने कहा कि किसी भी सफलता के लिए हमें जीतोड़ मेहनत करनी चाहिए। मेहनत के अलावा सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ वह खेल के क्षेत्र में भी आगे बढक़र देश के लिए ओलंपिक में पहुंचकर मेडल लाना चाहता है।

मुद्रेक्स में क्रिप्टो जमा में तेजी देखी जा रही है, जब एफ आई यू ने क्रिप्टो एक्सचेंजों को नोटिस भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बेंगलुरु और सैन फ्रांसिस्को में मुख्यालय स्थित वैश्विक रूप से प्रसिद्ध क्रिप्टो निवेश प्लेटफ़ॉर्म मुद्रेक्स में एक करोड़ डॉलर की राशि की क्रिप्टो जमा देखी गई है, जिसमें बायनेंस जैसे प्रमुख एक्सचेंजों के बादशाही जमा शामिल है, जो ध्यान न देने के लिए एफ आई यू द्वारा नौ विदेशी क्रिप्टो एक्सचेंजों को चेतावनी जारी की है।

एफ आई यू ने यह भी मांग की है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उनकी वेबसाइटों को ब्लॉक करने का आदेश दिया जाए। एफ आई यू के निर्देशों के पश्चात, मुद्रेक्स ने क्रिप्टो जमाओं में एक बड़ी बढ़ोतरी देखी। जमा करने वालों में, अधिकांश ने 1000 से अधिक राशि निवेश की है, जिससे प्लेटफ़ॉर्म की आकर्षण शक्ति उन अनुभवी निवेशकों और नए आगंतुकों के प्रति प्रदर्शित हो रही है। मुद्रेक्स ने पिछले चार दिनों में सफलतापूर्वक 10,000 से अधिक नए उपयोगकर्ता को जोड़ा है, जो प्लेटफॉर्म की उपयोगकर्ता-मित्र संवाद इंटरफेस, सुगम अनुभव, और क्रिप्टो जमा पर शुल्क की अद्वितीय फायदों के लिए प्लेटफॉर्म की ओर खींचे गए थे।

उपयोगकर्ता जनगण को विश्लेषण करते हुए, मुद्रेक्स रिपोर्ट करता है कि 60 प्रतिशत नए उपयोगकर्ता टियर 1 क्षेत्रों से हैं, जबकि 40 प्रतिशत टियर 2 स्थानों से हैं। यह विविध उपयोगकर्ता बेस मुद्रेक्स के व्यापक वैश्विक स्वीकृति और इसकी क्षमता को साराहता है कि यह विभिन्न भूगोलों में निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। मुद्रेक्स क्रिप्टो उत्साहितों के लिए पसंदीदा प्लेटफॉर्म के रूप में उभरकर आया है, जिसने वैश्विक रूप से उपयोगकर्ताओं के बीच महत्वपूर्ण ध्यान और विश्वास जुटाया है। यह प्लेटफ़ॉर्म नवाचार और अनुपालन पर प्राथमिकता देता रहता है, जिससे सुनिश्चित होता है कि उपयोगकर्ताओ क्रिप्टोकरेंसी की गतिशील दुनिया द्वारा प्रस्तावित अवसरों का लाभ उठा सकें।

यह प्लेटफॉर्म भारत में एफ आई यू के साथ पंजीकृत होने में भी सबसे पहले शामिल हुआ है। मुद्रेक्स ने यूरोपीय संघ में वर्चुअल एसेट सेवा प्रदाता लाइसेंस और इटली में ऑर्जेनिस्मो एजेंटी ए मेडियोटोरी (ओएएम) पंजीकरण प्राप्त किया है। इस पर टिप्पणी करते हुए, मुद्रेक्स के सी ई ओ और सह-संस्थापक श्री एडुल पटेल ने कहा, भारत सरकार ने हमेशा नवाचार को प्रोत्साहित करने और क्रिप्टो उद्योग में जिम्मेदार विकास को प्रोत्साहित करने का समर्थन किया है।

दवाइयों की धांधलेबाजी पर रोक लगाएगा साथी एप

नशे की तस्करी को रोकने के लिए औषधि नियंत्रण विभाग की पहल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले के मेडिकल स्टोर संचालक अब दवा बेचने और उसका रिकॉर्ड रखने में किसी प्रकार की कोई धांधलेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसे लेकर औषधि नियंत्रण विभाग सख्त हो गया है। सभी प्रकार की दवा के पूरे रिकॉर्ड को ऑनलाइन करने के लिए साथी नाम से एक एप तैयार किया है और प्रत्येक मेडिकल स्टोर संचालक को इसे अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड करना आवश्यक होगा।

मेडिकल स्टोर संचालक ने किन-किन दवा का कितनी मात्रा में ऑर्डर दिया, कितना प्राप्त हुआ है और किस ग्राहक को बेचा, इसकी पूरी जानकारी एप पर अपलोड करनी होगी। ताकि दवा की आड में नशे के कारोबार पर अंकुश लग सके। प्रदेश सरकार नशे को रोकने के लिए काफी सक्रिय है। इसके चलते मेडिकल स्टोर संचालकों सहित नशे की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस के सहयोग से जिला औषधि नियंत्रण विभाग अभियान चला रहा है। इसके अलावा मेडिकल स्टोर संचालकों को नशीली दवा एवं प्रतिबंधित दवा नहीं बेचने और दवा का रिकॉर्ड व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पहले किया जा चुका है एप का ट्रायल

जिला औषधि नियंत्रण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले महीने में साथी एप का ट्रायल किया गया था। इसमें क्रियान्वयन को लेकर काफी समस्याएं आई थी। डॉक्टर द्वारा लिखा गया प्रिस्क्रिप्शन, रिकॉर्ड, मोबाइल नंबर सहित कई खामियां आ रहीं थीं। इसे दूर करवाने के लिए विभाग अधिकारियों ने निदेशालय के साथ बैठक भी की है। एप की कमियों को दूर किया जा रहा है। एप की कमियां दूर होने के बाद दोबारा से ट्रायल होगा। ट्रायल सफल रहा तो एप सभी संचालकों के लिए आवश्यक होगा।

> साथी एप के ट्रायल में कुछ खामियां पाई गई थी। उसे दूर किया जा रहा है। उसके बाद सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को यह एप डाउनलोड करना आवश्यक होगा। इसमें दवा के थोक विक्रेता भी शामिल हैं। सरकार रेफ्रिजरेटर में रखी जाने वाली दवा को लेकर भी गंभीर है। इसके चलते प्रत्येक के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाना भी आवश्यक है।
> –**संदीप गहलान,** जिला औषधि नियंत्रक

सीसीटीवी कैमरे भी लगाना हुआ आवश्यक

कैंसर, मस्तिष्क सहित कई गंभीर बीमारियों की दवा एवं इंजेक्शन को रखने के लिए माइनस आठ तापमान की आवश्यकता होती है। दवा को अनुकूल माहौल देने के लिए रेफ्रिजरेटर में रखा जाता है। कई बार देखने में आया है कि मेडिकल स्टोर संचालक रात में घर जाते समय लाइट के साथ रेफ्रिजरेटर भी बंद कर देते हैं। इसकी अब सीसीटीवी कैमरे द्वारा मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए जिला औषधि नियंत्रण विभाग ने मेडिकल स्टोर संचालकों को नाइट विजन वाले सीसीटीवी कैमरा लगाने के आदेश दिए हैं। यदि कोई मेडिकल स्टोर संचालक रात में जाते समय सीसीटीवी कैमरा बंद करेगा तो वह कैमरे में रिकॉर्ड हो जाएगा।

वीएलडीए कर्मियों में सरकार के खिलाफ रोष

चार फरवरी को रोहतक में होने वाली सर्व कर्मचारी संघ की आक्रोश रैली में लेंगे हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

वीएलडीए कर्मियों एवं पशुपालकों की विभिन्न मांगों की अधिसूचना जारी करवाने को लेकर डिप्लोमा वैटरनरी एसोसिएशन हरियाणा संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत मांगों की अधिसूचना जारी नहीं करने से प्रदेशभर के हजारों वीएलडीए कर्मियों में सरकार के खिलाफ रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसलिए आंदोलन को तेज करने के लिए जिला सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। जिसके अन्तर्गत पलवल जिले का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें जिले के वीएलडीए व बीएलईओ कर्मियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और जिला कमेटी का गठन करते हुए हरि प्रेम को प्रधान, ओमप्रकाश डागर को सचिव, राकेश कुमार को वरिष्ठ उप प्रधान, अजीत सिंह को कैशियर, देव करण को मुख्य सलाहकार, मुकेश कुमार को संगठन सचिव एवं शेर सिंह सौरोत को ऑडिटर, पवन रावत को प्रेस सचिव, शेर सिंह को सह सचिव एवं रविंद्र तेवतिया व हबीब खान को उप प्रधान के पदों पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला पलवल के सचिव योगेश शर्मा व हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन-41 के राज्य उप प्रधान राकेश तंवर उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पुरानी पेंशन लागू करवाने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, निजीकरण पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों को लेकर रोहतक में आयोजित होने वाली सर्व कर्मचारी संघ की रैली में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

सम्मेलन में पहुंचे एसोसिएशन के राज्य प्रधान बिजेंद्र सिंह बेनिवाल, महासचिव रामफल राहड़, राज्य वरिष्ठ उप प्रधान राजबेल देशवाल व फरीदाबाद जिला प्रधान नरेंद्र सिंह ने बताया कि आंदोलन के दौरान दो बार हमारी मांगों की अधिसूचना जारी करने का मामला विधानसभा में भी उठाया जा चुका है। इसके अतिरिक्त रोष स्वरूप कई बार राज्य स्तरीय प्रदर्शन, भूख हड़ताल सहित अन्य कार्यवाईयां की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि आंदोलन की प्रमुख मांगों में पशुपालन विभाग के महानिदेशक पद पर आईएएस अधिकारी एवं हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के एमडी व पंचकूला स्थित विभागीय मुख्यालय पर संयुक्त निदेशक प्रशासनिक के पदों पर एचसीएस अधिकारी की नियुक्ति, वीएलडीए का पदनाम बदलकर वैटरनरी लाइवस्टाक एक्सटेंशन ऑफिसर करना, खंड पशुधन प्रसार अधिकारी के पद को राजपत्रित दर्जा देना, डिप्लोमा वैटरनरी कांउसिल का गठन करना, वीएलडीए का मूल वेतन-मान 44900 रुपये करना, जोखिम भत्ता लागू करना, वीएलडीए के सेवा नियमों को संशोधित करना, वीएलडी डिप्लोमा कोर्स की अवधि तीन वर्ष करना, वीएलडी डिप्लोमा का नाम बदलकर डीवीएससी एंड एएच करना, प्रदेश की सभी गौशालाओं सहित प्रत्येक गांव में राजकीय पशु औषधालय स्थापित करना, वीएलडीए के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती शीघ्र पूरी करना, ऑनलाइन ट्रांसफर नीति को एसोसिएशन के सुझाव अनुसार संशोधित कर आवश्यक कार्रवाई करना, 20वीं पशु गणना का चार वर्षों से लंबित मानदेय जारी करना, एलटीसी का बजट जारी करना, पशु अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां एवं उपकरण उपलब्ध करवाना, बेसहारा गौवंश की समस्या को नियंत्रित करने के लिए बछड़ी पैदा करने वाले टीके का रेट 30 रुपये करना इत्यादि मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही सरकार ने आंदोलन की प्रमुख मांगों की अधिसूचना जारी नहीं की तो एसोसिएशन आंदोलन को और तेज करते हुए गांव स्तर तक लेकर जाएगी और सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाएंगे।

पलवल जिला मिनी जंबूरी में करेगा हरियाणा का नेतृत्व

पलवल। सिक्किम राज्य के रेंगपो शहर में 12 से 16 जनवरी तक आयोजित पूर्वोत्तर स्काउट गाइड मिनी जंबूरी में पलवल जिले के स्वयंसेवक हरियाणा का नेतृत्व करेंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल ने बताया जिला स्काउटिंग के लिए यह गौरवान्वित पल है।

जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत को संस्था की ओर से कार्यक्रम का स्टेट कोआर्डिनेटर बनाया गया है। उनके नेतृत्व में राजकीय मॉडल संस्कृति होडल, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिड़ूकी तथा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के स्काउट-गाइड यूनिट लीडर जिला प्रशिक्षक प्रभु दयाल हंस, वीर सिंह, अनुज चौहान, शारदा यादव मीणा देवी सहित 24 प्रतिभागियों का दल भाग लेगा। शिविर के दौरान कलर पार्टी, कैंप क्राफ्ट, लेआउट, परेड प्रदर्शन स्काउटिंग की विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सिक्किम नाइट, फोक डांस, फूड प्लाजा, प्रदर्शनी, कैंप फायर आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

मानव सेवा समिति ने लड़की की शादी में दिया आर्थिक सहयोग

फरीदाबाद। सेवा सहायता की श्रृंखला में मानव सेवा समिति ने नए साल की पहली एकादशी को सराय गुरुकुल निवासी जरूरतमंद महिला मधु की लड़की सिमरन की शादी में 31,101 रुपये का आर्थिक सहयोग व नई सिलाई मशीन, कपड़े बर्तन व अन्य सामान प्रदान किया।

इस पुण्य कार्य में मानव परिवार के युवा समाजसेवी दिनेश शर्मा सहित कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, अन्य सदस्य जितेंद्र मेहता, जितिन गौड़, सुनीता शर्मा, प्रतिमा गर्ग, ओपी शर्मा, संदीप मित्तल, मीरा अग्रवाल, परमेश्वरी, सुष्मिता, प्रेमनाथ भाटिया, संतोष दहिया, प्रेम बाला ने सहयोग प्रदान किया। समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने इन सभी का आभार प्रकट करते हुए समाज के सभी दानी सज्जन व समाजसेवियों से समिति की मदद करने की अपील की है।

नीमा एसोसिएशन ने तपेदिक के 11 मरीजों को लिया गोद

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला नागरिक अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर नरेश कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में जिला नागरिक अस्पताल के सिविल सर्जन दफ्तर में प्राइवेट संस्था नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) पलवल द्वारा तपेदिक (टीबी) ट्यूबरक्लोसिस से ग्रस्त 11 मरीजों को पोषण आहार किट्स प्रदान कर गोद लिया।

सिविल सर्जन डॉक्टर नरेश कुमार गर्ग ने टीबी से ग्रस्त मरीजों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें समय पर लगातार दवाई लेने की सलाह दी। सिविल सर्जन डॉक्टर नरेश गर्ग ने बताया कि 2025 तक भारत को ट्यूबरक्लोसिस मुक्त बनाना है और ट्यूबरक्लोसिस को हराना है। उन्होंने मरीजों को संतुलित आहार ग्रहण करने तथा जंक फूड व फास्ट फूड न खाने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा टीबी से ग्रस्त मरीजों के खाते में 500 रुपये प्रति माह ट्रांसफर किए जाते हैं तथा 500 टीबी से ग्रस्त मरीज की सूचना देने वाले सूचक को दिए जाते हैं। नीमा के प्रधान डॉक्टर जेपी पाराशर ने बताया कि एक पोषण आहार किट में एक प्रोटीन पाउडर, एक लिवर सिरप, एक मल्टीविटामिन सिरप, एक डायजिन सिरप, आधा किलो चने और एक पाव मखाने कुल छह आइटम शामिल किए गए।

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी ट्रेफिक अमित यशवर्धन ने ट्रांसपोर्ट नगर में वाहनों के रिफ्लेक्टर टेप लगाकर उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस उपायुक्त यातायात फरीदाबाद द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-58 में फरीदाबाद ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सभी सदस्यों को उन्हीं के बीच में जाकर संबोधित किया। उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के साथ-साथ पुलिस उपायुक्त ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाकर धुंध के समय सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए प्रेरित किया है।

यातायात पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने का एक विशेष अभियान चलाया गया है, जिसके तहत यातायात पुलिस ने सभी छोटे-बड़े वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर आमजन को धुंध के समय सावधानीपूर्वक यात्रा करने के लिए जागरूक किया। सर्दी में धुंध के समय दृश्यता बहुत कम हो जाती है और सड़क पर यात्रा करते समय ज्यादा दूरी तक दिखाई नहीं देता जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इन सड़क दुर्घटनाओं के पीछे का कारण सर्दी के समय पड़ने वाली धुंध है, जिसकी वजह से वाहन चालकों की दृश्यता बहुत कम हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए फरीदाबाद की ट्रेफिक पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने का अभियान चलाया जा रहा है।

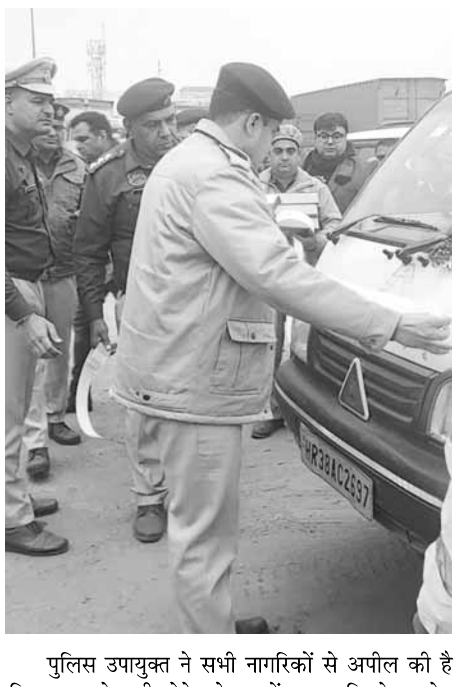

पुलिस उपायुक्त ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वह अपने सभी छोटे बड़े वाहनों पर यह रिफ्लेक्टर टेप लगाएं और बहुत ही सावधानीपूर्वक यात्रा करें, ताकि आप सड़क दुर्घटना का शिकार होने से बच सकें।

संकल्प यात्रा से लोगों को पहुंच रहा लाभ: नायर

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित, विकसित भारत की दिलाई शपथ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों को लाभ पहुंच रहा है। सरकार द्वारा बनाई गई योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत की। ग्रामीण आंचल के लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ उनका लाभ भी मिले, इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दिशा-निर्देशन में संकल्प यात्रा प्रदेश के गांव-गांव तक लोगों के बीच अपनी पहुंच बना रही है। यह वक्तव्य गांव करमन व भुलवाना में पहुंचने पर रथ यात्रा का स्वागत करने के उपरांत विधायक जगदीश नायर ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस रथ यात्रा के माध्यम से लोगों को सरकार की योजनाओं का ज्ञान मिला है। ग्रामीण निश्चित तौर पर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएंगे। लोगों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, फैमिली आईडी में व्याप्त त्रुटियों के सुधार, स्वास्थ्य जांच, कृषि, पशुधन व श्रमिक लोन आदि का निश्चित तौर पर लाभ मिलेगा। व्यक्ति सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संकल्प यात्राओं में कृषि कार्यों को सुगमता प्रदान करने के उद्देश्य से नमो दीदी ड्रोन की कार्य प्रणाली को प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसका किसान लाभ ले सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे ड्रोन के इस्तेमाल से चंद मिनटों में खेत में खाद अथवा कीटनाशक रसायन का छिड़काव करके अपने समय व धन की बचत कर सकते हैं।

सरकार की ओर से इस ड्रोन को 70 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को देने की योजना बनाई गई है। सरकार नमो दीदी ड्रोन को हर एक पंचायत में भेजने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में हथीन खंड के गांव रूपडाका, आलीमेव, कुकरचाटी व भमरौला जोगी तथा बडौली खंड के गांव अच्छेजा में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के स्वागत में कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। बडौली खंड के गांव अच्छेजा में विधायक दीपक मंगला तथा हथीन खंड के गांव रूपडाका, आलीमेव, कुकरचाटी व भमरौला जोगी में विधायक हथीन के प्रतिनिधि सतीश डागर ने संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

इन सभी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों ने मौजूदगी को आत्मनिर्भर व विकसित भारत की शपथ दिलाई और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की पात्र महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन भेंट किए। विकास यात्राओं में जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभाग अपनी-अपनी स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं और उनकी पात्रता की भी जांच कर रहे हैं, ताकि पात्रता पूर्ण होने पर लोगों को योजनाओं से जोड़ा जा सके। यह रथ यात्रा जिला के प्रत्येक गांव और शहर व नगर के हर एक वार्ड को कवर करेगी।

ढाबा संचालक ने ग्राहक को पीट नकदी, चेन छीनी

फरीदाबाद। खाना लाने में देरी करने पर ग्राहक ने कर्मचारी से नाराजगी जाहिर कर दी। इस बात का ढाबा संचालक को इतना बुरा लगा कि उसने ग्राहक की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ओमी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया एक जनवरी की रात वह जेसीबी चौक पर बने ढाबा पर खाना खाने गया था।

पीड़ित ने बताया कि ऑर्डर देने के काफी देर बाद तक खाना नहीं परोसने पर उसने कर्मचारी से नाराजगी जाहिर कर दी। आरोप है इस पर ढाबा संचालक ने कर्मचारियों के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी। उसकी जेब में रखे करीब एक लाख रुपये और सोने की चेन भी छीन ली गई। पुलिस ने ढाबा संचालक सहित अन्य के खिलाफ केस दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

संस्था ने प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

पलवल। राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर राज्य वृक्ष पीपल का रोपण कर पक्षियों के लिए भोजन, आवास सहित प्राकृतिक संरक्षण प्रयास किया गया। मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा गांव, शहर सभी स्थानों पर लोगों को प्रकृति बचाने के लिए जागरूक कर रहे हैं। ग्रीन एंबेसडर डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि पक्षियों के नहीं रहने से मानव जीवन भी समाप्त हो जाएगा। बड़े-बड़े वनों को लगाने में पक्षियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जलवायु परिवर्तन, निवास स्थान की हानि, वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण, खत्म होते जलस्त्रोत व दूषित जल आदि विनाशकारी प्रभाव डालने वाले अन्य ऐसे कारक पक्षियों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। पक्षियों की कई प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं तथा कुछ होने के कगार पर हैं। प्रकृति चक्र में मानव द्वारा हस्तक्षेप से असंतुलन पैदा हो रहा है। बरगद, पीपल आदि अन्य फल व छायादार वृक्षों को लगाएं, जिस पर पक्षी अपना घर बनाएं तथा भोजन भी उपलब्ध होता रहे। घरों में उचित स्थानों पर दाना-पानी रखें। खराब गत्तों के खाली बॉक्स, फल-सब्जियों की टोकरी आदि को घोंसलों के रूप में लगाकर इनको जीवन दिया जा सकता है। अभियान में मास्टर थानसिंह, अमरपाल, मास्टर मानिकचंद, देव, ईश्वरराज, गजेंद्र, सुरेश भार्गव, राजपाल, महेश, चेतराम आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

कर्मचारियों ने आंदोलन को लेकर बनाई रणनीति

पलवल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन राज्य परिषद की मीटिंग सर्व कर्मचारी संघ भवन सुखपूरा चौक रोहतक में हुई। जिसकी अध्यक्षता राज्य चेयरमैन कृष्ण शर्मा ने की, संचालन राज्य महासचिव जरनैल सिंह ने किया। राज्य प्रधान जयपाल गुढ़ा व महासचिव जरनैल सिंह, राज्य प्रेस सचिव योगेश शर्मा ने कहा कि प्रमुख अभियंता जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग व प्रमुख अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग द्वारा सेवा नियमों को दरकिनार कर तानाशाही तरीके से भिन्न-भिन्न प्रवृत्ति के पदों को एक पद में मर्ज करने व सेवा नियमों की त्रुटियां दूर न होने पर आगामी आंदोलन को मजबूती प्रदान करने के लिए 24 से 29 जनवरी तक जिला स्तरीय कन्वेशंन करके उसके बाद एक फरवरी से 12 फरवरी तक सभी ब्रांचो की कन्वेंशन निर्धारित की गई हैं। राज्य चेयरमैन कृष्ण शर्मा व उपमहासचिव शीलक राम मलिक ने कहा कि प्रदेश सरकार व अघिकारियों ने समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया तो 15 फरवरी को पंचकूला में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग व सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता के कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जायेगा व 21 फरवरी निदेशक पंचायत विभाग, 28 फरवरी को सड़क व भवन निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता के कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार व अधिकारियों की होगी। राज्य परिषद की मीटिंग में वरिष्ठ उपप्रधान राकेश लाकड़ा, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह पांचाल, सहसचिव रविंद्र शर्मा, राज्य प्रेस सचिव योगेश शर्मा, उप कोषाध्यक्ष राजेश धनखड़, कमल सैनी, संदीप पूनिया, हितेश शर्मा सहित केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्य व सभी जिलों के प्रधान/सचिव/कोषाध्यक्ष व सभी ब्रांचों प्रधान/सचिव/कोषाध्यक्ष मुख्य रूप से मीटिंग में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन यज्ञ करा किया

पलवल। गवर्नमेंट मार्डल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल धतीर में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा चलाए गए सात दिवसीय शिविर का समापन यज्ञ कराकर किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ लक्ष्य को प्राप्त करने तथा देश हित में अपना सर्वोच्च त्याग करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि सुखबीर तंवर ने गीता के संदेश को जीवन में अपनाने व कर्मयोगी बनकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मामराज रावत प्रखंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन व विनम्रता आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला एनएसएस समन्वयक डॉ. मोहिदंर सिंह रावत के संरक्षण में हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के सफल होने पर सभी विद्यार्थियों व अधिकारियों को आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में प्रवक्ता विजय कुमार शर्मा ने भारतीय दर्शन की शिक्षा की जानकारी दी। उन्होंने एनएसएस शिविर में भाग ले रहे सभी स्वंयसेवकों से सेवाभावी रहकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सजलसिंह ने सात दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा समस्त ढानियों में आर्थिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर का गहनता से सर्वे व ग्रामीणों की समस्याओं का बारीकी से अध्ययन किया। शिविर में शिक्षा, कृषि, पशुपालन, चिकित्सा विभागों के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर रंजीत सिंह प्रिसिंपल, राजेन्द्र सिंह प्रवक्ता ने बच्चों को प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्राा निकिता को बेस्ट वालंटियर का पुरस्कार दिया गया। स्वयंसेवकों अपने द्वारा किए गए स्वच्छता कार्यक्रम, श्रमदान एवं नारा लेखन कार्य का विवरण प्रस्तुत किया। यज्ञ का कार्य नरोत्तम डागर, सुंदर द्वारा किया गया।

मनोनीत सदस्य बनने पर अन्नू एडवोकेट का स्वागत

फरीदाबाद। मानव अधिकार मिशन हरियाणा प्रदेश का मनोनीत सदस्य अन्नू वशिष्ठ एडवोकेट को बनाया है। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शशि भाटी, राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुमेधा शर्मा, गीता वाशिंगटन, बिनु शर्मा, प्रिंसिपल उपाध्याय, सूरजा कौल ऑर्गनाइजर सेक्रेटरी का आभार व्यक्त किया है। अन्नू वशिष्ठ एडवोकेट ने वाईएमसीए से एमसीए करने के बाद अब सेक्टर-12 में वकालत करती है। इस मौके पर बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा के पूर्व मनोनीत सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट व समाजसेवी कंवर दलपत सिंह ने फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इससे पहले अन्नू वशिष्ठ एडवोकेट गांव बडौली की निर्विरोध पंच रह चुकी हैं। उन्होंने पंच रहते हुए गांव के विकास के लिए बहुत अच्छे कार्य किए हैं। विकास कार्य कराने के साथ ही शिक्षा की अलख जगाने के लिए फ्री में एजुकेशन क्लास देना, आज भी गरीब बच्चों को फ्री शिक्षा देना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मुहिम से प्रेरित होकर अपने गांव में बेटियों का कुआं पूजन शुरू कराया व स्वच्छ भारत जैसे अभियानों के बारे में भी लोगों को अवेयर करती रहती हैं। सफाई उनके मेन एजेंडे में शामिल है। अन्नू वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि उनके पिता शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट, भाई इंजीनियर अनूप वशिष्ठ एडवोकेट भी वकालत करते हैं। उन्होंने कहा की इस जिम्मेदारी के बाद महिला के उत्थान के लिए वो बढ़ चढ़कर कार्य करेंगी। महिलाओं को न्याय दिलाने में मदद करेंगी और जो उन्हें जिम्मेदारी मिली है, उसको पूरी इमानदारी से निभाएंगे। जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने में आनंद व सुकून मिलता है। इस मौके पर ओमवती शर्मा, मीनाक्षी शर्मा मौजूद थीं।

विपक्षी समूह

एकता पर सवाल

विपक्षी समूह 'इंडिया' में दरारें बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में सवाल है कि क्या वह एकजुट होकर चुनाव में उतर सकता है? अपने गठन के समय 'इंडिया' समूह को भाजपा के खिलाफ मजबूत गठबंधन माना जा रहा था, पर अब वह गंभीर आंतरिक समस्याओं का शिकार है और हर गुजरते दिन के साथ उसमें दरारें चौड़ी होती जा रही हैं। इसमें कांग्रेस 'बिग बॉस' की भूमिका निभाने का प्रयास कर रही है, जबकि क्षेत्रीय दल अपना स्पेस छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ध्यान बंटाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जन खड़गे मोदी सरकार पर तीखे हमले बोलते हुए उसकी कमियां गिना रहे हैं। हालांकि, सरकार उनकी टिप्पणियों को अनदेखा करने का प्रयास कर रही है, पर खड़गे जोर दे रहे हैं कि वह नागरिकों का ध्यान भटकाने के लिए भावनात्मक मुद्दे उठा रही है। 'इंडिया' समूह के लिए सबसे बड़ी समस्या उसके घटक दलों में बढ़ती असहमति है। विभिन्न राजनीतिक विश्वास, हित तथा अपने हितों को सुरक्षित रखने की भावना से खाइयां और चौड़ी हो रही हैं। हाल ही में महत्वपूर्ण नीतियों पर सार्वजनिक रूप से टकराव सामने आया है जिससे पता चलता है कि गठबंधन कितना कमजोर है। यदि कांग्रेस अध्यक्ष का यह कहना ठीक भी हो कि सरकार राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दे अपनी विफलतायें छिपाने के लिए उठा रही है तो भी यह विपक्षी समूह को एकजुट रखने के लिए काफी नहीं होगा। खड़गे का कहना है कि सत्तारूढ़ पार्टी संवेदनशील विषयों का प्रयोग गंभीर मुद्दों, जैसे आर्थिक समस्यों, बेरोजगारी व प्रशासनिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए कर रही है। हालांकि, 'इंडिया' इन मुद्दों पर एक है, पर विभाजन का कारण बनने वाली बड़ी समस्या आगामी आम चुनाव के लिए सीट

बंटवारे का फार्मूला तैयार करना और इसे अंतिम रूप देना है। क्षेत्रीय नेता ज्यादा सीटें लेने पर दृढ़ हैं और वे अपने मजबूत गढ़ों में कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी से साझे को तैयार नहीं हैं। ऐसे में 'इंडिया' समूह को एकजुट बनाए रखने के लिए तीन मुद्दों का फौरन समाधान जरूरी है। इनमें सीट साझा, प्रधानमंत्री उम्मीदवार का चयन तथा न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर सहमति शामिल हैं। नेताओं को दूसरों से विचार-विमर्श किए बिना अपनी समस्यायें सार्वजनिक करने से बचना होगा। टीएमसी द्वारा कांग्रेस को केवल दो सीटें देने और आप द्वारा पंजाब की सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने पर जोर देने से कोई लाभ नहीं होगा। इसके साथ ही खड़गे को उस समय तक प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाने की बात बेतुकी है, जब तक उनकी पार्टी के नेता सहमत न हों। न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर सबसे कम विवाद है, इसलिए इससे शुरुआत करते हुए विपक्ष एक-एक कदम बढ़ा कर राजग के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर सकता है। विपक्षी नेताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आखिरकार 'इंडिया' समूह का गठन क्यों हुआ है। इसका उद्देश्य भाजपा को सत्ता से हटाना था क्योंकि कथित रूप से सत्तारूढ़ पार्टी उनके नेताओं को जेल भेज रही है और ईडी व सीबीआई छापों से उनका उत्पीड़न कर रही है। 'इंडिया' गठबंधन पार्टियों को समझना चाहिए कि अलग-अलग लड़ने पर उनको भाजपा नीत राजग के खिलाफ कोई सफलता मिलने वाली नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'करिश्मा' जनता पर हावी हो रहा है जिसका प्रमाण हालिया विधानसभा चुनावों में मिला है। ऐसे में भाजपा-विरोधी मतों के विभाजन से भाजपा को ही लाभ होगा। 'इंडिया' समूह को आंतरिक मुद्दों से निपटने के लिए खुले संवाद और सुलह-समझौते की आवश्यकता है। ऐसा न होने पर चुनाव परिणाम चुनाव होने के पहले ही भाजपा के पक्ष में तय हो जाएगा।

श्रीलंकाः सुलह-समझौते के प्रयास

टकराव के बाद विभिन्न देशों में 'सत्य आयोग' व सुलह-समझौते के प्रयासों की प्रक्रिया बहुत प्रभावशाली नहीं रही है। वह व्यवस्थागत मुद्दों से निपट नहीं पा रही है। श्रीलंका में यह प्रक्रिया शुरू की गई है।

नीलकांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कथित अपराधों की जांच के लिए निष्प्रभावी आयोगों के गठन तथा तथ्यों का पता लगाने के प्रयास अक्सर सामने आए हैं। जहां कुछ आयोग वास्तव में सत्य का पता लगाने का प्रयास करते हैं, वहीं अनेक केवल समय को बरबाद करते और सच्चाई को छिपाते हैं। इनके पीछे इरादे चाहे जो हो, व्यक्तियों की समस्यायें बनी रहती हैं। इसके लिए सामाजिक उथलपुथल के मूल कारणों की तलाश जरूरी है। टकराव के बाद अनेक देशों व तथाकथित उदारवादी लोकतंत्रों में राजनेता लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित होने के बाद उन ढांचागत समस्याओं की अनदेखी करते हैं जो लोकतंत्रों के टूटने का कारण बनती हैं और अक्सर पीड़ितों के साथ वस्तुओं जैसा व्यवहार होता है। लगभग 15 साल लगातार सशस्त्र टकराव के बाद श्रीलंका एक बार फिर सत्य, एकता और सुलह-समझौते का आयोग स्थापित करने के विधेयक के रूप में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है। देर से उठाया गया यह कदम प्रशंसनीय है।

आम जनता में सामाजिक भय तथा नकारात्मकता को प्रोत्साहित करने वाली खबरों के बीच विकास आशा की किरण की तरह है जो संकट भरे समय में उम्मीद जगाता है। आयोग गठित करने वाले इस विधेयक में उसकी शक्तियां और कार्य परिभाषित किए गए हैं। इसमें आयोग की संस्तुतियों के क्रियान्वयन पर निगरानी रखने पर जोर दिया गया है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। सत्य की पहचान करना सभी श्रीलंकावासियों का मूल अधिकार है जो प्रभावी उपचार के उनके अधिकार का अभिन्न अंग है। इस विधेयक में राष्ट्रीय एकता, शांति, कानून के शासन, सह-अस्तित्व, सहिष्णुता के साथ समानता, विविधता के सम्मान तथा सुलह-समझौते पर जोर दिया गया है। इसका अंतिम लक्ष्य वैमनस्य और हिंसा को रोकना तथा भावी पीढ़ियों समेत सभी श्रीलंकावासियों की बेहतरी सुनिश्चित करना है।

इस प्रतिबद्धता का विस्तार सत्य की तलाश तथा राष्ट्रीय एकता व सुलह-समझौते की राष्ट्रीय नीति तक है जिसका लक्ष्य राज्य द्वारा स्वतंत्रता, समानता, न्याय, मूल मानवाधिकारों तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है जिनकी पहचान संविधान में की गई है। सत्य, एकता व सुलह-समझौता आयोग का एक अध्यक्ष होगा सिकी सहायता स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय करेंगे। इसमें कम से कम सात और अधिक से अधिक 21 सदस्य होंगे। विधेयक में घोषित लक्ष्यों के अनुसार, आयोग को जांच करने, खोज करने तथा संस्तुतियां करने का अधिकार होगा जिनका संबंध शिकायतों, आरोपों, व्यक्तियों या संपत्तियों को नुकसान की शिकायतों, लोगों की मृत्यु व कथित मानवाधिकार उल्लंघनों से होगा, भले ही वे श्रीलंका में कहीं भी हुए हों।

इन घटनाओं का संबंध उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में 1983-2009 या उसके बाद घटी घटनाओं से होना चाहिए। लेकिन अन्य आयोगों के पैटर्न की तरह रेखांकित किया गया है कि आयोग की संस्तुतियों का अर्थ किसी व्यक्ति के सिविल या आपराधिक दायित्व का निर्धारण नहीं होगा। पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा ने ऐसे ही आयोग-ओनुर का गठन किया था। उनके उल्लेखनीय प्रयासों से देश में नस्ली विभाजन को पाटने में काफी सफलता मिली थी क्योंकि वे देश की एकता स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध थीं। उन्होंने कभी गलत राजनीतिक निर्णयों की पहचान करने में हिचक नहीं दिखाई, चाहे वे उनके द्वारा हुए हों अथवा उनके नजदीकी परिवारी सदस्यों द्वारा। ओनुर की स्थापना का लक्ष्य स्थाई शांति प्राप्त करना था। लेकिन राजनीतिक अनिश्चितता के कारण यह राष्ट्रीय संस्थान निरर्थक हो गया। ओनुर में हमने कोलम्बो के उन एनजीओ से सहयोग किया था जो कुछ लोगों की प्राथमिकता को चुनौती दे रहे थे, जबकि उत्तर और पूर्व के सुदूर क्षेत्रों की उन्होंने अनदेखी की थी। उल्लेखनीय है कि पूर्व तमिल टाइगर्स ने केन्द्र सरकार तथा राज्य प्रशासनिक व्यवस्था के प्रयासों के प्रति विश्वास प्रकट किया था जो उनके परिवारों को एकजुट करने के प्रयास कर रहे थे।

ओनुर की प्रमख परियोजनाओं में 'सहोदर पासल' शामिल थी जिसमें विभिन्न नस्लों के लगभग 100 छात्र शामिल किए गए थे जो विभिन्न स्कूलों में पढ़ते थे। उनको एक स्थान पर एक सप्ताह साथ गुजारने का अवसर दिया गया था। कैंडी की एक घटना में तीन महिला छात्राओं ने बरसात से बचाव के लिए एक हिजाब साझा किया था जो उनकी शक्ति और विविधता का प्रतीक था क्योंकि छात्राओं में मुस्लिम, तमिल व सिंहल छात्रायें थीं। शुरुआती भ्रान्तियों के बावजूद इन छात्रों ने अपने नस्ली जीवन से अलग हट कर मजबूत संबंध विकसित किए थे और कार्यक्रम के अंत में उनके बीच स्थाई मित्रता का विकास हुआ था।

लेकिन तीन साल बाद ओनुर का यह प्रभाव लगभग समाप्त हो गया था। इसका अर्थ है कि लापरवाही के कारण मतभेद और विभाजन बढ़ता है तथा हम सच्ची एकता और सुलह-समझौते के रास्ते से अलग हटते हैं। विडंबना है कि टकरावों के बाद विभिन्न देशों में स्थापित सत्य एवं सुलह-समझौता आयोगों से लोगों की निराशा बढ़ी है। इनमें अर्जेन्टाइना, ग्वाटेमाला, लाइबेरिया, र्वांडा, सियरा लियाने, पेरू, नेपाल तथा बहु-प्रशंसित अफ्रीका शामिल हैं।

लोगों में यह सामूहिक भावना बनी कि अधिकांश सत्य एवं सुलह-समझौता आयोग प्रक्रियाओं ने उनके व्यवस्थागत मुद्दों का समाधान नहीं किया। व्यापक राजनीतिकरण के कारण अतीत के सत्यों से मुक्ति पाने में सहायता नहीं मिली। इस संकट से निपटने के लिए त्रासद अनुभवों के वि-राजनीतिकरण, खोई स्वतंत्रतायें वापस पाने तथा अपने यथार्थ को पुनः रूपान्तरित करने की जरूरत है। इसके लिए एक नये किस्म की राजनीतिक एकजुटता विकसित करने की आवश्यकता है जो नस्ली, राष्ट्रीय, सांस्कृतिक व धार्मिक पहचानों से आगे जाती हो। यह एक साहसी कदम है जो सामूहिक कब्रों व खंडहरों के बावजूद जनता के बीच सेतु स्थापित करने में सक्षम हो। पीड़ितों को सुलह-समझौते से आगे बढ़ कर अपनी त्रासद किस्मत स्वीकार करने की आवश्यकता होती है ताकि वे पीड़ित होने की भावना से उबर सकें। वास्तविक मुक्ति के लिए सहायता के साथ ही अडिग राजनीतिक एकजुटता की जरूरत होती है। उनको विश्वास होना चाहिए कि वे दशकों पुरानी विभीषिकाओं से मुक्त हो सकते हैं।

इतिहास हमारे सामने मानव सभ्यता में अनेक टकरावों को लगातार पेश करता है जो मानवता के मार्ग में आते हैं। श्रीलंका इसका अपवाद नहीं है। टकरावों की विभीषिका और उनकी प्रकृति हमारा दृष्टिकोण बदल सकते हैं, पर उनको अनदेखा करने से ऐतिहासिक महत्व समाप्त नहीं होता है। युद्धों ने लगातार मानव इतिहास का मार्ग बदला है, भविष्य के नए रास्ते खोजे हैं तथा अन्य रास्ते बंद किए हैं। टकरावों के परिवर्तनशाली प्रभाव को स्वीकार करना ही सुलह-समझौते का मुख्य अंग है। सुलह-समझौते में हमारे दैनिक जीवन में मानववादी दृष्टिकोण का महत्व शामिल होना चाहिए। सुलह-समझौते को प्राथमिकता देने का अर्थ टकराव के मानवीय आयामों को समझने के प्रति प्रतिबद्धता, सद्भावना को बढ़ावा देना, विश्वास को पुनः बहाल करना तथा अंततः ऐसा भविष्य निर्धारित करना है जहां अतीत की भयावह यादों व दागों से मुक्ति मिल सके। इस दृष्टिकोण से सुलह-समझौता न केवल एक ऐतिहासिक आवश्यकता, बल्कि एक अपरिहार्य तत्व है जो ज्यादा सद्भावनापूर्ण व परस्पर जुड़ी दुनिया बनाने के लिए जरूरी है।

वास्तविक सुलह-समझौते से राष्ट्रीय सहमति संचालित होती है जो देश को असंदिग्ध रूप से राष्ट्रीय हितों की ओर आगे ले जाती है। इसमें सचमुच राष्ट्र-राज्य का मूल सिद्धान्त शामिल है। यदि हमारी शिक्षा व्यवस्था धार्मिक व विशिष्टतावादी विचारधाराओं को प्रोत्साहन देती है तो चाहे जितना प्रभावशाली हो, हमारा विमर्श 15 साल पहले हुए टकरावों के पीड़ितों तक सीमित हो जाता है। इससे घृणा के बीच बने रहेंगे तथा उगने के लिए सही समय की प्रतीक्षा करेंगे। इतिहास का यह स्पष्ट सबक है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए चाहिए गुणवान शिक्षक

> "गुणवत्तापूर्ण शिक्षक सपनों को प्रज्वलित करते हैं, कार्यों को प्रेरित करते हैं और महानता का पोषण करते हैं।"

साक्षी सेठी
(लेखिका, एक स्तम्भकार हैं)

डैन राथर के शब्दों में, सपना, ज्यादातर समय, एक शिक्षक के साथ शुरू होता है जो आप पर विश्वास करता है, जो आपको खींचता है और धक्का देता है और आपको अगले पठार तक ले जाता है, कभी-कभी आपको सत्य नामक एक तेज छड़ी से प्रहार करता है।

शिक्षा व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी को किस प्रकार की शिक्षा प्राप्त होती है यह काफी हद तक उसके शिक्षक पर निर्भर करता है, विशेषकर स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में। आज के परिदृश्य में, शिक्षक सभी प्रकार और आकारों में आते हैं। फिर भी भारतीय शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में गिरावट को आम तौर पर स्वीकार किया जाता है और यह बेहद चिंताजनक है। हाल के शोध में, यह पाया गया कि सभी के लिए और हर जगह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए अभी भी लगभग 45 मिलियन शिक्षकों की आवश्यकता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षक सपनों को प्रज्वलित करते हैं, कार्यों को प्रेरित करते हैं और महानता का पोषण करते हैं। वे मार्गदर्शक रोशनी भी हैं जो सपनों को बढ़ावा देते हैं, जिज्ञासा जगाते हैं, प्रत्येक छात्र के भीतर की क्षमता को उजागर करते हैं और कई जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं, लेकिन वर्तमान परिदृश्यों को देखते हुए, यह सवाल हर किसी को चिंतित करता है कि शिक्षा उद्योग, विशेष रूप से स्कूलों में क्या कमी है? ऐसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षक?

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि शिक्षक और प्रशिक्षक किसी भी अर्थव्यवस्था की प्रगति के प्रमुख द्वार हैं। वे बहुत जानकार, विनम्र और आत्मविश्वासी हैं और उनमें सीखने का प्यार पैदा होता है, इसके विपरीत, यह

पेशा वर्तमान परिदृश्य में स्कूल और काम के आवेदकों के लिए अंतिम सहारा प्रतीत होता है। आज, बहुत से लोग कुछ और करने की चाहत में इस पेशे को अपनाते हैं। इसके अलावा, समर्थन की कमी, पेशेवर विकास की कमी और कठिन स्कूल संस्कृति और माहौल के कारण कई गुणवत्ता वाले शिक्षक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, जो बड़े पैमाने पर अधिकारियों के लिए बड़ी चिंता का कारण है। सभी स्तरों पर अधिकारियों को शिक्षकों के बलिदान की सराहना करने की आवश्यकता है, चाहे वह लंबे समय तक कक्षाओं में खड़ा रहना हो, स्कूल के समय के बाद रुकना हो और इसके बदले में कोई प्रोत्साहन न प्राप्त करना हो। आर्थिक तनाव के अलावा यह पेशा मानसिक स्वास्थ्य का भी कारण बन गया है। महान लोग कुछ गुणवत्तापूर्ण कार्य कर सकते हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षक हजारों महान लोगों को तैयार कर सकते हैं क्योंकि वे अपनी कला में निपुण होते हैं। वे स्वयं के साथ-साथ अपने छात्रों के लिए भी अपेक्षाएँ निर्धारित करते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सभी प्रकार के गुणों वाले शिक्षक सभी रंगों, आकारों और आकारों में पाए जा सकते हैं। जिम हेंसन के शब्दों में, बच्चों को यह याद नहीं रहता कि आप उन्हें क्या सिखाने की कोशिश करते हैं, वे बस यह याद रखते हैं कि आप क्या हैं।

एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली में, शिक्षक ज्ञान के सूत्रधार और मार्गदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, छात्रों को बौद्धिक जिज्ञासा और विषयों की गहरी समझ के लिए मार्गदर्शन करते हैं। सुलभ और समावेशी शिक्षा यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि या अन्य असमानताओं की परवाह किए बिना सभी व्यक्तियों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिले।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में निवेश भविष्य में एक निवेश है, जो एक अधिक न्यायपूर्ण, नवोन्मेषी और समृद्ध समाज की नींव रखेगा। जैसे-जैसे समाज विकसित हो रहा है, सभी के लिए एक उज्जवल और अधिक टिकाऊ भविष्य को बढ़ावा देने के लिए सुलभ, न्यायसंगत और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने पर जोर आवश्यक बना हुआ है।

याद रखें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों को वित्तपोषित करने से शुरू होती है, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों को वित्तपोषित करने की शुरुआत बुनियादी शिक्षा की गुणवत्तापूर्ण वित्त पोषण से होती है। केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही गरीबी के चक्र को तोड़ने और बच्चों को अपने साथ-साथ अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन बनाने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। अच्छा बुनियादी ढाँचा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षक और एक समावेशी पाठ्यक्रम एक सुव्यवस्थित बुनियादी शैक्षिक संरचना के घटक हैं और हमेशा रहेंगे।

आप की बात

सनातन का अपमान

विपक्ष सनातन सभ्यता- संस्कृति को अपमानित करने के एजेंडे पर चल रहा है। रांकापा नेता और डॉ जितेन्द्र आह्वाण ने कहा कि भगवान राम मांसाहारी थे। इसके पीछे वो शिकार का तर्क देते हैं। पूरी रामायण में केवल एक प्रसंग में भगवान श्रीराम मारीच के क्षद्म वेशधारी हिरन का शिकार करते जाते हैं। जहां तक वन में बिना मांसाहार के जीवन न चलने की बात है, यह तर्क भी अनुचित व गलत है। वाल्मीकि रामायण के सुंदरकांड में लिखा है कि भगवान राम मांस-मदिरा या किसी नशे का सेवन नहीं करते थे, बल्कि आयुर्वेद जीवनपद्धति के अनुसार आहार-विहार का पालन करते थे। इससे स्पष्ट है कि रांकापा नेता का उद्देश्य किसी न किसी बहाने सनातन संस्कृति को अपमानित करना है। विडंबना है कि जब देश-विदेश में हिंदू संस्कृति व सनातन धर्म नित नई ऊंचाइयां छू रहा है और इस्लामी देशों में भी भव्य मंदिर बन रहे हैं, ऐसे में भाजपा-विरोधी और मोदी-विरोधी अपनी आंखें बंद कर भ्रम पैदा करना चाहते हैं। ऐसे सनातन-विरोधियों की कड़वी जुबान पर लगाम लगाने के लिए अब आम जनता को आगे आना होगा। विडंबना है कि शरद पवार भी अह्वाण का यह निरर्थक प्रलाप सुनते रहे और उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

ईडी पर हमला

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता के यहां छापा मारने गई प्रवर्तन निदेशालय-ईडी की टीम पर 200 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। यह अत्यन्त चिन्ताजनक घटना है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार हैं, वहां भ्रष्टाचारियों के यहां छापे मारे जाने पर अब तक ईडी के खिलाफ बयानबाजी की जाती थी, अब उन पर हमले भी किए जाने लगे हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो भ्रष्टाचारियों के कुकर्मों का खुलासा करने वाली इस संवैधानिक टीम के कर्मचारियों के हौंसले पस्त होने लगेंगे। इन स्थितियों को देखते हुए सरकार को ईडी के कर्मचारियों को पूर्ण सुरक्षा देनी चाहिए। खासतौर से राजनेताओं व बाहुबलियों के यहां छापेमारी के दौरान आवश्यकता होने पर ईडी टीम को अर्धसैनिक बलों की सुरक्षा मिलनी चाहिए जो सीधे केन्द्रीय गृह मंत्रालय से निर्देशित हों। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को भी स्वतः संज्ञान लेकर पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब तलब करना चाहिए। यदि इस घटना पर फौरन निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई तो अरविंद केजरीवाल व हेमंत सोरेन जैसे नेताओं के हौसले बढ़ेंगे जो ईडी के सामने पेश होने के लिए हीला-हवाली कर रहे हैं।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

वैश्विक चुनौतियां

भारत लगातार कहता रहा है कि यह युग युद्ध का युग नहीं है, लेकिन इसके बावजूद पिछला साल युद्धों का वर्ष बन गया था। रूस-यूक्रेन और गाजा पट्टी में चल रहा युद्ध चिन्ताजनक हैं। ताइवान क्षेत्र में चीन का आक्रामक व्यवहार भी दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती पेश कर रहा है। वर्तमान समय में जारी युद्ध और तनाव राजनयिक प्रयासों को बाधित करते हैं। इससे न केवल पश्चिमी दुनिया, बल्कि भारत में भी चिंता उत्पन्न हुई है। मालदीव में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद वहां-इंडिया आउट अभियान शायद चीन की शह पर चलाया जा रहा है। मालदीव सरकार का चीन-समर्थक व भारत-विरोधी दृष्टिकोण भारत के लिए सुरक्षा चिन्ता का विषय भी है। भारत के लिए इस वर्ष अमेरिका व कनाडा के साथ संबंधों में तनाव दूर करना महत्वपूर्ण होगा। लेकिन अब देश की जनता के साथ ही दुनिया के लोग भी समझ रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में मोदी की प्रशंसा करने वाला लेख प्रकारान्तर से इस बात का प्रमाण है कि भारत अब किसी चुनौती के समक्ष झुकने वाला नहीं है।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नानकमत्ता

कांग्रेस की यात्रा

कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में होने वाली 6,713 किलोमीटर लंबी इंफाल-मुंबई यात्रा का नाम बदल कर उसे भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नाम दिया है। इसका कारण यह है कि वह पिछली भारत जोड़ो यात्रा के कथित लाभ को भुनाने का प्रयास कर रही है। वैसे कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल नेताओं को इसमें शामिल होने का आमंत्रण देने की बात कही है, लेकिन कांग्रेस व इंडिया में शामिल क्षेत्रीय पार्टियों के बीच बढ़ते टकराव को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता है। कांग्रेस की यात्रा से इस बात की भी गारंटी नहीं है कि इससे कांग्रेस का जनाधार मजबूत होगा या उसका वोटबैंक बढ़ेगा। असम में कांग्रेस के पूर्व सहयोगी बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि राहुल गांधी की इस यात्रा से कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होगा। बदरुद्दीन अजमल का बयान इस बात का संकेत है कि जहां क्षेत्रीय दल मजबूत हैं वहां अल्पसंख्यक व खासकर मुसलमान शायद कांग्रेस को पसंद न करें। यह भी देखना होगा कि कहीं कांग्रेस की इस यात्रा से उसकी लोकसभा चुनाव तैयारियां प्रभावित न हों।

–**तौकीर रहमानी,** मुंबई

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

किसी के साथ अन्याय न हो: योगी

जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री ने

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालेए कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी दशा में न छोड़े जाएं। उनके खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक.एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं हैए सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कई महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की समस्या घरेलू जमीन विवाद की थी तो कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ ने मारपीट के मामले में प्रभावी कार्रवाई की गुहार लगाई। जमीन कब्जा की शिकायतों पर सीएम ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। उन्होंने कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। उन्होंने पुलिस से संबंधित अन्य मामलों में भी प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार.दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एक बच्चे से उसकी पढ़ाई को लेकर उन्होंने हंसी.ठिठोली भी की।

प्रधानमंत्री आज लाभार्थियों से करेंगे संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा में कल सोमवार 8 जनवरी को वर्चुअल माध्यम से सीधा संवाद करते हुए लाभार्थियों से जुडेगें।

प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने बताया कि सोमवार दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के साथ चल रहे रथों से सीधे प्रसारण के माध्यम से वर्चुअल संवाद करेगें।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के मंत्री, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्य, ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान व जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ स्थानीय नागरिक भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव संवाद से जुडेगें।

माघ मेला के जरिए महाकुम्भ 2025 की रिहर्सल करेगी योगी सरकार

श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों, कल्पवासियों, साधु-महात्माओं की सुविधा का रखा जाएगा ध्यान

लखनऊ। योगी सरकार माघ मेला 2024 के जरिए कुंभ मेला 2025 की ड्रेस रिहर्सल करेगी। अधिकारियों को माघ मेले को सकुशलए सुरक्षित एवं स्वच्छ ढंग से कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों, कल्पवासियों, साधु-महात्माओं की सुविधाए माघ मेला क्षेत्र में साफसफाई और घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री जोन बनाने के लिए जन जागरूकता के साथ ही कपड़े के थैलों का भी इंतजाम करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है की माघ मेला हर वर्ष मकर संक्रांति यानी 15 से शुरू होता है और महाशिवरात्रि यानी 8 मार्च तक चलेगा।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने माघ मेला एवं महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया। मेलाधिकारी ने मेले के प्रमुख स्नान, पर्वों की तिथियों की जानकारी, क्षेत्रफल, सेक्टरों की संख्या घाटों की संख्या व लम्बाई, अनुमानित कल्पवासियों की संख्या, प्रमुख स्नान पर्वों पर आने वाले अनुमानित श्रद्धालुओं की संख्याए भूमि आवंटन, चिकित्सा केन्द्रों, शौचालयों सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाकुम्भ के आयोजन के दृष्टिगत इस बार माघ मेले में जो नए अभिनव प्रयोग किए जा रहेए के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। वाटर लेजर शो, थिमेटिक गेट्स, फ्लोटिंग जेटी, ड्रोन मानीटरिंग, सैनिटेशन ब्लाक, सोलर लाइट, थिमेटिक लाइट्स सहित अन्य नए प्रयोग माघ मेले में किए जा रहे है। पार्किंग स्थल का चिन्हॉकन ऐसे स्थानों पर किया जाए जो मेला क्षेत्र से दूर न हो, साधु.संतो, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महाकुम्भ मेला की तैयारियों के संबंध में बताया। आरओबी, एयरपोर्ट, डिजिटल लाइब्रेरी, पर्यटन स्थलों का उच्चीकरण व कॉरिडोर बनाना, कल्चर सेंटर, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, स्पोटर्स वाटर, कुम्भ के दृष्टिगत यातायात व पार्किंग व्यवस्था, सड़कों का चौड़ीकरण, सुन्दरीकरण व सुदृढ़ीकरण, रिवटर फ्रंट रोड, रिंग रोड सहित महाकुम्भ के आयोजन के दृष्टिगत कराए जा रहे अन्य विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पॉवर कार., पीडब्लूडी, जल निगम, नगर निगम, यूपीएसआरटीसी, स्वास्थ्य विभाग, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, सिंचाई विभाग, पर्यटन विभागए वन विभाग व अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी विभाग द्वारा महाकुम्भ से संबंधित कराए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

प्रदेश और देश की जनता परिवर्तन चाहती है: सपा प्रमुख

सपा अधिवक्ता सभा की बैठक

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सपा के राज्य मुख्यालय, 19.विक्रमादित्य मार्ग लखनऊए में खचाखच भरे डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी अधिवक्ता सभा की बैठक को सम्बोधित किया। बैठक में उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों के अधिवक्ता सम्मिलित हुए। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश और देश की जनता परिवर्तन चाहती है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बदलाव होना तय है। अधिवक्ता समाज जागरूक और प्रभावशाली है। वह समाज और आम जनता की समस्याओं को समझता है। अधिवक्ता समाज सपा की नीतियों, कार्यक्रमों और अपने एजेण्डे को आम जनता तक पहुंचाने में कामयाब हो गया तो परिवर्तन तय है।

यादव ने कहा है कि जब से केन्द्र में भाजपा की सरकार बनी है तब से देश में एक लाख से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। सीमा पर लगातार जवान शहीद हो रहे हैं। भाजपा सरकार में न सीमाएं सुरक्षित है और न किसान और जवान सुरक्षित है। भाजपा की नोटबंदी की नीति पूरी तरह विफल रही। नोटबंदी से न आतंकवाद कम हुआ और न भ्रष्टाचार और महंगाई कम हुई। बड़ी संख्या में लोग बैंकों का पैसा लेकर विदेश भाग गए। देश में महंगाईए बेरोजगारी चरम पर है। नौजवान बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने किसानोंए नौजवानोंए महिलाओं सभी को धोखा दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा प्रधानों के बजट का पैसा काट कर विकसित भारत का झूठा सपना दिखा रही है। सिर्फ नारों से देश विकसित नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार को जब भी मौका मिला प्रदेश का विकास किया। अधिवक्ताओं के लिए काम किया। नेता जी और समाजवादी सरकार ने अधिवक्ताओं के चेम्बरों की व्यवस्था की। अधिवक्ताओं के हित में कई फैसले लिए। लखनऊ की नयी हाईकोर्ट बिल्डिंग समाजवादी सरकार में बनी। हाईकोर्ट की भव्य बिल्डिंग की तारीफ सभी ने की। हाईकोर्ट बिल्डिंग के उद्घाटन के लिए आये तत्कालीन चीफ जस्टिस ने भी तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी बिल्डिंग और बैठने की जगह तो दिल्ली में भी नहीं है। लेकिन आज भाजपा सरकार उसका मेंटीनेंस तक नहीं कर पा रही है।

यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में एक्सप्रेस.वे बनाया। प्रदेश के एक कोने को दूसरे कोने से जोड़ने का काम किया। लखनऊ.आगरा एक्सप्रेस.वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे समाजवादियों की देन है। समाजवादी सरकार में गोमती नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए गोमती रिवरफ्रंट बनाया गया। समाजवादी सरकार ने काम करके दिखाया कि नदियों के साफ रखने का यही तरीका है। अभी तक हम सब जानते थे कि रिवरफ्रंट नदियों पर बनता है लेकिन भाजपा सरकार नाले पर रिवरफ्रंट बना रही है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। लड़ाई बाबा साहब के संविधान और बुल्डोजर के बीच है। एक तरफसंविधान बचाने वाले हैं दूसरी तरफबुल्डोजर से कानून और संविधान को रौंदने वाले है। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। सपा ने नारा दिया है 80 हराओए भाजपा हटाओं। भाजपा हटेगी तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा। लोकतंत्र और संविधान को बचाने में अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

अधिवक्ताओं ने लोकसभा चुनाव में सपा को जिताने का संकल्प लिया। अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल, प्रदेश अध्यक्ष सिकन्दर यादव, हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता आईपी सिंह, प्रमुख महासचिव जितेन्द्र सिंह जीतू, अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय महासचिव सरदार आलोक सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वे 2024 में भाजपा को पूरी ताकत से सत्ता से बेदखल करेंगे। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल मौजूद रहे। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभा ने अखिलेश यादव को 12 सूत्री एजेण्डा सौंपा। इसमें चुनाव प्रक्रिया में अधिवक्ताओं की भूमिका तय करनेए विधिक सलाहकार समिति बनाने, आरक्षण का लाभ जूडीशियल सेवा में देने, राष्ट्रीय न्यायिक सेवा आयोग के गठन, वक्फ सम्पत्तियों के सर्वेक्षण तथा अल्पसंख्यकों को सुरक्षा आदि देने का जिक्र है।

अखिलेश का भाजपा की विकसित भारत संकल्प यात्रा पर कटाक्ष

लखनऊ। सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विकसित भारत संकल्प यात्रा पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या किसान भी इस यात्रा का हिस्सा हैं या नहीं? यादव ने कहा कि विकसित भारत का सपना दिखाने वाली सरकार ने भारत को विकसित बनाने के साथ-साथ किसानों की आय दोगुनी करने का दावा किया है। क्या किसान विकसित भारत के अभियान में हैं या नहीं? क्या किसानों की समृद्धि के बिना विकसित भारत संभव है। उन्होंने कहा कि क्या विकसित भारत ने युवाओं के बारे में बात की है? जो युवा बेरोजगार हैं और जिन्हें नौकरी नहीं मिली है, क्या वे विकसित भारत का हिस्सा है? सपा प्रमुख ने यह भी जानना चाहा कि भाजपा ने ऐसा कौन सा निर्णय लिया है जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरियां मिली हैं।

कांग्रेस ने आस्था के साथ नही किया खिलवाड़:अविनाश पांडे

कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी में लगाएंगे डुबकी: राय

लखनऊ। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के नवनियुक्त प्रभारी अविनाश पांडे ने रविवार को कहा कि पार्टी ने कभी भी भगवान राम या कृष्ण के नाम पर लोगों की आस्था से खिलवाड़ नहीं किया। पांडे ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को वह निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या जाएंगे लेकिन उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए और वह अपनी व्यक्तिगत आस्था के कारण वहां जा रहे हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि चाहे भगवान राम हों या भगवान कृष्ण, कांग्रेस ने कभी भी लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं किया है और ना ऐसा कभी नहीं करेगी।

पांडे ने कहा कि प्रभु श्री राम हमारे दिल में बसते हैं और हर दिन मैं उनके सामने दो बार सिर झुकाता हूं। पूछा गया कि क्या आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बसपा के साथ कोई बातचीत चल रही है, तो पांडे ने कहा,"राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय समिति इस पर काम कर रही है। बसपा के साथ उनकी क्या चर्चा हुई है, मुझे पता नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा, जब सबका लक्ष्य एक ही है, और अघोषित आपातकाल से छुटकारा पाना है। इसके लिए भाजपा को हराना होगा और सभी समान विचारधारा वाले दलों को एक लक्ष्य के साथ एक साथ आना होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी में डुबकी लगाएंगे, राम मंदिर के दर्शन करेंगे और अयोध्या में हनुमानगढ़ी के भी दर्शन करेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, मैं बाबा विश्वनाथ की नगरी से हूं। भगवान राम में हमारी आस्था है। वे धर्म के नाम पर आयोजन करते हैं। खरमास अब भी चल रहे हैं, वे अक्षत (एक शुभ कार्य) वितरित कर रहे हैं। वे खरमास के दौरान निमंत्रण वितरित कर रहे हैं। खरमास के दौरान वे शुभ कार्य कर रहे हैं।

तंज कसने से पहले अखिलेश अपने गिरेबान में देखें: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाने पर मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव को टिप्पणी करने से पहले खुद की गिरेबान में झांकने की नसीहत दी है। मायावती ने कहा कि अपनी व अपनी सरकार की खासकर दलित-विरोधी रही आदतों, नीतियों एवं कार्यशैली आदि से मजबूर सपा प्रमुख द्वारा बीएसपी पर अनर्गल तंज कसने से पहले उन्हें अपने गिरेबान में भी झांककर जरूर देख लेना चाहिए। रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखते हुए मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी का दामन भाजपा को बढ़ाने व उससे मेलजोल के मामले में दागदार रहा है। तत्कालीन सपा प्रमुख द्वारा भाजपा को संसदीय चुनाव जीतने से पहले व उपरांत आर्शीवाद दिए जाने को कौन भुला सकता है और फिर भाजपा सरकार बनने पर उनके नेतृत्व से सपा नेतृत्व का मिलनाञजुलना जनता कैसे भूला सकती है। ऐसे में सपा साम्प्रदायिक ताकतों से लड़े तो यह उचित होगा। मायावती का इशारा स्व. मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में पीएम मोदी को दूसरे कार्यकाल के लिए आशीर्वाद देने की ओर था। बता दें कि एक दिन पूर्व अपने बलिया दौरे के दौरान पत्रकारों ने जब उनसे इंडिया गठबंधन में मायावती और बसपा को शामिल करने के बारे में सवाल किया तो उन्होंने तंज भरे लहजे में पूछा कि उसके बाद का (2024 लोकसभा चुनाव) भरोसा आप दिलाओगे। बात भरोसे का है।

पर्यटन के लिहाज से अयोध्या हो रही विकसित

रामोत्सव 2024

सभी प्रमुख घाटों को प्रीफैब टॉयलेट्स योजना के अंतर्गत किया जाएगा आच्छादित

लखनऊ/अयोध्या। आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर अयोध्या के विकास के विजन को साकार कर रही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अवधपुरी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। यहां लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें समुचित नागरिक सुविधाओं का लाभ मिलेए इस पर फोकस करते हुए सीएम योगी के दिशा.निर्देशन में विजन डॉक्यूमेंट 2047 के अंतर्गत परियोजनाओं पर कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में अयोध्या विकास प्राधिकरण ;एडीएद्ध ने पवित्र सरयू नदी के किनारे सभी दर्शनीय घाटों को प्रीफैब टॉयलेट्स की परियोजना से आच्छादित करना शुरू कर दिया है, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को प्रसाधन सुविधा के दृष्टिगत किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि मंदिर समेत सरयू घाटों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्ज की जाएगी। 15 जनवरी को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर यहां माघ स्नान के अंतर्गत साधु.संन्यासीए श्रद्धालु व अयोध्या की जनमानस पवित्र सरयू में विभिन्न घाटों पर डुबकी लगाएगी। ऐसे में प्रीफैब टॉयलेट्स की स्थापना व संचालन के जरिए उन्हें प्रसाधन सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत भी योगी सरकार व अयोध्या जिला प्रशासन कार्य कर रही है। अयोध्या के सरयू घाटों पर जिन 500 प्रीफैब टॉयलेट्स की स्थापना, संचालन व रखरखाव की प्रक्रिया शुरू की गई हैए उसे एजेंसी निर्धारण द्वारा पूरा किया जाएगा जिसकी प्रक्रिया जारी है। एजेंसी निर्धारण के लिए क्वॉलिटी कॉस्ट बेस्ड सिलेक्शन प्रक्रिया को प्रयोग में लाया जा रहा है। कार्य करने की इच्छुक एजेंसियों द्वारा एडीए के समक्ष इन टॉयलेट्स के वर्किंग प्रोटोटाइप को संचालित करके दिखाने तथा कम कीमत में उच्चतम सुविधा उपलब्ध कराने जैसी प्रक्रियाओं को अमल में लाना होगा।

इन टॉयलेट्स को एजेंसी के माध्यम से न्यूनतम 12 महीने के लिए संचालन व उपयोग में लाया जाएगा। निर्धारित एजेंसी को यह सुनिश्चित करना होगा कि संपूर्ण ब्लॉक स्वच्छता और परिचालन स्थितियों में हैं। सभी आवश्यक सैनिटरी फिटमेंट के साथ आपूर्ति किए गए टॉयलेट सीट ब्लॉक की गारंटी भी उच्चतम क्वॉलिटी की होनी चाहिए। सेप्टिक वेस्ट, निर्बाध जल आपूर्ति और सफाई उपकरणोंए पर्यावरण अनुकूल रसायनों की प्रभावी सफाई सुनिश्चित करना, सफाई कार्यक्रम, सफाई रजिस्टर, उपस्थिति पत्रक, देखभाल करने वालों, प्रबंधन की निगरानी और पर्यवेक्षण जैसे कार्यों को भी करना होगा। इसके साथ हीए यह सुनिश्चित करने के लिए कि टॉयलेट सीट ब्लॉक उचित वेंटिलेशन, प्रकाश और सहायक उपकरण के साथ 24/7 दिन चालू रहेंए जो उक्त उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में भी एजेंसी द्वारा कार्य किया जाएगा। सभी आवश्यक जानकारी संकेत और सार्वजनिक जागरूकता उपकरण प्रदान किया जाएगा, जो न केवल स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के उद्देश्य को पूरा करता हैए बल्कि लोगों को उत्तम नागरिक प्रथाओं को अपनाने और दूसरों को इसके बारे में शिक्षित करेगा। कलर कोडिंग को ध्यान में रखकर पुरुष व स्त्री प्रसाधन गृहों को संचालित किया जाएगा। इसमें पुरुषों के लिए नीला व महिलाओं के लिए पिंक रंग का प्रयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त इन टॉयलेट्स को दर्शाने वाले संकेतक साइनेज बोर्ड्स को हिंदीए अंग्रेजीए तेलुगुए गुजराती व मराठी जैसी भाषाओं में दर्शाया जाएगा। इसके अतिरिक्तए आम लोगों को आवश्यक सहायता प्राप्त करने में सहायता के लिए प्रत्येक बूथ पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हेल्पलाइन नंबर को भी प्रदर्शित किया जाएगा। शौचालयों के संचालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमए 2016ए माननीय एनजीटी के निर्देशों और एसबीएम 2००० के दिशानिर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए घाट की सफाई और जन जागरूकता अभियान में लगी अन्य टीम का समर्थन को भी समय.समय पर सुनिश्चित किया जाएगा। यहां स्थापित होने वाले 500 टॉयलेट ब्लॉक्स में से 450 नग आईडब्ल्यूसी, उड़ीसा पैन इंडियन वॉटर क्लोजेट होना चाहिए, जिसमें से 10 में विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए प्रावधान होना चाहिएए जबकि शेष 40 में ईडब्ल्यूसी होना चाहिए, जिसमें आसानी से समझने के लिए दरवाजे के साइनेज हों। इन टॉयलेट्स को यूज करने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न होए इसलिए बाकायदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाएगी। यहां कॉल को अटेंड करने और रिकॉर्ड तरीके से मुद्दों के निवारण के लिए जवाब देने के लिए एक टोल.फ्रीध्मोबाइल नंबर (24/7) की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

विकास के पथ पर बढ़ रही रामनगरी

लखनऊ/अयोध्या। अध्यात्म से समृद्ध राम नगरी अब आर्थिक क्षेत्र में भी सफलता का नया अध्याय लिख रही है। योगी सरकार के कुशल नेतृत्व में ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में उत्तर प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसके साथ ही आर्थिक रूप से अयोध्या भी विकास की नई सीढ़ी चढ़ी। 2021.22 में अयोध्या से विभिन्न क्षेत्रों में 110 करोड़ का निर्यात हुआए जो 2022.23 में बढ़कर 254 करोड़ हो गया। कुल मिलाकर 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आयुक्त गौरव दयाल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह काल अयोध्या के सर्वांगीण विकास का है। केंद्र व प्रदेश की योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या की आर्थिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रगति हो रही है। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़े के आधार पर अयोध्या से विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष 2021.22 में 110करोड़ का निर्यात हुआ जो कि 2022.23 में बढ़कर 254 करोड़ हो गया है । कुल मिलाकर 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

2021-22 में 110 करोड़ का हुआ निर्यात, जो 2022-23 में बढ़कर 254 करोड़ हो गया

चार मुख्य पथों ने अवधपुरी का किया कायाकल्प

लखनऊ/अयोध्या। चार वेद, चार युग की प्रेरणा से योगी सरकार में बने चार पथों ने अवधपुरी के वृहद कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त किया है। योगी सरकार के नेतृत्व में पुरातन वैभव को आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप ढालकर अयोध्या में कायाकल्प करने का मार्ग सुनिश्चित किया जा रहा है। यहां के चार प्रमुख पथ भक्ति पथए जन्मभूमि पथए राम पथ व धर्म पथ चार वेदों और चार युगों की अवधारणा पर विकसित किए गए हैं, जिन्हें म्यूरल पेंटिंग, वॉल पेंटिंग, पेबल स्टोन स्कल्चर, आधुनिक लाइटिंग, वाई-फाई कनेक्टिविटी समेत सौर ऊर्जा के उचित प्रयोग से वैश्विक प्रतिमान गढ़ने के अनुरूप बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या के विकास को तीव्र गति दीए वहीं 2017 के पहले नागरिक सुविधा के तौर पर उबड़.खाबड़ गड्ढेयुक्त अल्पविकसित सिंगल लेन सड़कें व संकरी गलियां ही अयोध्या की नियति बनकर प्रत्यक्ष तौर पर सकल विश्व की राजधानी की पराभव गाथा को बयां करती थी। वर्षों के पराभव के बाद अब अयोध्या जिस तेजी से विकास के नए प्रतिमान गढ़ रही है तथा वर्ष 2047 तक आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर अपनी पहचान को पुख्ता करने के लिए सतत विकास की प्रक्रिया से गुजर रही हैए निश्चित तौर पर डबल इंजन की सरकार व सीएम योगी आदित्यनाथ का कुशल नेतृत्व ही इसे संभव बना सकता है।

घंटों तक बाधित विद्युत आपूर्ति, नाली खड़ंजों में गंदगी व साफ-सफाई में अनियमितता, सड़कों पर मंडराता आवारा पशुओं का झुंडए सड़कों के नाम पर सिंगल लेन ऊबड़.खाबड़ गड्ढायुक्त मार्ग और उन पर चलता बेतरतीब ट्रैफिक अयोध्या की पहचान बन गए थे। मगर 2017 के बाद अयोध्या ने जिस तेजी से विकास की गति पकड़ी वह डबल इंजन की सरकार और विशेषतौर पर सीएम योगी के अयोध्या के प्रति आत्मिक लगाव के कारण ही संभव हो पाया। आज यहां भक्ति पथए जन्मभूमि पथए राम पथ व धर्म पथ वर्ल्ड क्लास मॉडर्न फैसिलिटीज और हेरिटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड विंटेज साज.सज्जा से संवर रही है। यहां के इन चारों प्रमुख पथों को फसाड लाइटिंगए म्यूरल पेंटिंगए विंटेज विक्टोरियन सोलर टेल लैंपए आर्टिस्टिकली डिजाइंड आर्क लैंपए प्रॉपर पेवमेंटए इनलैंड ड्रेनेज व कॉनक्रीट लेआउट कैरियज वे, ग्रीनरी इनेबल्ड डिवाइडर, अवस्थापनाओं के संरचनात्मक विकास में फाइबर ग्लास, कंक्रीट मॉडलिंग के साथ ही सीसीटीवी सर्विलांस के जरिए स्मार्ट ट्रैफिक रेगुलेशन सिस्टम भी अयोध्या में इन चारों मुख्य पथों पर लागू है।

डबल इंजन की सरकार में तेजी से विकास हुआ। नयाघाट चौराहे का जीर्णोधार व सौंदर्यीकरण सुनिश्चित कर इसे सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को समर्पित करते हुए लता चौक के नाम पर सीएम योगी की उपस्थिति में 28 सितंबर 2022 को लोकार्पित किया गया। यहां विशाल वीणा स्थापित की गईए जो कला के साथ ही आधुनिक अयोध्या के वैभव का पहला प्रतिमान बनी। ये अयोध्या का प्रमुख सेल्फी प्वॉइंट भी है जहां खुद पीएम ने भी तस्वीरें खिंचवाई थीं। इस सड़क को सिंगल लेन के बजाए सुव्यवस्थित फोर लेन में कन्वर्ट किया गया। यहां पार्किंग के लिए भी उत्तम व्यवस्था की गई है। इस मार्ग को डबल लेन बनाने के लिए व्यापक अतिक्रमण हटाने व चौड़ीकरण की प्रक्रिया को अमल में लाया गया है। अब यहां सीसीटीवी के जरिए स्मार्ट सर्विलांस की व्यवस्था भी शुरू हो गई है। ये हाई स्पीड इंटरनेट एक्सेस जोन भी है और यहां 5जी के साथ ही वाई.फाई की सुविधा भी उपब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। इस मार्ग को अतिक्रमण मुक्त बनाकर व्यापक चौड़ीकरण प्रक्रिया के जरिए फोर लेन रोड में परिवर्तित किया गया है। यहां टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए तमाम प्रकार के अवस्थापना सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। इस मार्ग को चौड़ीकरण प्रक्रिया के जरिए फोर लेन में कन्वर्ट किया गया है। यहां भव्य द्वार का भी निर्माण किया जा रहा है। यहां अब ज्यादातर पब्लिक कम्यूटिंग व कमर्शियल व्हीकल्स सीएनजी बेस्ड हैं तथा यहां ईवी परिवहन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसे सौंदर्यीकरण के जरिए व्यापक रूप से विकसित कर भव्य रूप प्रदान किया जा रहा है।

चार माह से पेंशन नहीं मिली, 16 जनवरी को करेंगे बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पेंशन न मिलने से परेशान जल निगम कर्मियों द्वारा बैठक कर शासन की निंदा की गयी। उप्र जल निगम संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों द्वारा चार माह से पेंशन न मिलने पर 16 जनवरी को बैठक कर रणनीति बनाने का निर्णय किया गया है। उप्र जल निगम संयुक्त संघर्ष समिति पेंशन के लिए संघर्ष कर रही है। समिति के संयोजक इं एके सिंह ने कहा कि जल निगम के अफसरों की मनमानी और तानाशाही से प्रदेश के नगरीय व ग्रामीण कार्मिक और पेंशनर उपेक्षित हैं। चार माह का नियमित वेतन व पेंशन देने दो माह में 189 फीसदी तक महंगाई भत्ते का एरियर और 2022 तक सेवानिवृत्त पेंशनरों के सभी लाभ देने शासनादेश के अनुरूप 221 फीसदी महंगाई भत्ते की मांग की जा रही है। प्रशासन अनदेखी को देखते हुए समिति 16 जनवरी को बैठक कर अगली रणनीति तय करेगी।

लेखपाल भर्ती परीक्षा

मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग से 55 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

भागीदारी भवन में संचालित नि:शुल्क आवासीय कोचिंग से ले रहे थे प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रतियोगी परीक्षार्थियों के जीवन में नई रोशनी भरने का काम कर रही है। हाल ही में संपन्न लेखपाल भर्ती परीक्षा में अभ्युदय कोचिंग से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले 55 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। प्रदेश भर के 75 जिलों में समाज कल्याण विभाग की ओर से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में अभ्युदय कोचिंग केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 8 आवासीय कोचिंग की सुविधा भी समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदान की जा रही हैए जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके कुल 83 अभ्यर्थी 2023 में विभिन्न परीक्षाओं में अंतिम रूप से चयनित हुए हैं। इनमें से 55 अभ्यर्थियों का चयन उप्र राजस्व लेखपाल भर्ती की परीक्षा में हुआ है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का मुख्य उद्देश्य आईएएस, आईपीएस, पीसीएस, एनडीए, सीडीएस, नीट जैसी प्रतियोगिताओं के लिए छात्रों को निशुल्क कोचिंग प्रदान करना है। वह सभी छात्र जो अपनी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कोचिंग नहीं प्राप्त कर पाते हैए उन सभी छात्रों को निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत कोचिंग प्राप्त करने के लिए छात्रों को किसी दूसरे राज्य में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वह अपने राज्य एवं अपने जिले से कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार छात्रों को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा और वह अच्छी से अच्छी कोचिंग प्राप्त करके परीक्षा में बैठ पा रहे हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 जनवरी, 2024

विकसित भारत संकल्प यात्रा के स्टालों में उमड़ा जनसैलाब, योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

● अंतिम छोर के पात्रों तक पहुंच रहा सीधा लाभः सुब्रत पाठक

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

नगर के रामलीला मैदान में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांसद सुब्रत पाठक एवं पूर्व राज्यमंत्री अर्चना पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्वलन कर श्री राम दरबार एवं मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर माल्यार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

रविवार को नगर पालिका परिषद मे पालिकाध्यक्ष मुन्नी गुप्ता एवं समधन नगर पंचायत में अध्यक्ष आसमा बेगम के निर्देश पर लाभार्थियों को लाभ पहुँचाने हेतु विभिन्न विभागों के स्टाल लगाये गये। जिनमें विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल एवं पोषण विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला पूर्ति विभाग, श्रम कल्याण विभाग, महिला एवं बाल संरक्षण विभाग, डूडा विभाग, नगर विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग आदि के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बाल पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दिल्ली से आई नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा अपने प्रस्तुति से सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनायें जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना, का प्रचार किया गया साथ स्वच्छ भारत मिशन के तहत जनता को पॉलीथीन प्रतिबन्धन की जानकारी दी गई।

आम जनता से अपने आस-पास सफाई रखने की अपील की गई। कार्यक्रम के अन्त मे उपरान्त प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों को चाबी प्रदान की गयी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मोदी जी का सन्देश एवं कार्ड दिया गया। इसी दौरान सांसद, पूर्व राज्यमंत्री, पालिकाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप दिव्यांग कुं. दुर्गा देवी को मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, चेयरमैन प्रतिनिधि अखलाक हुसैन सिद्दीकी, अधिशासी अधिकारी मीनू सिंह, देवेंद्र देव, राजीव ठाकुर, संतोष चतुर्वेदी, विनय वर्मा, नीरज मिश्रा, शिवम राज वर्मा, डॉ सुधीर दिक्षित, विकास गुप्ता, विजय दुबे, उमाकांत सैनी, मनोज बघेल, संदेश गुप्ता, सुरेश तिवारी, पूर्व सूबेदार मेजर ओम प्रकाश त्रिपाठी, सभासद निर्मल श्रीवास्तव, शहंशाह, भैयालाल दुवे, धर्मेन्द्र गुप्ता, दीपक गुप्ता, आजम सिददीकी, जिलेदार सिंह, दीपक श्रीवास्तव, विवेक गुप्ता, भूरा कठेरिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लूट व हत्या की घटना का 48 घंटे में खुलासा करे पुलिसः धर्मेंन्द्र कौशल

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत दिन पूर्व क्षेत्र के कस्बा समधन में सर्राफ व्यवसाई के गोली मारकर की गई लूट की घटना एवं इलाज दौरान मृत्यु हो जाने पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने मृतक सर्राफ व्यवसाई के आवास पर पहुंचकर परिजनों से शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं पूर्व राज्यमंत्री अर्चना पाण्डेय नें एसपी से वार्ता कर जल्द से जल्द घटना के खुलासे की बात कही।

रविवार को क्षेत्र के कस्बा समधन के मोहल्ला गोरी नवादा मृतक सर्राफ व्यवसाई अय्याज के आवास पर पहुंचे उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र कौशल के नेतृत्व में पदाधिकारियों सुशील कौशल, सूर्य प्रताप गुप्ता, जितेन्द्र कौशल, संतोष गुप्ता, शशिकांत गुप्ता पन्चू गुप्ता ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुये अडतालिस घण्टे में घटना का पर्दाफास करने का अल्टीमेटम दिया। और दुख की घडी में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होनें पर संगठन द्वारा धरना प्रदर्शन किया जायेगा। उधर समधन जाते समय पूर्व राज्यमंत्री अर्चना पाण्डेय ने काफिला रुकवाकर एसपी अमित कुमार आनन्द व कोतवाल जेपी शर्मा से जल्द से जल्द घटना के खुलासे की बात कही।

पुलिस की अनदेखी से नशे के कारोबारियों के हौसले बुलंद

संडीला, हरदोई। क्षेत्र में तमाम तरह के नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार चरम पर है और हज़ारों किशोर और युवा इसकी चपेट में तेज़ी से आकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। दूसरी ओर इस मामले में पुलिस प्रशासन पूरी तौर पर अंजान बना हुआ है।

सूत्रों के अनुसार नगर और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। अवैध गांजा, चरस, तमाम प्रकार की नशीली दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं। कई चाय के होटल अवैध नशीले पदार्थों की सप्लाई के केन्द्र बन गए हैं। इन होटलों पर यह हैंडलर आकर बैठ जाते हैं और आधी रात तक नशीले पदार्थों की आपूर्ति करते रहते हैं। नशीले पदार्थों की चपेट में विशेष रूप से किशोर तथा युवा वर्ग के लोग सर्वाधिक हैं। कहीं भी सिगरेट में चरस भर कर पीते हुए अथवा चिलम से गांजे के दम लगाते हुए यह युवा मिल जाएंगे। इसके अलावा बेहद घातक नशे के कैप्सूल जिनके बारे में बताया जाता है कि इनकी आपूर्ति नेपाल के रास्ते से हो रही है। इन होटलों पर आसानी से उपलब्ध है। इसके आलावा कतिपय होटलों पर अफ़ीम का डोडा मिलाकर स्पेशल चाय तैयार कर बेची जाती है और इसकी चपेट में आकर लोग इस भीषण ठंड में भी आधी रात तक उन होटलों पर कतार पर खड़े दिख जाते हैं।

नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में नशे के इस जानलेवा कारोबार की चर्चा बच्चे-बच्चे की ज़बान पर है, लेकिन ऐसी जानकारी आखिर पुलिस प्रशासन को क्यों नहीं है? यह एक गंभीर एवं चिंतनीय विषय है क्योंकि यदि पुलिस प्रशासन को इसकी गंभीरता का एहसास होता तो निश्चित रूप से अब तक कड़ी कार्रवाई हो जाती और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगता। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने यह मांग की है कि इस प्रकरण में तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। अन्यथा देश की युवा पीढ़ी का भविष्य संकट में आ जाएगा

सीएमओ ने किया रविवार को तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का दौरा

लखीमपुर खीरी। शासन की मंशा के अनुरूप चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के दृष्टिगत सीएमओ खीरी डॉ संतोष गुप्ता ने रविवार को तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान अनुपस्थित मिले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं अन्य व्यवस्थाओं के दृष्टिगत भी निर्देश जारी किए गए हैं।

निरीक्षण के क्रम में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि रविवार को पीएचसी ढखेरवा, पीएचसी लखाही और पीएचसी कफारा का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान पीएचसी ढखेरवा नानकार में तैनात फार्मासिस्ट रमेश चंद्र वर्मा अनुपस्थित पाए गए। जिन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। इसी के साथ हाल ही में यहां पर हेल्थ एटीएम लगाया गया है और इसे शुरू करने के लिए जल्द ही एलटी को प्रशिक्षित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। नवनिर्मित छह बिस्तरों वाला वार्ड एवं एचडब्ल्यूसी जल्द सेवा देने को तैयार है। जल्द ही इसे डिलीवरी प्वाइंट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके बाद वह सीएचसी लखाही पहुंचे, जहां संबंधित अधिकारियों के साथ मुख्य सड़क से पीएचसी तक सीधे पहुंच मार्ग की संभावनाओं को देखा। कर्मचारी आवास के नवीनीकरण की आवश्यकता दिखी।

एचडब्ल्यूसी की बाहरी दीवार की पेंटिंग और ब्रांडिंग को जल्द करने के निर्देश दिए। इसके बाद वह सीएचसी कफारा पहुंचे यहां पर फार्मासिस्ट आर एन दास अनुपस्थित मिले। संबंधित अधिकारी को शीघ्र ही पीएचसी को डिलीवरी प्वाइंट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। सभी जगहों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला संचालित मिला आने वाले मरीजों को दवाएं वितरित की जा रही थीं।

सलमान खुर्शीद के गृह कायमगंज में नये ठहराव वाली एक्सप्रेस ट्रेन को सांसद मुकेश राजपूत ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता। फर्रुखाबाद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के गृह कायमगंज स्टेशन पर नए ठहराव वाली19716 एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर सांसद एवं रेलवे स्थाई संसदीय सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत ने भाजपा का झंडा गाढ़ दिया।

सूत्रों के अनुसार रेल मंत्रालय के आदेश पर रेल यात्रियों के लाभार्थ जयपुर. गोमती नगर ; लखनऊ के मध्य सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार ,शनिवार को चलने वाली 19715-, 19716 एक्सप्रेस ट्रेन का , उत्तर प्रदेश में पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल के कासगंज .फर्रुखाबाद रेलखंड के मध्य फर्रुखाबाद जिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के गृह स्टेशन कायमगंज पर नया ठहराव भाजपा सांसद एवं रेलवे स्थाई संसदीय

सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत की मांग पर किए जाने से फर्रुखाबाद लोकसभा की कायमगंज विधानसभा में भाजपा का मजबूत झंडा गढ़ जाने की चर्चाएं शुरू हो गई। इस रूट पर छपरा. मथुरा के मध्य चलने वाली 22531- 22532 वर्तमान में सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव कायमगंज स्टेशन पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के प्रयास से हुआ था और अव दूसरी एक्सप्रेस 19715-19716 ट्रेन का ठहराव कायमगंज स्टेशन पर भाजपा सांसद द्वारा कराया जाना क्षेत्रीय जनता के लिए लखनऊ,मथुरा,जयपुर,राजस्थान,आदि स्थानों आने जाने के लिए हर्ष का विषय बन गया रेल सूत्रों के अनुसार गोमती नगर से जयपुर जाने वाली 19716 ट्रेन का 6 जनवरी 2024 को नए ठहराव में कायमगंज स्टेशन पर ट्रेन का 22. 34 वजे पर आना और 2 मिनट बाद 22. 36वजै पर यहां से अगली स्टेशन के लिए रवाना होना सुनिश्चित था।

इधर कोहरा एवं शीतलहर में इस एक्सप्रेस ट्रेन के कुछ विलंब से चलने पर यह ट्रेन शनिवार 6जनवरी 2024 को कायमगंज स्टेशन पर रात्रि 22. 58 वजे पहुंची ।इसके बाद 23. 00 बजे भाजपा सांसद एवं रेलवे संसदीय स्थाई सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत द्वारा इस एक्सप्रेस ट्रेन को कायमगंज स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर अगली स्टेशन के लिए रवाना किया गया।

क्विक न्यूज

मासूम की मृत्यु पर जिला अस्पताल के डाक्टर के खिलाफ जांच

हमीरपुर। एक सप्ताह पहले जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मासूम की मृत्यु में डाक्टर के खिलाफलापरवाही की शिकायत पर तीन सदस्यीय समिति ने जांच शुरु कर दी है। कल पीड़ित पक्ष के बयान लिये गये हैं। स्थानीय यमुना घाट निवासी पीड़ित गणेश गुप्ता ने सीएमओ व पुलिस को बताया कि पिछले 27 दिसम्बर को उसके सात वर्षीय पुत्र अंश की तवियत अचानक खराब होने पर उसे जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जिसमे डा. आशुतोष निरंजन की डियूटी थी,मगर उस समय डाक्टर इमरजेंसी में उपलब्ध नही थे,काफी देर में आने के बाद बच्चे की हालत विगड़ गयी बाद में बच्चे का इलाज न कर कानपुर रिफर कर दिया गया जिससे रास्ते में उसकी मृत्यु हो गयी थी। हालाकि आक्रोशित परिवारीजनों ने कालपी चौराहा में डाक्टर की कार्यप्रणाली के विरोध में जाम लगा दिया था, डाक्टर के खिलाफकार्यवाही की मांग कर रहे थे। बाद में पीड़ित की शिकायत पर सीएमओ ने जांच कराये जाने का आश्वासन दिया था वही स्थानीय कोतवाली में डाक्टर की लिखित शिकायत की थी।

ऐसे थे आचार्य कंचन कृति का किया गया विमोचन

फर्रुखाबाद। वीणा साहित्य परिषद के तत्वावधान में आचार्य ओम प्रकाश मिश्र कंचन को समर्पित पुस्तक श्ऐसे थे आचार्य कंचनश् का विमोचन किया गया।रविवार को शहर के महादेव प्रसाद स्ट्रीट नटराज भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय कवि डाक्टर शिवओम अंबर , वरिष्ठ कवि राम अवतार शर्मा इन्दु, संस्था सचिव दिलीप कश्यप, संयोजक राम मोहन शुक्ल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। पुस्तक विमोचन एवं काव्य गोष्ठी के अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अंबर ने कहा कि साहित्य .संगीत और कला के त्रिवेणी संगम स्मृति शेष गुरुवर आचार्य ओम प्रकाश मिश्र कंचन पांचाल क्षेत्र में सारस्वत चेतना के अक्षय ज्योतिर्वलय रहे हैं जो कल भी प्रासंगिक थे और कल भी समसमायिक रहेंगे।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

फतेहपुर। एवास आयुर्वेदा की ओर से ऋद्धि अरोग्य क्लीनिक रानी कालोनी में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का अयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि मुखलाल पाल (जिला अध्यक्ष भाजपा) द्वारा शिविर का शुभारंभ फीता काट कर किया गया। शिविर में डा. ए.के. चंदेल (आयुर्वेदाचार्य) द्वारा आए रोगियों का परिक्षण किया गया तथा परामर्श और औषधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में एवास की तरफसे वीर सिंह, रोहित मौर्य तथा सौम्या सिंह पटेल, श्रीमती स्मिता सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, प्रशांत पटेल, सुरेश श्रीवास्तव, श्रेय शुक्ला, अखिलेश प्रताप सिंह, प्रखर शुक्ला, और राजेंद्र कुमार (पैथोलॉजी) आदि उपाथित रहे।

राज्य ताईक्वांडो प्रतियोगिता के लिए हुआ सलेक्शन

फतेहपुर। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफफतेहपुर द्वारा राज्य ताईक्वांडो प्रतियोगिता के लिए सिलेक्शन हुआ जिसमें करीब 50 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया जिसमें खिलाड़ियों का चयन हुआ बालिका वर्ग में अनुष्का यादव, शिखा देवी आयुषी यादव शनाया श्रीवास्तव और बालक वर्ग में अभिषेक यादव अन्त्यज सिंह, मो0 कामरान अंश यादव,अथर्व रस्तोगी, आदित्य सिंह, नारायण सिंह, यश पटेल, आदर्श वर्मा, अंश कुमार ,अयान सिंह, आग्नेय पांडेय, सक्ष्या चौधरी, अल हसन, अकृत सिंह, शिव सागर का चयन हुआ चेयरमैन किशन मेहरोत्रा ने कहा खिलाड़ी या तो जीतता है या फिर सीखता है। प्रोत्साहित करने हेतु प्रिंसिपल डॉ. प्रियंका गुप्ता, चेयरमैन किशन मेहरोत्रा, सचिव राजकुमार, कोच भारत वर्मा, शशांक आनंद, शिव कुमार, कुनाल कुमार, श्रेया वर्मा, अनुराग कुमार मौजूद रहे।

मगरेना मे करबला की भूमि पर कब्जे को लेकर विवाद

मोहम्मदी खीरी। आस्था से जुड़े कर्बला के मामले में पूरा गांव के लगभग सैकडों लोग एकत्रित होकर राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक लोकेंद्र प्रताप के आवास पर करबला पर हो रहे कब्जे को लेकर पहुचे और अपनी बात रखी,विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि धार्मिक स्थलों ब करबला पर कब्जा किसी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा, बैठकर सम्मानजनक हल निकाला जाएगा, मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी ने विधायक लोकेंद्र सिंह से दोनों पक्षों से वार्ता के बाद जो फैसला किया जाएगा, सभी ग्रामवासी व ताजिया दार मानेंगे इसका सभी गांव वासियों ने स्वागत किया,कल विधायक ने दोनों पक्षों को अपने आवास पर आमंत्रित किया है,इस मौके डाक्टर रफायत खा,कललू खा सहित सैकडो ताजियादार मौजूद रहे,सभी ने विधायक का धन्यवाद दिया* गौरतलब है कि मगरेना करबला की इस जमीन पर 200 वर्षों से ताजिया दफन होती आ रहे हैं वही कुछ लोगो ने नवाब साहब की बहन से इस कर्बला की भूमि का बैनामा करा लिया तभी से ग्राम सहित सभी ताजा दारो में काफी रोष व्याप्त है,ताजियादारो का कहना है कि किसी कीमत पर इमाम हुसैन की करबला पर जब तक कोई हल नही निकलता कब्जा नही करने दिया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के समारोह में उमड़ा भारी जन सैलाब

संवाददाता। मैलानी खीरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम भवानी शंकर माहेश्वरी उर्फ बन्टी भैय्या के रोडवेज बस स्टाप के निकट प्रांगण मे समपन्न कराया गया मंच का संचालन भाजपा नेत्री गुरमीत कौर ने तथा मुख्य अतिथि के रूप मे आये सासंद प्रति निधि का कार्यकृताओ ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

जिसमे सासंद प्रति निधि संजय जी जनता को सम्बोधित करते वर्ष 2014से अभी तक मिलने वाली लाभान्वित योजनाओं जैसे किसान सम्मान निधि योजना उज्वला योजना मुफ्त राशन व आयुष्मान कार्ड जिसमे पांच लाख रूपये तक का निशुल्क इलाज व बेरोजगारी के फुटपाथ पर दुकान लगाने के बिना किसी गारंटी के कम ब्याज पर बैंको द्वारा लोन की सुविधा व अधिक से अधिक शहर से लेकर गावों तक बिजली पहुंचाने का काम साथ ही जिले आक्सीजन व गैस प्लांट लगवाने तथा स्कूलों मे बच्चो को ड्रेस पुस्तकें तथा निशुल्क शिवा देने का काम सरकार ने किया।

साथ ही उन्होंने बताया कि जनपद लखीमपुर खीरी मे तीन रेल्वे स्टेशनों मैलानी गोला लखीमपुर आदि स्टेशनों पर अमृत अभियान के कार्य किया जा रहा है इस मौके पर बिजली विभाग के सम्बन्धित अधिकारी एस डी बिजली एम मनोज व अन्य विधुत कर्मी तथा चिकित्सा प्रभारी संजीव कुमार सी एच ओ सोहन सिह तथा विधुत सेक्सन इन्जीनियर जगजीवन लाल गुप्ता तहसीलदार सुखदेव सिह नवम आँगन वाडी कार्यकत्री स्नेह लता पान्डेय व उनकी सहयोगियों द्वारा बच्चो द्वारा बच्चों को वितरण करने वाली सामाग्री की स्टाल लगाई गयी

कूड़ा घर बना घटिया घर, मालामाल ग्राम प्रधान

रमियाबेहड़ खीरी। विकासखंड रमिया बेहड क्षेत्र हैकना मटेरा आर आर सेन्टर जो कूड़े घर से जाना जाता जिसमें सरकार की तरफ से लाखों की रकम लगाकर बजट दिया गया लेकिन ग्राम प्रधान बालक राम वर्मा द्वारा घटिया किस्म की ईंट मसाले का उपयोग किया जाता है शासन प्रशासन गांव में योजना तो जरूर भेज देते हैं लेकिन उन योजनाओं की जांच करने में नाकाम दिखाई रहते हैं तभी तो ग्राम प्रधान मालामाल होते नजर आ रहे हैं बात की जाए कूड़ा घर बनने की सामग्री की तो उसमें पीला और गठिया किस्म का ईंट लगाकर तैयार कर रहे हैं व ज्यादा बालू का ही इस्तेमाल किया जाता है सीमेंट व मोरंग बहुत ही कम से कम डालकर बहुत जल्दी तैयार करने में लगे हैं।

मतदाता जागरूकता व पेंशन जागरूकता मार्च निकालेगा अटेवा

फतेहपुर। अटेवा पेंशन बचाओ मंच की सदर तहसील के पांचो ब्लॉकों की समीक्षा बैठक पृथ्वीपुरम में आयोजित की गई। बैठक में सभी ब्लॉकों के साथियों ने अपने-अपने ब्लॉकों की आय-व्यय, कार्यकारिणी गठन व महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी आदि की संपूर्ण सूचना समीक्षा प्रभारी बाबूलाल पाल व पर्यवेक्षक ध्यान सिंह को उपलब्ध कराई। पूर्व में खागा एवं बिंदकी तहसील की समीक्षा बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। बैठक में तहसील प्रभारी संदीप यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक जजमेंट में कहा है कि पेंशन कर्मचारी का पेंडिग वेतन है। सेवानिवृत्ति के बाद उसे उसका हक मिलना ही चाहिए। भिटौरा ब्लाक संयोजिका विमलेश कुमारी ने कहा कि पेंशन हमारा हक जब तक हमें नहीं मिलेगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा। जिला मंत्री ध्यान सिंह ने कहा कि देश के सांसद/विधायक चार-चार पेंशन लेते हैं, तब देश की अर्थव्यवस्था पर भार नहीं पड़ता।

चैयरमैन के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गयी

रूरा, कानपुर देहात। कस्बे के रेलवे स्टेशन से क्षेत्रीय आस्था के प्रमुख स्थल धनीरामपुर के बाला जी मॅदिर तक चैयरमैन रामजी गुप्ता के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में भारी सॅख्या में कस्बाई व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। अयोध्या के रामजन्मभूमि परिसर में अगामी 22 जनवरी को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के प्रसार हेतु रूरा कस्बे में नगर पॅचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता के नेतृत्व में रूरा रेलवे स्टेशन से मेन रोड होते हुये नहर पुल तक विशाल कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा का विश्राम आस्था के प्रमुख केन्द्र धनीरामपुर बालाजी मॅदिर पर किया गया। कलश यात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता सहित हनुमान जी की आकर्षक झॉकिया मौजूद रही। कलश यात्रा में प्रमुख रूप से चैयरमैन रामजी गुप्ता, अकबरपुर ब्लाक प्रमुख आशीष मिश्रा, डा0 अशोक मिश्रा,आशीष गुप्ता मोनू, सभासद आशुतोष मिश्रा छोटे भईया, अॅशुल बाजपेई, सुरेश कुमार, चैयरमैन पुत्र प्रशान्त ओमर, मयॅक गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, गिरजेश द्विवेदी, दुर्गेश दीक्षित, बृजेन्द्र द्विवेदी, सौरभ सिंह, श्रवण गुप्ता, अभिलाष दीक्षित, राकेश शुक्ला सहित भारी सॅख्या में कस्बाई व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

बदमाशों ने बुजुर्ग किसान की पीटकर की हत्या

फतेहपुर। जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां शनिवार की देर रात घर के बरामदे में सो रहे एक बुजुर्ग किसान की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल पर खून से सनी लाठी भी बरामद हुई है। सूचना पर पुलिस के आला अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना करते हुए साक्ष्य संकलन किया हैं। घटना बकेवर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के पहाड़ीपुर गांव निवासी 62 वर्षीय किसान कल्लू गांव में खेती किसानी करते थे। गांव किनारे बुजुर्ग किसान का घर है। खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग घर के अंदर सो रहे थे। वहीं कल्लू घर के बाहर बरामदे में सो गए। इस दौरान देर रात सो रहे किसान पर अज्ञात बदमाशों ने लाठी डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर मौके से फरार हो गए। इस हादसे में कल्लू के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई थीं। जिससे किसान की मौके पर ही मौत हो गई। भोर पहर उठे परिजनों ने खून से लतफ्त चारपाई पर पड़े शव को देखा तो कोहराम मच गया। सनसनीखेज वारदात की जानकारी पर धीरे-धीरे घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले गांव के ही कुछ लोग मृतक किसान के खेत से जबरन मिट्टी निकलवा रहे थे। जिसकी शिकायत मृतक ने उप जिलाधिकारी बिंदकी से की थी। वहीं चर्चा यह भी है कि जमीनी बंटवारे को लेकर भी परिवार में विवाद चल रहा था।

आरोपियों की सुराग में जुटी पुलिसः थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की गहनता से जांच की जा रही है। जल्दी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दो मासूम बच्चों को जहर खिलाकर फांसी पर झूली मां

फतेहपुर। जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां रविवार भोर पहर एक महिला ने सास से विवाद होने के बाद अपने दो मासूम बच्चों को जहर खिला दिया। इसके बाद खुद भी फांसी पर झूल कर जान दे दी। इस हादसे में एक मासूम बेटे की भी इलाज के दौरान कानपुर में मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, औंग थाना क्षेत्र के हरचंदखेड़ा मजरे गंगचौली गांव निवासी विनोद पाल की 35 वर्षीय पत्नी शांति देवी के दो बेटे अभिषेक (12), आदर्श (8) व एक 11 वर्षीय बेटी अंशी है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात भैंस बांधने को लेकर महिला की बड़े बेटे अभिषेक से कहा सुनी हो गई थी, इसके बाद महिला ने बेटे को मार दिया था। बेटे के साथ मारपीट को लेकर सास और बहू के बीच झगड़ा हो गया। इससे आहत महिला ने तड़के करीब पांच बजे पहले अपने छोटे बेटे आदर्श और बेटी अंशी को गुड में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। इसके बाद खुद भी घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां को फांसी के फंदे पर लटका देख बच्चों के शोर मचाने पर परिजनों के साथ आस पड़ोस के लोग भी मौके पर दौड़कर पहुंच गए। उधर, इस बीच दोनों बच्चों की हालत भी बिगड़ गई। इस पर दोनों बच्चों को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया, जहां से आदर्श की हालत को नाजुक देखकर डॉक्टर ने कानपुर रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी सांसे थम गईं।

संकल्प यात्रा में आसपास के गांवों के लोगों ने लिया बढ़चढ़कर हिस्सा

हमीरपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम सुमेरपुर के तपो भूमि अश्राम मे संपन्न हुआ ।इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा के राज्य सभा सांसद बाबूराम निषाद ने कहा कि मोदी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था व विकास की गारंटी ली है। जो हर हाल मे पूरी होगी। उन्होने कहा की गैर भाजपा सरकारे कब्जा करती और कराती थी मगर भाजपा सरकार कब्जों को मुक्त कराती है।

राज्य सभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई है। प्रदेश की पूर्व सरकारे अराजकता व गुंडागर्दी को प्रश्रय देती थी मगर योगी सरकार ने प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने का काम किया है। संकल्प यात्रा में लोगों मे उत्साह देखा जा रहा है। जो विकसित भारत की पहचान है।

उन्होने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के महत्व को बताया। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार में लोगो के अन्दर आत्मविश्वास बढ़ा है अब पुलिस थानों में जाकर लोग दारोगा से आंख में आंख में मिलाकर बात करते है। थानों में जाने के लिये अब किसी नेता की आवश्यकता नही है।

तीन दिवसीय चिंतन शिविर में पहुंचेंगे सैकड़ों किसानः मो. शमीम

गुरसहायगंज, कन्नौज। रविवार को आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष मो. शमीम सिद्दीकी ने कहा कि इलाहाबाद चिंतन शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत, राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत की उपस्थिति में आगामी होने वाले आंदोलनों की रूपरेखा तय की जाएगी। महिला जिला अध्यक्ष कुसुम चौहान ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा किए गए वादों को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। सरकार की इस वादा खिलाफी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होगी। जिला प्रवक्ता डॉ. राकेश कटियार ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए अनुशासन में रहने की बात कही। इस मौके पर इरशाद अली, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, जीतू यादव, सुरेश सिंह यादव, रजाउल अली, मुईन अहमद, उपेंद्र सिंह राजपूत, अनिल कुमार अरुण, मो.शहराज, आलोक कुमार राजपूत, राहुल कुमार, अनुराग यादव, अकील फारूखी, अरुण कुमार सिंह, रणजीत राजपूत, असगर खान शामिल रहे।

गरीबों को हो रहा बेहद घटिया स्तर के कंबलों का वितरण

संडीला, हरदोई। गरीबों को भीषण ठंड के प्रकोप से कुछ हद तक सुरक्षित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गरीबों को कंबल वितरित करने के आदेश दिए गए हैं लेकिन उनके आदेशों का पालन करने वालों ने बेहद घटिया कंबल बांटकर वहां भी गरीबी का मज़ाक उड़ा दिया।

जानकारी के अनुसार ब्लाक परिसर में गरीबों को कंबल वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में तहसीलदार राजीव यादव, एसडीएम तान्या सिंह भी मौजूद थीं। विधानपरिषद सदस्य अशोक अग्रवाल द्वारा जिन कंबलों का वितरण किया गया, बाद में कई लोगों ने यह कंबल दिखाते हुए कहा कि यह कंबल बेहद घटिया हैं। कई कंबल तो ऐसे थे जिनके बीच पट्टियों से आर-पार दिख रहा था। कुछ कंबल ऐसे भी थे जो ज़रा सा खिचाव पड़ने पर फ़ट रहे थे। इस स्तर के घटिया कंबलों के संबंध में जब तहसील के अधिकारियों से पूछा गया तो उनका कहना था कि जो कंबल उन्हें दिए गए हैं, वही बांटे जा रहे हैं। तहसील स्तर से इन कंबलों की खरीद नहीं हुई। गौरतलब है कि जब प्रतिनिधियों के माध्यम से कई ब्लाकों पर कंबल वितरण के आयोजन किए जा चुके हैं।

भाजपा ने सिक्किम में राज्यसभा चुनाव के लिए दोरजी शेरिंग लेप्चा को बनाया उम्मीदवार

गंगटोक। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिक्किम में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए विधायक दोरजी शेरिंग लेप्चा को रविवार को अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा की। एक बयान में इसकी जानकारी दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक बयान में कहा कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 19 जनवरी के चुनाव के लिए लेप्चा के नाम को मंजूरी दे दी है। लेप्चा (66) वर्तमान में पाक्योंग जिले की नम्थांग मार्चोंग सीट से विधायक हैं। लेप्चा पिछली सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा (एसडीएफ) सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं और 2019 विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी के नौ अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) की सरकार बनी थी। मंत्री के रूप में लेप्चा के पास भवन एवं आवास और परिवहन जैसे विभाग थे। लेप्चा ने कहा कि वह संसद में हिमालई राज्य से संबंधित मुद्दे उठाकर अपनी सर्वोत्तम क्षमता से सेवा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राज्यसभा में एक प्रतिनिधि के रूप में पार्टी और मेरे राज्य सिक्किम की सेवा करने के लिए मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को दिल से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि वह आखिरी तारीख नौ जनवरी को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट मौजूदा समय में विपक्षी एसडीएफ के हिशे लाचुंगपा के पास है। उनका कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त होगा। लाचुंगपा लगातार दो बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट वर्तमान में विपक्षी एसडीएफ के हिशे लाचुंगपा के पास है। उनका कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है। बत्तीस सदस्यीय सिक्किम विधानसभा में एसकेएम के 19, भाजपा के 12 और एसडीएफ के एक सदस्य हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डी आर थापा ने कहा कि सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) लेप्चा के राज्यसभा के लिए चुनाव को सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। थापा ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग का समर्थन प्राप्त है। एसकेएम ने अभी तक चुनाव के लिए न तो लेप्चा के नाम का समर्थन किया है और न ही अपने उम्मीदवार की घोषणा की है। एसकेएम भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है, लेकिन दोनों दल राज्य में एक साथ नहीं हैं। इसके अलावा एसडीएफ ने भी अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

भाजपा और आरएसएस पर बयानबाजी में विपक्ष राम के भी खिलाफ : शाहनवाज

भाषा। बलिया

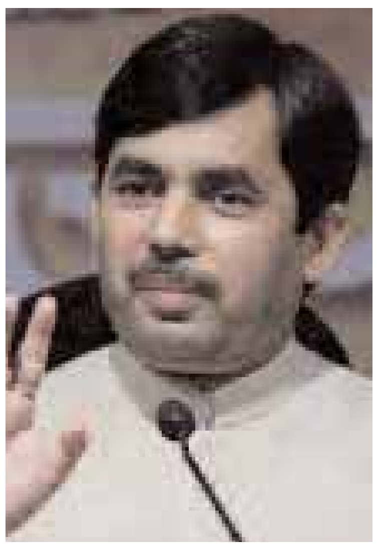

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि राम मंदिर को लेकर मुसलमानों की तरफ से तो कोई नकारात्मक बयान नहीं आया लेकिन विपक्षी दल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के खिलाफ बयानबाजी करते-करते राम जी के भी खिलाफ हो गए हैं। बलिया जिले के सिकंदरपुर में शनिवार देर रात भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव के निवास पर शाहनवाज हुसैन ने संवाददाताओं से कहा, राम मंदिर के निर्माण से पूर्वांचल की पूरी तस्वीर बदल जाएगी। विकास से तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेगी। उन्होंने कहा, जब 22 जनवरी को मंदिर का उद्घाटन होगा, उसके बाद देश-विदेश के लोग आते रहेंगे, तब भी भीड़ कम नहीं होगी। इतना अद्भुत मंदिर बन रहा है, जिसको देखने के लिए भी लोग आएंगे, दर्शन करने तो आएंगे ही। हुसैन ने कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुस्लिम पक्ष की तरफ से कोई बयानबाजी नही हो रही है। सारी बयानबाजी कांग्रेस, राष्ट्रीय जनत दल (राजद) और विपक्षी इंडिया गठबंधन की तरफ से हो रही है हुसैन ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया पूरी तरह बिखरने वाला है उन्होंने कहा कि राम मंदिर को लेकर विपक्षी दलों के साथ दुश्वारी ए है कि वे उगले या निगले, उनको समझ में नहीं आता है हुसैन ने कहा कि आरएसएस और भाजपा पर बयानबाजी करते-करते विपक्षी दल राम के भी खिलाफ हो गए हैं। अगर वो राम के खिलाफ हो गए हैं तो सबको पता है कि किसके पक्ष में चले गए हैं उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में उनको जवाब देश की जनता देगी।भाजपा नेता ने बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी टिप्पणी कि, जिसमें यादव ने कहा था कि बीमार होंगे तो मंदिर जाएंगे या अस्पताल।

अधोक्षजानंद देव तीर्थ ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर टिप्पणी को लेकर स्वामी निश्चलानंद पर किया हमला

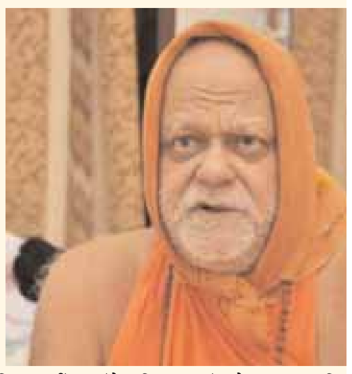

मथुरा। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने वाले पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती पर संत अधोक्षजानंद देव तीर्थ ने रविवार को कटाक्ष करते हुए उनसे बिना शर्त माफी की मांग की। तीर्थ ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, निश्चलानंद ने अपने गंदे बयानों से वस्तुत: उन 140 करोड़ लोगों का अपमान किया है, जिन्होंने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना है। प्रधानमंत्री अब दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं देश के प्रमुख हिंदू संतों में से एक, पुरी स्थित गोवर्द्धन पीठ के शंकराचार्य ने हाल में घोषणा की थी कि वह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए नहीं जाएंगे। निश्चलानंद ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में संपन्न करेंगे और वह सिर्फ ताली बजाने के लिए समारोह में शामिल नहीं होंगे। तीर्थ ने कहा, ऐसा लगता है कि अहंकार के वशीभूत वह (निश्चलानंद) भक्ति शास्त्र की मूलभूत नैतिकता को भूल गए हैं, जो कहती है कि भक्ति में एक व्यक्ति न केवल ताली बजाएगा, बल्कि नृत्य भी करेगा। उन्होंने उनसे मांग की को अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। तीर्थ ने कहा कि इतिहास कहता है कि अधिकांश प्राचीन मंदिरों का निर्माण राजाओं द्वारा किया गया है, जिन्हें लोगों का प्रतिनिधि माना जाता है तथा इन मंदिरों के प्राण प्रतिष्ठा समारोह भी राजाओं द्वारा संपन्न कराए गए थे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मामले में प्रधानमंत्री जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इसलिए, यह उचित है कि वह इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करें। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को राम मंदिर के लिए प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें देश भर के प्रमुख संतों और जानी-मानी हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

भारत में कोविड-19 के 756 नए मामले

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 756 नए मामले सामने आए और पांच संक्रमितों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,049 हो गई है। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान केरल और महाराष्ट्र में कोविड-19 से दो-दो मरीजों की मौत हुई जबकि जम्मू-कश्मीर में एक मरीज की मौत हुई। पिछले साल पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक तक पहुंच गई थी, लेकिन ठंड और वायरस के नए उपस्वरूप जेएन.1 के कारण मामलों में तेजी आई है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पांच दिसंबर के बाद एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक नए मामलों की संख्या 31 दिसंबर 2023 को 841 दर्ज की गई, जोकि मई 2021 में दर्ज सर्वाधिक मामलों का 0.2 प्रतिशत था। कोविड-19 के उपचाराधीन कुल 4,049 मरीजों में से 92 प्रतिशत मरीज घर पर ही रहकर अपना इलाज करवा रहे हैं। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, मौजूदा समय में उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि जेएन.1 उपस्वरूप की वजह से न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है और न ही अस्पताल में भर्ती होने वालों तथा मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।

राम मंदिर थीम वाली साड़ियों के ऑर्डर मिलने से बनारसी साड़ी बुनकरों में भारी उत्साह

वाराणसी। अयोध्या में इसी महीने होने वाले भगवन राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम मंदिर की थीम पर बनी बनारसी साड़ियां फैशन की दुनिया में धूम मचाने के लिए तैयार है और बुनकर इन साड़ियों के पल्लुओं को सुंदर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। बुनकरों को साड़ियों पर विभिन्न डिजाइन के लिए ऑर्डर मिले हैं, जिनमें साड़ियों के पल्लुओं पर राम मंदिर की आकृति, भगवान राम के जीवन से जुड़ी जानकारी वाले डिजाइन शामिल हैं। मंदिर का पहला चरण पूरा होने वाला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 2019 में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एक सदी से भी अधिक समय पुराने मंदिर-मस्जिद विवाद का निपटारा कर दिया था। अदालत ने विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का समर्थन किया था और फैसला सुनाया था कि मस्जिद के निर्माण के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन दी जानी चाहिए। जैसे ही अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार हो रही है, देशभर के बुनकर अनूठी कृतियों के माध्यम से मंदिर के उद्घाटन के लिए अपना उत्साह व्यक्त कर रहे हैं। मुबारकपुर क्षेत्र के बुनकर अनीसुर रहमान ने कहा कि इस भव्य आयोजन को लेकर वाराणसी के बुनकर समुदाय में भारी उत्साह है। रहमान ने पीटीआई-भाषा से कहा, ऐतिहासिक विशेषताओं के साथ डिजाइन वाली साड़ियों की हमेशा से काफी मांग रही है, लेकिन राम मंदिर के प्रति भावना पूरी तरह से अलग है। उन्होंने कहा, हम राम मंदिर थीम पर साड़ियां तैयार कर रहे हैं और ए जल्द ही फैशन की दुनिया में धूम मचाने को तैयार है। हमारे पास देश के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं के ऑर्डर मिले हैं जो इन साड़ियों को पहनकर अपने-अपने स्थानों पर 22 जनवरी का जश्न मनाना चाहती हैं। राम मंदिर की थीम पर तैयार की जा रही साड़ियों के प्रकार के बारे में बताते हुए रहमान ने कहा, एक प्रकार की साड़ियों के पल्लू पर राम मंदिर का शिलालेख होता है, ये साड़ियां लाल और पीले रंग में बनाई जा रही हैं और शिलालेख सुनहरे रंग में है। दूसरी तरह की साड़ियां कई रंगों में उपलब्ध हैं और उनके बॉर्डर पर श्री राम लिखा हुआ है। उन्होंने कहा, तीसरे प्रकार की साड़ियों पर भगवान राम के बचपन से लेकर रावण वध तक उनके जीवन के विभिन्न चरणों को दर्शाया गया है। यहां पीली कोठी क्षेत्र के एक अन्य बुनकर मदन ने कहा कि पल्लू पर राम दरबार के चित्रण वाली साड़ियों की भी काफी मांग है। मदन ने कहा, हमारे पास राम मंदिर-थीम वाली साड़ियों के लिए अमेरिका से भी दो ऑर्डर मिले हैं। उन्होंने कहा कि इन साड़ियों की कीमत सात हजार रुपए से शुरू होकर एक लाख रुपए तक है।

अनुमति के बावजूद माहिम मेले को बंद करने पर विक्रेताओं ने जताई नाराजगी

मुंबई। मुंबई के रेती बंदर इलाके के माहिम मेले को पुलिस द्वारा बंद कराए जाने के बाद स्टॉल मालिकों ने भारी नुकसान होने का दावा किया है। मुंबई पुलिस ने रविवार तक के लिए अनुमति देने के बावजूद एक दिन पहले ही इलाके में गतिविधियां बंद कर दीं। मुंबई पुलिस की थिएटर शाखा द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार यह वार्षिक मेला रेती बंदर क्षेत्र में 27 दिसंबर, 2023 से सात जनवरी के बीच सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित किया जा सकता था।

शक्तिशाली बैल और उन्हें वश में करने वाले निडर युवक तैयार

चेन्नई। सुगंधित चमेली के फूल की कलियों के लिए लोकप्रिय मदुरै शहर इस बार पोंगल त्योहार के अवसर पर जल्लीकट्टू के पारंपरिक खेल के आयोजन के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें शक्तिशाली बैलों को वश में करने वाले निडर युवक अपनी-अपनी वीरता और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। मदुरै जिले के अवनियापुरम पलामेडु और अलंगनल्लूर में होने वाले जल्लीकट्टू के भव्य आयोजनों के लिए सैकड़ों प्रशिक्षित एवं ताकतवर बैलों और इन बैलों को वश में करने का जुनून रखने वाले तथा अपनी निडर प्रवृत्ति के लिए पहचाने जाने वाले पुरुषों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। मदुरै में पोंगल उत्सव के दौरान जल्लीकट्टू के अखाड़े जीवंत हो उठते है। जल्लीकट्टू के मद्देनजर व्यवस्थाओं की निगरानी करने वाली मदुरै की जिलाधिकारी एम एस संगीता ने कहा कि अवनियापुरम जल्लीकट्टू 15 जनवरी को पोंगल के दिन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 16 जनवरी को पलामेडु और 17 जनवरी को अलंगनल्लूर में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। त्योहार की छुट्टियों के जल्लीकट्टू में भाग लेने वाले बैल और युवक दोनों ही आयोजन के लिए प्रशिक्षण के अलावा पौष्टिक आहार भी ले रहे है। जानवरों को तैराकी, पैदल चलने का प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें विजेता बनने के लिए उनकी ताकत और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए स्वस्थ आहार दिया जाता है। मदुरै के एक बैल के मालिक पंडी ने कहा, हम हर साल राज्य के प्रमुख आयोजन, अलंगनल्लूर जल्लीकट्टू में भाग लेते रहे हैं तथा हमारे जानवरों को तैराकी, पैदल चलने के नियम पर रखा गया है और उन्हे विजेता बनाने के लिए उनकी ताकत एवं सहनशक्ति बढ़ाने के लिए स्वस्थ आहार प्रदान किया जाता है। बैलों को वादीवासल (प्रवेश बिंदु जहां जानवरों को अखाड़े में छोड़ा जाता है) से बाहर निकलते समय झपट्टा मारने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। एक अन्य बैल मालिक दुरई ने कहा, हम युवाओं को बैलों का कूबड़ पकड़ने से रोकने के लिए बैलों को लंबे सींगों के साथ अपने सिर को जोर-जोर से हिलाने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। जिला प्रशासन ने खेल के लिए बैलों और उन्हें काबू करने वाले युवकों के ऑनलाइन पंजीकरण की अनुमति दी है और फिटनेस प्रमाणपत्र जमा करना अनिवार्य कर दिया है। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, खेल के आयोजन के दौरान जानवरों के प्रति क्रूरता को रोकने के नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती जाएगी कि कार्यक्रम के दौरान दर्शकों को चोट न लगे।

मप्र में खुले मे मांस, मछली बेचने वाली 25 हजार दुकानें बंद की गईं: मोहन यादव

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि पिछले 25 दिनो मे राज्य मे खुले स्थानो पर मांस और मछली बेचने वाली 25,000 दुकाने बंद की गई है।यादव ने उज्जैन में 218 करोड़ रुपए की 187 विकास परियोजनाओ का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद कहा, मैंने निर्देश दिया था कि खुले में मांस और मछली बेचने वाली दुकानों को हटाया जाना चाहिए। राज्य में इस तरह की करीब 25,000 दुकानें हटा दी गई है। उन्होने कहा कि मप्र मे विकास कार्य जारी रहेगे और इसमे कोई समझौता नही किया जाएगा। पिछले साल 13 दिसंबर को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप मे शपथ लेने के कुछ घंटे बाद यादव ने राज्य में खुले स्थानों पर मांस और मछली बेचने पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मकर संक्रांति का त्योहार महिला सशक्तीकरण दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शहर के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि महाकालेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध उज्जैन मे भगवान श्रीकृष्ण ने 64 कलाएं सीखी थी।यादव ने कहा, उज्जैन वह स्थान है जहां से संघमित्रा और महेंद्र बौद्ध धर्म का प्रचार करने के लिए श्रीलंका गए थे। संघमित्रा सम्राट अशोक की बेटी थी, जबकि महेंद्र उनके पुत्र थे।

अध्यापिका ने खानाबदोश जनजाति के बच्चों को स्कूल में दाखिला दिला दिया नया जीवन

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के एक सरकारी स्कूल की अध्यापिका ने खानाबदोश जनजाति के 40 बच्चों को भीख मांगने की प्रथा से निजात दिलाकर उन्हें एक स्कूल में सफलतापूर्वक दाखिला दिलाया और उनके जीवन बदल दिया। जिले के जलालाबाद थाना क्षेत्र के बझेड़ा गांव की प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिका सीता त्रिवेदी ने व्यक्तिगत रूप से कलाबाज समुदाय के बच्चों के घरो का दौरा किया और उनके माता-पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए राजी किया। राज्य मे हाशिए पर पड़ी खानाबदोश जनजातियो मे से कलाबाज एक है और इस जनजाति के लोग कलाबाज़ी कर या भीख मांग कर अपनी आजीविका कमाते है।सीता त्रिवेदी ने पीटीआई-भाषा को बताया की 2019 से वह बझेड़ा प्राइमरी स्कूल में अध्यापिका है और उन्हे बाल गणना का काम दिया गया था। जब वह गांव मे पहुंची तो लोगो ने उनसे कहा गया कि उधर मत जाना वहां कलाबाजो की बस्ती है। हालांकि हिम्मत कर इसके बाद भी जब वह इस बस्ती मे पहुंची तो उन्होने पढ़ने वाले बच्चो के बारे मे पूछा तो महिलाओ ने बताया कि उनकी बस्ती से कोई बच्चा नही पढ़ता।कारण पूछने व शिक्षा का महत्व बताने पर महिलाओ ने उनका उपहास उड़ाते हुए कहा,"यहां कितनी मास्टरनी आई और चली गई आप भी जाकर अपना काम करो"।त्रिवेदी ने पुरानी स्मृतियो को भी साझा किया। बच्चो को स्कूल मे दाखिला दिलाने के अपने प्रयासो मे उनको कलाबाज बुजुर्गों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा,"मै कई बार हर घर में गई और बड़ो को शिक्षा के महत्व के बारे मे बताया। मैंने उन्हें साधारण पृष्ठभूमि के बच्चों के शिक्षित होने के बाद अधिकारी और सफल उद्योगपति बनने की कहानियां सुनाईं। उसका उन पर प्रभाव पड़ा और फिर उन्होंने अपने बच्चो को स्कूल भेजना शुरू कर दिया। इस दौरान त्रिवेदी को चुनौतियो का भी सामना करना पड़ा। उन्होने कहा कि जो बच्चे अपनी कला दिखाने व मांगने चले जाते है, उन्हें वह विद्यालय समय के बाद दो घंटे पढ़ाती है। इसी बीच विद्यालय में बनने वाले मध्यान्ह भोजन मे कलाबाज समुदाय के बच्चों के साथ अन्य जातियों के बच्चों ने भोजन करना बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने छात्रों के परिजनों को बुलाकर जाति धर्म के इस भेदभाव को खत्म किया और नतीजा यह है कि अब सभी बच्चे मध्यान भोजन एक साथ करते है। त्रिवेदी ने कहा कि वह अक्सर इन बच्चो के लिए कपड़े और किताबे खरीदती है क्योंकि उनके माता-पिता के पास पर्याप्त पैसे नही होते है। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने सीता त्रिवेदी के प्रयासो की सराहना करते हुए पीटीआई-भाषा को बताया, उन्होंने (सीता) 40 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा है और यही बच्चे समाज हित में आगे बढ़ेंगे, शिक्षित होंगे। सिंह ने दावा किया कि इस प्रयास से जातिगत आधारित जो कुरीतियां थी वह भी दूर हुई है, सभी बच्चे आपस मे सामन्जस्य बनाकर विद्यालय मे ही मध्यान्ह भोजन कर रहे है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) रणवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं। हमे उम्मीद है कि अन्य स्कूलों मे भी ऐसे प्रयास किए जाएंगे ताकि जिले का एक भी बच्चा स्कूल से दूर न रहे। बीएसए ने कहा कि विद्यालय में 40 कलाबाज जाति के बच्चे शिक्षा अर्जित कर रहे हैं और फर्राटेदार अंग्रेजी बोल रहे है। बच्चो के अंदर शिक्षा प्राप्त करने की ललक हमने देखी है। उन्होने बताया कि हमारी अध्यापिका का इस कार्य मे लोगो ने मजाक भी बनाया परंतु वह निराश नही हुई आज उसी का प्रतिफल है कि बच्चे और उनके अभिभावक दोनों खुश है।

पेज 1 का शेष

मालदीव ने ...

मोहम्मद मुइज्जू सरकार को इन टिप्पणियों से खुद को दूर रखना चाहिए और भारत को स्पष्ट आश्वासन देना चाहिए कि वे सरकार की नीति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। नशीद ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। वह 2008 में राष्ट्रपति चुने गए थे, लेकिन 2012 में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा किए गए तख्तापलट के बाद इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद पिछले कुछ महीनों में भारत-मालदीव संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। नवंबर 2023 में मुइज्जू ने राष्ट्रपति का पद संभाला। अपनी चुनावी वादे में उन्होंने कहा था कि वह अपने द्वीप राष्ट्र में लगभग 75 भारतीय सैन्य कर्मियों की एक छोटी टुकड़ी को हटा देंगे और मालदीव की भारत पहले नीति को बदल देंगे। चीन समर्थक राजनेता के रूप में देखे जाने वाले मुइज्जू ने सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपने भारत-हितैषी पूर्ववर्ती इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराया था। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मुइज्जू का सोमवार को चीन का दौरे का कार्यक्रम है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने शुक्रवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें आमंत्रित किया है।

सोशल मीडिया ...

फिल्म हस्तियों में शामिल थे। रानौत ने लक्ष्यद्वीप को लगभग अछूता, अज्ञात और अप्रयुक्त प्राकृतिक द्वीप कहा। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, सलमान खान ने कहा कि मोदी को लक्ष्यद्वीप के स्वच्छ और आश्चर्यजनक समुद्र तटों का आनंद लेते देखना अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह है कि यह हमारे भारत में हैं। टाइगर श्रॉफ ने कहा कि लक्ष्यद्वीप के द्वीपों ने उनका दिल जीत लिया है। उन्होंने ने अपने पोस्ट में कहा, समृद्ध संस्कृति, शांत समुद्र तट और यहां के लोगों की वास्तविक गर्मजोशी एक मनमोहक आकर्षण पैदा करती है। इन द्वीपों की समावेशिता और अद्वितीय सुंदरता का जश्न मनाने में आप भी मेरे साथ शामिल हों, एक ऐसा खजाना जो हमारे खोज की प्रतीक्षा कर रहा है। श्रद्धा कपूर और अन्य सितारों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैशटैग 'एक्सप्लोर इंडियन आइलैंड्स' और 'लक्ष्यद्वीप' का उपयोग करके पोस्ट साझा किए। श्रद्धा ने साझा किया, ये सभी छवियां और मीम्स मुझे अब सुपर फोमो बना रहे हैं। लक्ष्यद्वीप में ऐसे प्राचीन समुद्र तट और समुद्र तट हैं, जो स्थानीय संस्कृति से समृद्ध हैं, मैं एक रोमांचक अवकाश बिताने की तैयारी कर रही हूं। मालदीव में अपने परिवार के साथ नए साल का जश्न मनाने वाले अक्षय कुमार ने मालदीव के प्रमुख सार्वजनिक हस्तियों की घृणास्पद और नस्लवादी टिप्पणियों की निंदा की। अभिनेता ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर लिखा, आश्चर्य है कि वे ऐसा उस देश में कर रहे हैं जो उन्हें अधिकतम संख्या में पर्यटक भेजता है... हम अपने पड़ोसियों के लिए अच्छे हैं लेकिन हमें ऐसी अकारण नफरत क्यों सहन करनी चाहिए। मैंने कई बार मालदीव का दौरा किया है और हमेशा इसकी प्रशंसा की है, लेकिन गरिमा पहले है। आइए हम भारतीय द्वीपों का पता लगाने और अपने स्वयं के पर्यटन का समर्थन करने का निर्णय लें। इसी तरह बोलते हुए, पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने पोस्ट किया, एक उप मंत्री हमारे देश के लिए ऐसी भाषा का उपयोग कर रहे हैं। मालदीव एक काफी हद तक गरीब देश है जो बड़े पैमाने पर महंगे पर्यटन पर निर्भर है, जिसमें 15 फीसदी से अधिक पर्यटक भारत से आते हैं। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, भारत में बहुत सारे अनछुए खूबसूरत तटीय शहर हैं और उनमें से कई को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने का यह एक शानदार अवसर है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अपनी आगामी फिल्म वीर सावरकर की शूटिंग करने वाले हुड्डा ने कहा कि वह इस क्षेत्र की प्राचीन सुंदरता और समृद्ध इतिहास से आश्चर्यचकित हैं। कार्तिक आर्यन ने एक्स पर लिखा, अतुल्य भारत सिर्फ एक टैग नहीं है, हमारे खूबसूरत देश में कुछ सबसे अविश्वसनीय और आश्चर्यजनक स्थान हैं और सलक्षद्वीप इसका एक उदाहरण है - भारत में ही स्वर्ग जैसी जगह! इस खूबसूरत भारतीय द्वीप को देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकते। अब्राहम ने कहा, अद्भुत भारतीय आतिथ्य के साथ, अतिथि देवो भव का विचार और विशाल समुद्री जीवन का पता लगाने के लिए। लक्ष्यद्वीप जाने के लिए सही जगह है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सोनम महाजन ने मालदीव के एक मंत्री की हालिया टिप्पणियों के मद्देनजर भारतीयों से मालदीव की यात्राएं रद्द करने की अपील की। प्रिय भारतीयों, कृपया मालदीव के मंत्रियों की बात सुनें जो भारतीयों को बाहर निकालना चाहते हैं। जितनी जल्दी हो सके मालदीव के लिए अपनी यात्रा योजना (यदि कोई हो) रद्द करें। आप ऐसे देश में क्यों जाना चाहते हैं जिसके लोग आपसे नफरत करते हैं। लक्ष्यद्वीप आपका इंतजार कर रहा है।

टीएमसी गुंडों ...

उनका बयान बंगाल के विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी के साथ मेल खाता है, जिन्होंने पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जांच की मांग की थी। राजभवन के एक बयान में कहा गया है, राजभवन के शांति कक्ष में एक शिकायत प्राप्त होने पर कि शाहजहां शेख को कुछ पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत से कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा समर्थन प्राप्त है, राज्यपाल ने पुलिस प्रमुख को अपराधी को तुरंत गिरफ्तारी के अनुपालन करने और रिपोर्ट करने को कहा गया है।

बिहार से ...

आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखते हुए, भाजपा ने नया नारा तय किया है, तीसरी बार मोदी सरकार, अब की बार 400 पार। यह दावा करते हुए कि 400 से अधिक लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य नामुमकिन नहीं है, बल्कि हासिल करने योग्य है। एक भाजपा नेता ने कहा कि वर्ष 2014 में, भाजपा ने मिशन 273 प्लस पर काम किया और इसे हासिल किया। उसी तरह इस बार भी वह 400 सीटों का लक्ष्य हासिल करेगी। इन पहलों में देश भर में चिन्हित 160 लोकसभा सीटों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एक लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर पार्टी को मजबूत करने का लक्ष्य है।

पौष्टिक और

इस मौके पर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वस्थ और स्वच्छ फूड स्ट्रीट पहल के लिए आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की और स्वस्थ और स्वच्छ फूड स्ट्रीट के लिए मानक संचालन प्रक्रिया की रूपरेखा बताते हुए एक ब्रोशर भी जारी किया। खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने के लिए एफएसएसएआई ने अपनी ओर से सरल परीक्षणों के साथ घर पर आम खाद्य मिलावटों की जांच करने के लिए द डार्ट बुक जारी की है। अधिकारी ने कहा, इसके अतिरिक्त, दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने और जागरूकता अभियान और मिलावट परीक्षण को बढ़ावा देने के लिए शहर से गांव तक यात्रा करने के लिए खाद्य सुरक्षा ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) नामक एक मोबाइल खाद्य परीक्षण वैन लॉन्च की गई थी। इससे पहले डॉ. यादव और डॉ. मंडाविया ने अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ भूमि पूजन किया और कई कार्यों का उद्घाटन किया, जिनमें 218.76 करोड़ रुपये की लागत से 187 कार्य शामिल थे। इसमें 36 स्वास्थ्य परियोजनाओं का शिलान्यास समारोह भी शामिल था, जिसमें दो सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई ब्लॉक, 54 संजीवनी स्वास्थ्य क्लीनिक और तीन एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं, 30 बिस्तरों और वार्डों सहित एक आपातकालीन कोविड प्रतिक्रिया पैकेज, तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 118.07 रुपये की लागत वाली अन्य परियोजनाएं शामिल थीं।

दिल्ली में...

निदेशालय ने कहा कि 13 जनवरी और 14 जनवरी को क्रमश: दूसरा शनिवार और रविवार है, ऐसे में प्राथमिक कक्षाओं के छात्र 15 जनवरी को स्कूल आएंगे। परिपत्र में कहा गया, सोमवार से अन्य सभी कक्षाओं (छठी से 12वीं) के लिए स्कूल खुले रहेंगे। हालांकि, मौसम की स्थिति को देखते हुए कोई भी स्कूल सुबह आठ बजे से पहले शुरू नहीं होगा और शाम पांच बजे के बाद कक्षाएं आयोजित नहीं होंगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को सुबह का तापमान थोड़ा कम हुआ तो दृश्यता के स्तर में और सुधार देखा गया। सोमवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मंगलवार को हल्की वर्षा होने के आसार हैं। रविवार सुबह हल्का कोहरा रहा। दिन में सूरज निकला, लेकिन धूप बहुत तेज न थी। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य स्तर पर 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 94 से 53 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। सबसे कम अधिकतम तापमान 15.9 डिग्री के लिहाज से मयूर विहार और सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री की दृष्टि से लोधी रोड दिल्ली के सर्वाधिक ठंडे इलाके रहे। दूसरी तरफ आइजीआइ हवाइ अड्डे पर सुबह सात बजे दृश्यता का स्तर 1400 मीटर तक दर्ज की गई। इस बीच, गौतम बौद्ध नगर प्रशासन ने शनिवार को घने कोहरे और ठंड के मौसम की स्थिति को देखते हुए नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी स्कूलों को कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए 14 जनवरी तक छुट्टियां रखने का आदेश दिया। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को सुबह के समय हल्का कोहरा होगा। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 19 एवं नौ डिग्री रह सकता है। एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से मंगलवार को हल्की वर्षा हो सकती है। इसके चलते अधिकतम तापमान में दोबारा गिरावट आने के आसार हैं।इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को कोहरे और सर्दी के कारण 22 रेलगाड़ियां निर्धारित वक्त से छह घंटे तक की देरी से चलीं। रेलवे के अनुसार, दिल्ली और विभिन्न राज्यों में मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण दिल्ली आने वाली 22 ट्रेन एक से छह घंटे की देरी से चलीं।

टीएमसी नेता के आतंकियों से संबंध की जांच हो : राज्यपाल

ईडी पर हमला मामला

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने प्राधिकारियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख को तुरंत गिरफ्तार करने तथा आतंकवादियों के साथ उनके कथित संबंधों की जांच करने का निर्देश दिया है। बोस ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि टीएमसी नेता ने शायद हद पार कर दी। शेख के आतंकवादियों से कथित संबंध होने की राज्यपाल की टिप्पणियों की सत्तारूढ़ टीएमसी ने रविवार को तीखी आलोचना की। राज भवन द्वारा शनिवार देर रात जारी बयान में कहा गया कि राज्यपाल ने शिकायत मिलने के बाद पुलिस प्रमुख को दोषी को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया, राज भवन के शांति कक्ष में यह शिकायत मिली कि शाहजहां शेख को कुछ पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत के साथ कुछ नेताओं का समर्थन हासिल है, इसके बाद माननीय राज्यपाल ने पुलिस प्रमुख को दोषी को फौरन गिरफ्तार करने और इसके अनुपालन की जानकारी देने का निर्देश दिया। बोस ने शेख का पता लगाने और उन पर उचित कार्वाई करने को कहा है। बयान के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शेख ने शायद हद पार कर दी और आतंकवादियों के साथ उनके संबंध की तुरंत जांच किए जाने की जरूरत है। राज्यपाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हम नहीं जानते कि उनकी टिप्पणियों का आधार क्या है। संविधान के अनुसार, राज्यपाल राज्य सरकार के साथ विचार-विमर्श कर काम करते हैं। फिर वह बिना किसी ठोस रिपोर्ट या सबूत के ऐसी टिप्पणियां कैसे कर सकते हैं? वह यहां समानांतर सरकार चलाने के लिए नहीं आए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बंगाल इकाई ने भी ईडी अधिकारियों पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने की घटना में सीमा पार के तत्वों और रोहिंग्या शरणार्थियों की संलिप्तता के आरोप लगाए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, हम कहते रहे हैं कि शुक्रवार को ईडी अधिकारियों पर हमले में सीमा पार के तत्व और रोहिंग्या शामिल थे। राज्यपाल ने जो कहा है, हम उसका समर्थन करते हैं। अगर शाहजहां को गिरफ्तार किया जाता है तो इससे भ्रष्टाचार और आतंकवाद में शामिल लोगों के बीच एक बड़े गठजोड़ का खुलासा होगा। पश्चिम बंगाल में ईडी की टीम पर हमले को लेकर राजनीतिक हंगामे के बीच टीमएसी नेता के परिजनों और केंद्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतें छापेमारी से जुड़ी हैं जिसके दौरान ईडी अधिकारियों पर भीड़ ने हमला किया जिसमें वे घायल हो गए थे। पुलिस ने भी बिना किसी पूर्व नोटिस के शुक्रवार को छापा मारने की घटना का स्वत: संज्ञान लेकर ईडी के विरुद्ध मामला दर्ज किया। वहीं, ईडी ने तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के खिलाफ शनिवार को लुकआउट नोटिस जारी किया। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में टीएमसी नेता शेख के आवास पर छापेमारी के दौरान भीड़ द्वारा ईडी के अधिकारियों पर हमला किए जाने के एक दिन बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह नोटिस जारी किया।

राम मंदिर समारोह : कर्नाटक में हिंदू श्रद्धालुओं को लुभाने में जुटीं भाजपा व कांग्रेस

बेंगलुरु। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में केवल दो सप्ताह बचे हैं और कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों ने इस चुनावी वर्ष में हिंदू श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए रविवार को अपना अभियान शुरू किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत राम अक्षत (चावल) वितरण शुरू किया। भाजपा के दिग्गज नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा और उनके बेटे व प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजएंद्र ने आज बेंगलुरु में हिंदू समुदाय के लोगों के घर जाकर उनसे 22 जनवरी को घर पर विशेष पूजा करने का अनुरोध किया और अक्षत दिए। भाजपा नेताओं ने लोगों से यह अनुरोध भी किया कि वे सदियों के वनवास के बाद अयोध्या में राम लला की वापसी के अवसर पर अपने घर के सामने पांच दीपक जलाएं।

गुजरात में इंटरनेशनल काईट महोत्सव का शुभारंभ करते सीएम भूपेन्द्र पटेल

मुंबई दक्षिण पर उम्मीदवारी के दावे बंद हों, अन्यथा कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी: देवड़ा

भाषा। मुंबई

मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट से अपने प्रत्याशी को उतारने के शिवसेना (यूबीटी) के दावे से नाखुश वरिष्ठ कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने रविवार को कहा कि अगर गठबंधन के एक सहयोगी के इस तरह के बयान नहीं रुकते तो उनकी पार्टी भी लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के लिए आगामी लोकसभा चुनाव आसान नहीं होगा, इसलिए किसी को दावे नहीं करने चाहिए। एमवीए में उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। देवड़ा की टिप्पणी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कुछ वरिष्ठ नेताओं द्वारा मुंबई दक्षिण सीट पर दावा करने के बयानों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसे 2019 के चुनावों में पूर्ववर्ती अविभाजित शिवसेना ने जीता था। दिवंगत कांग्रेस नेता मुरली देवड़ा के बेटे मिलिंद ने रविवार को वीडियो के माध्यम से जारी वक्तव्य में कहा कि मुंबई दक्षिण सीट परंपरागत रूप से कांग्रेस के पास रही है और देवड़ा परिवार सालों से इस संसदीय क्षेत्र से जुड़ा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हाल ही में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाए गए देवड़ा ने कहा, मेरा परिवार हमारे काम के आधार पर यहां के मतदाताओं से जुड़ा है और ए रिश्ते कई सालों में विकसित हुए हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि उन्हें कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के फोन कॉल और संदेश आ रहे हैं जिनमें एमवीए के एक घटक दल के लोकसभा क्षेत्र पर दावा करने पर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। देवड़ा ने कहा, देवड़ा परिवार के लोग पिछले 50 साल से सांसद के रूप में या अन्य तरीकों से इस संसदीय क्षेत्र की सेवा कर रहे हैं। हम किसी लहर में नहीं निर्वाचित हुए थे। हालांकि, उन्होंने इस सीट से वर्तमान सांसद अरविंद सावंत का नाम नहीं लिया जो 2019 के लोकसभा चुनाव में सांसद निर्वाचित हुए थे जब अविभाजित शिवसेना का भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन था।शिवसेना (यूबीटी) का नाम लिए बिना देवड़ा ने कहा कि वह अनावश्यक विवाद खड़ा नहीं करना चाहते थे लेकिन एक गठबंधन साझेदार सीट बंटवारे पर एकतरफा दावा कर रहा है।पिछले हफ्ते उनके प्रवक्ता ने कांग्रेस से शून्य से शुरुआत करने को कहा था। यही पर्याप्त नहीं था, कल गिरगांव में सहयोगी दल की एक रैली में मुंबई दक्षिण सीट पर नए सिरे से दावा किया गया। देवड़ा ने कहा कि एमवीए के घटक दलों के लिए लोकसभा चुनाव आसान नहीं होने वाले और किसी को भी दावे नहीं करने चाहिए।,अगर कोई पार्टी सीट बंटवारे पर औपचारिक बातचीत समाप्त होने तक इंतजार नहीं करना चाहती, तो कांग्रेस दावा करेगी और उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी।

सरना को धर्म के तौर पर मान्यता देने के लिए खूंटी में आदिवासी संगठनों की रैली

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में आदिवासी संगठनों ने रविवार को एक रैली निकाली और सरना को एक अलग धर्म के तौर पर मान्यता दिए जाने की मांग की। यह रैली सरना धर्मसमन्वय समिति के बैनर तले कचहरी मैदान में आयोजित की गई थी। संयुक्त पहरा महासभा के जिला अध्यक्ष सोम मुंडा ने कहा कि सरना आस्था को मान्यता देने की आदिवासियों की मांग के पक्ष में रैली का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा, सरना धार्मिक प्रथा प्रकृति को पूजने वाले लाखों श्रद्धालुओं की पहचान और उनकी मौजूदगी को मान्यता देने से जुड़ी हुई है। लेकिन उन्हे उनकी धार्मिक स्वतंत्रता से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरना को मानने वालों की संख्या 50 लाख से अधिक है इसके बावजूद उन्हें पहचान नही मिली है। इसलिए इस दिशा में एक व्यापक प्रदर्शन की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में मार्तंड सूर्य मंदिर परिसर के राम मंदिर में स्थापित किया गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मार्तंड सूर्य मंदिर के परिसर में स्थित राम मंदिर में रविवार को अयोध्या से लाए गए एक कलश को स्थापित किया गया। चुनिंदा राम मंदिरों में भेजे गए कलशों में से एक इस कलश को उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के भक्तों की उपस्थिति में स्थानीय लोगों द्वारा स्थापित किया गया। राम मंदिर में कलश स्थापित करने के बाद एक स्थानीय श्रद्धालु ने कहा, हम इस सम्मान के लिए देश के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते है। साथ ही प्रार्थना की कि कश्मीर मे शांति और सद्भाव कायम रहे।

वायुसेना का सी-130जे एलओसी के पास करगिल में रात के समय सफलतापूर्वक उतरा

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का सी-130जे सुपर हरक्यूलिस परिवहन विमान पहली बार नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक ऊंचाई वाले करगिल एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड पर रात में सफलतापूर्वक उतरा। सूत्रों ने बताया कि हाल ही में करगिल हवाई पट्टी पर सामरिक परिवहन विमान को रात के समय उतारा जाना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। इस विमान पर गरुड़ कमांडो सवार थे। वायुसेना के विमान पहले भी एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड से उड़ान भर चुके है, और यह पहली बार था कि कोई परिवहन विमान रात में इस हवाई पट्टी पर उतरा।

घृणा भाषण के आरोप में भाजपा विधायक नीतेश राणे और राजा सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुंबई, सात जनवरी (भाषा) महाराष्ट्र के सोलापुर में हिंदू जन आक्रोश रैली के दौरान कथित नफरत भरे भाषणों के लिए भाजपा विधायक नितेश राणे और तेलंगाना से पार्टी विधायक टी. राजा सिंह एवं अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

जेल रोड पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि रैली शनिवार को राजेंद्र चौक और कन्ना चौक के बीच आयोजित की गई थी, और इसमें सकल हिंदू समाज के नेताओं ने भी भाग लिया था, जिसके पदाधिकारियों का नाम भी प्राथमिकी में शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि जहां राणे ने जिहादियों और मस्जिदों

सशस्त्र बलों में अधिकारियों के तौर पर चयन के लिए तैयारी करेंगे असम के सुपर 30 छात्र

भाषा। गुवाहाटी

पूरे असम से एक कड़ी प्रक्रिया के जरिए चुने गए 30 से अधिक छात्र एक पहल के तहत सशस्त्र बलों में अधिकारियों के रूप में शामिल होने के लिए भारतीय सेना के नेतृत्व में सोमवार से तैयारी शुरू करेंगे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने कहा कि यह राज्य में शुरू होने वाला दूसरा ऐसा कार्यक्रम होगा। पिछला कार्यक्रम पिछले साल के अंत में शुरू हुआ था।रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि राज्य के युवाओं को सशस्त्र बलों में अधिकारियों के रूप में भर्ती होने के वास्ते प्रेरित करने के लिए सुपर 30 कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा समर्थित है और एनजीओ नेशनल इंटीग्रिटी एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (एनआईईडीओ) के सहयोग से संचालित है।पहला कार्यक्रम पिछले साल नवंबर में डिब्रूगढ़ में शुरू किया गया था, वहीं दूसरा कार्यक्रम सोमवार को तामुलपुर में शुरू होगा।उन्होंने कहा, निचले रैंक में असम के युवाओं की एक बड़ी उपस्थिति है, लेकिन अधिकारी स्तर के कर्मी बहुत कम हैं। इस कार्यक्रम की संकल्पना भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा प्रतिभाशाली छात्रों को अधिकारियों के रूप में सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने और सक्षम बनाने के लिए की गई है। पिछले महीने पूर्वी कमान के प्रमुख के रूप में सेवानिवृत्त हुए लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कालिता ने पहले भी राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को सशस्त्र बलों में अधिकारी कैडर में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया था।प्रवक्ता ने कहा कि यह तामुलपुर के आर्मी स्टेशन में आयोजित होने वाला एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा और इस वर्ष छात्रों के दो बैच को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगली भर्ती अप्रैल में होगी।उन्होंने कहा, लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) द्वारा चयन के अगले चरण के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। पिछले हफ्ते, सेना ने एनआईईडीओ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो प्रशिक्षण आयोजित करेगा।लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि छात्रों का चयन एक विस्तृत चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है, जिसमें लिखित परीक्षा और साक्षात्कार शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि ए छात्र सशस्त्र बलों के माध्यम से देश की सेवा करेंगे।

पीजी मेडिकल में दाखिले के लिए काउंसलिंग केवल ऑनलाइन माध्यम से हो: एनएमसी

नई दिल्ली। स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल में दाखिले के लिए काउंसलिंग अब केवल ऑनलाइन माध्यम से होगी और कॉलेजों को प्रत्एक पाठ्यक्रम के लिए फीस पहले से घोषित करनी होगी और कोई भी कॉलेज अपने दम पर प्रवेश नहीं दे सकेंगे।राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की ओर से हाल ही में अधिसूचित किए गए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियम, 2023 में यह जानकारी दी गई। विनियम के अनुसार, सभी पीजी सीट के लिए अलग-अलग चरण के परामर्श राज्य या केंद्रीय परामर्श अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किए जाएंगे। नए नियमों में कहा गया कि भारत में सभी मेडिकल संस्थानों के लिए चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के खातिर सामान्य काउंसलिंग केवल संबंधित परीक्षाओं की योग्यता सूची के आधार पर होगी।नियम में कहा गया, सभी सीट के लिए सभी चरणों की काउंसलिंग राज्य या केंद्रीय काउंसलिंग प्राधिकरण द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किए जाएंगे और कोई भी मेडिकल कॉलेजासंस्थान स्वयं किसी को भी दाखिला नहीं देगा।

बंगाल 24 परगाना में मकर संक्राति के लिए पूजन सामग्री बेचती महिला दुकानदार

पांच सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुकांत मजूमदार और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे सहित पांच लोकसभा सदस्यों को इस साल संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसके आयोजकों ने रविवार को यह घोषणा की। भाजपा के सुधीर गुप्ता, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अमोल रामसिंग कोल्हे और कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा को भी इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सांसदों को 17 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक समारोह के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कार प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सांसदों को, जबकि संसद महारत्न पुरस्कार लोकसभा के कार्यकाल के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता के लिए पांच साल में एक बार प्रदान किए जाते हैं। चेन्नई स्थित गैर-लाभकारी धर्मार्थ न्यास प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के कहने पर इस सम्मान की शुरुआत की थी, जिन्होंने 2010 में चेन्नई में पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन किया था। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष के. श्रीनिवासन ने कहा कि ए पुरस्कार व्यापक प्रदर्शन पर आधारित हैं, जिसके लिए नामांकित व्यक्तियों का चयन कानून मंत्री और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त टीएस कृष्णमूर्ति की अध्यक्षता वाली एक प्रतिष्ठित निर्णायक समिति ने किया। कामकाज के प्रदर्शन के आंकड़े लोकसभा और राज्यसभा की वेबसाइट तथा पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च से प्राप्त किया गया है। यह भारत में प्रदर्शन करने वाले सांसदों को सम्मानित करने के लिए किसी सामाजिक संगठन द्वारा दिया जाने वाला एकमात्र पुरस्कार है। संसद रत्न पुरस्कार समिति की अध्यक्ष और प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की न्यासी सचिव प्रियदर्शनी राहुल ने कहा कि एन. के. प्रेमचंद्रन (आरएसपी, केरल), अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस, पश्चिम बंगाल), विद्युत बरन महतो (भाजपा, झारखंड) और हीना विजयकुमार गावित (भाजपा, महाराष्ट्र) को 17वीं लोकसभा के लिए संसद महारत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्होंने बताया, पिछली 16वीं लोकसभा के संसद महारत्न पुरस्कार विजेताओं- सुप्रिया सुले (राकांपा, महाराष्ट्र), श्रीरंग अप्पा बर्णे (शिवसेना, महाराष्ट्र) और भर्तृहरि महताब (बीजू जनता दल, ओडिशा) के निरंतर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को मान्यता देते हुए जूरी समिति ने उन्हें 17वीं लोकसभा में भी उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने का निर्णय लिया है और इन तीनों सांसदों को संसद उत्कृष्ट मान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

क्विक न्यूज

जीएसटी अधिकारियों ने 44,015 करोड़ के आईटीसी घोटाले में शामिल 29,273 फर्जी कंपनियों का लगाया पता

नई दिल्ली। जीएसटी अधिकारियों ने फर्जी पंजीकरण के खिलाफ अभियान के दौरान दिसंबर 2023 तक आठ महीनों में 44,015 करोड़ रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों में शामिल 29,273 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है। इससे 4,646 करोड़ रुपए का राजस्व बचाने में मदद मिली। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4,153 फर्जी कंपनियों का पता चला, जिनमें करीब 12,036 करोड़ रुपए की संदिग्ध आईटीसी चोरी में शामिल थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों ने इनमें से 2,358 फर्जी कंपनियों का पता लगाया। इनमें से सबसे अधिक 926 कंपनियां महाराष्ट्र में, इसके बाद राजस्थान में 507, दिल्ली में 483 और हरियाणा में ऐसी 424 कंपनियों का पता चला। मंत्रालय के अनुसार, इन मामलों में 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 31 गिरफ्तारियां केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों द्वारा की गईं। अक्टूबर दिसंबर तिमाही के दौरान चलाए अभियान में 1,317 करोड़ रुपए के राजस्व को बचाने में मदद मिली जिसमें से 319 करोड़ रुपए की वसूली हुई और 997 करोड़ रुपए आईटीसी को अवरुद्ध करके सुरक्षित किए गए। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। पंजीकरण के समय बायोमेट्रिक आधारित आधार प्रमाणीकरण की पायलट परियोजनाएं गुजरात, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश राज्यों में शुरू की गई हैं।

कांग्रेस ने पूर्व विधायक मेवाराम जैन को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (आरपीसीसी) ने पूर्व विधायक मेवाराम जैन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। ांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जैन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई करते हुए निलंबन आदेश जारी किया।आदेश के अनुसार,ै बाड़मेर के पूर्व विधायक मेवाराम जैन को अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के कारण तत्काल प्रभाव से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। उनका आचरण कांग्रेस पार्टी के संविधान के तहत अनुशासन के उल्लंघन का स्पष्ट संकेत है।एक महिला ने दिसंबर 2023 में बाड़मेर के पूर्व विधायक मेवाराम जैन और राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी आनंद सिंह राजपुरोहित सहित नौ लोगों पर दो साल पहले उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने और उसकी किशोर बेटी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।पुलिस ने बताया कि मामला जोधपुर के राजीव गांधी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी एक नाबालिग सहेली के साथ भी बलात्कार किया और उस पर अन्य लड़कियों को अपने पास लाने का दबाव डाला। प्राथिमिकी में बाड़मेर थानाधिकारी गंगाराम खावा, पुलिस उपनिरीक्षक दाउद खान और प्रधान गिरधारी सिंह सोढा भी नामित हैं। महिला का आरोप है कि उसके पिता की बीमारी के कारण वह करीब पांच साल पहले बाड़मेर के रामस्वरूप के संपर्क में आई और उन्होंने उसे मदद का आश्वासन दिया था।

देश में 72 प्रतिशत घरों तक पहुंची पेयजल सुविधाएं: शेखावत

जोधपुर (राजस्थान)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को कहा कि देश के 72 प्रतिशत घरों तक पेयजल सुविधाएं पहुंच चुकी हैं और शेष में दिसंबर 2024 तक पहुंच जाएंगी। सिंह ने यहां असम से आए पत्रकारों के एक समूह को बताया कि जब 2019 में जल जीवन मिशन शुरू हुआ तो 16 प्रतिशत से कुछ अधिक घरों में ही पेयजल की सुविधा थी। उन्होंने बताया कि योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। प्रत्एक राज्य को अलग-अलग भौगोलिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने, हमने राज्य सरकारों के परामर्श से एक दिशा-निर्देश तैयार किया है और योजना का कार्यान्वयन उसी के अनुसार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि कोविड के दो वर्षों के दौरान तमाम चुनौतियों का सामना करने के बावजूद 72 प्रतिशत घरों तक पेयजल की सुविधाएं पहुंच गई हैं। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिज्ञा की है कि प्रत्एक घर को पेयजल की सुविधा मिले और हम दिसंबर 2024 तक इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।उन्होंने कहा कि दिसंबर 2019 में योजना शुरू होने के बाद से राजस्थान ने घरों में पेजयल की आपूर्ति के मामले में बहुत कम प्रगति देखी गई। हालांकि, राज्य सरकार बदलने के साथ उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर 2024 तक महत्वपूर्ण प्रगति होगी।नदियों को जोड़ने के संबंध में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई राज्यों को या तो बाढ़ की समस्या या सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, नदियों को जोड़ना और नदी के प्रवाह को आवश्यकता के अनुसार मोड़ने के लिए एक ग्रिड बनाना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का सपना था। उन्होंने कहा कि इसके अध्ययन के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इस योजना के तहत नदी के प्रवाह को अधिशेष वाले क्षेत्रों से पानी के अभाव वाले क्षेत्रों की ओर मोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा, हमने 15 से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की हैं और इसे विभिन्न राज्यों के साथ साझा किया है ताकि संबंधित सरकारें समझौते कर सकें और हम इस दिशा में आगे बढ़ सकें। मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों ने केन और बेतवा नदियों को जोड़ने के लिए केंद्र के साथ समझौता साझा किया है और 40,000 करोड़ रुपए की इस परियोजना पर जल्द ही काम शुरू होगा।

हिंदू भावनाओं की अनदेखी कर रही है केरल कांग्रेस इकाई: के. सुरेंद्रन

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के प्रमुख के. सुरेंद्रन ने कांग्रेस की राज्य इकाई पर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के संबंध में किसी भी उत्सव की योजना नहीं बनाकर हिंदू भावनाओं की अनदेखी करने का रविवार को आरोप लगाया।सुरेंद्रन ने दावा किया कि जब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और यहां तक कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की इकाइयां प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है और सवाल किया कि कांग्रेस की केरल इकाई इससे क्यों बच रही है।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए सवाल किया, केरल में कांग्रेस पार्टी अलग रुख क्यों अपना रही है? क्या केरल में कांग्रेस का हिंदुओं की आस्था के प्रति कोई दायित्व नहीं है? क्या केरल में कांग्रेस हिंदुओं की भावनाओं की अवहेलना कर रही है? उन्होंने सवाल किया, क्या वे (कांग्रेस) इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) या पीएफआई से डरते हैं? क्या समस्ता या अन्य धार्मिक संगठनों ने उन्हें (कांग्रेस को) इस अवसर का जश्न मनाने से रोका है? सुरेंद्रन ने कहा कि आईयूएमएल ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाने वाले किसी के भी खिलाफ नहीं हैं और उन्होंने कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ ही केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख के सुधारकरन और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन से अपने सवालों के जवाब मांगें।सुरेंद्रन ने सवाल किया, ए दोहरे मानदंड क्यों? कांग्रेस नेतृत्व की ओर से ऐसा पाखंड क्यों? उन्होंने कहा कि भाजपा इस अवसर पर केरल में आयोजित समारोहों में भाग लेगी और उसी के तहत राज्य के सभी मंदिरों में स्वच्छता गतिविधियां भी चलाएगी। उच्चतम न्यायालय ने 2019 में एक ऐतिहासिक फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर एक सरकारी ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण का समर्थन किया था और फैसला सुनाया था कि पवित्र हिंदू शहर में एक मस्जिद के लिए पांच एकड़ का वैकल्पिक भूखंड खोजा जाना चाहिए। परिणामस्वरूप, पवित्र शहर में बन रहे भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या को सजाया जा रहा है, जो 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में होगा।पारंपरिक नागर शैली में निर्मित राममंदिर परिसर की लंबाई 380 फुट (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फुट चौड़ाई और ऊंचाई 161 फुट होगी।मंदिर की प्रत्एक मंजिल 20 फुट ऊंची होगी और इसमें कुल 392 खंभे और 44 द्वार होंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 जनवरी 2024

इजराइल उत्तरी गाजा में बड़ी लड़ाई को खत्म करेगा !

भाषा। यरुशलम

हमास के खिलाफ युद्ध के चौथे महीने में प्रवेश करने के साथ इजराइली सेना ने संकेत दिया कि उसने उत्तरी गाजा में बड़ी लड़ाई समाप्त कर ली है और वहां हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करने का काम पूरा कर लिया है। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने शनिवार देर रात कहा कि सेना वहां आगे भी फतह करती रहेगी, इजराइल–गाजा सीमा बाड़ पर सुरक्षा को मजबूत करेगी तथा क्षेत्र के मध्य और दक्षिणी हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की इजराइल यात्रा से पहले हुई। ब्लिंकन सहित अमेरिकी अधिकारियों ने बार–बार इजराइल से गाजा में अपने जबरदस्त हवाई और जमीनी हमले को कम करने तथा हमास नेताओं के खिलाफ अधिक लक्षित हमले का आग्रह किया है ताकि फलस्तीनी नागरिकों को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। यह युद्ध दक्षिणी इजराइल पर हमास के सात अक्टूबर के हमले से शुरू हुआ था जिसमें चरमपंथियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया था। हमास नियंत्रित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की जवाबी कार्वाई में 22,700 से अधिक फलस्तीनी मारे गए और 58,000 से अधिक घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि मारे गए लोगों में से लगभग दो–तिहाई महिलाएं और नाबालिग थे। रविवार को दक्षिणी शहर खान यूनिस के नासिर अस्पताल में 12 बच्चों सहित 18 लोगों के शव लाए गए। ए लोग शनिवार देर रात इजराइली हमले में मारे गए थे।

खान यूनिस शरणार्थी शिविर में एक घर पर हुए हमले में 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जिसे दशकों पहले इजराइल के निर्माण को लेकर 1948 में हुए पश्चिम एशिया के युद्ध के शरणार्थियों को पनाह देने के लिए स्थापित किया गया था। इजराइली सेना मध्य शहर दीर अल–बलाह में भी भीतर तक चली गई है जहां शनिवार को विमानों से गिराए गए पर्चों में चेतावनी दी गई कि उन्हें अपने घर खाली करने होंगे।

गाजा युद्ध को फैलने से रोकने के लिए जॉर्डन के राजा से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन

अम्मान (जॉर्डन)। इजराइल-हमास युद्ध के प्रसार को रोकने के प्रयासो के तहत अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और विदेश मंत्री अयमान सफादी से मुलाकात की तथा अम्मान मे विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के गोदाम का दौरा किया। तीन महीने मे क्षेत्र की अपनी चौथी यात्रा मे ब्लिंकन ने संघर्ष के बाद के भविष्य के लिए विस्तृत योजनाएं तैयार करने के महत्व को रेखांकित किया। इसके साथ ही, उन्होने हताहतो की संख्या को कम करने और गाजा तक मानवीय मदद की मात्रा को बढ़ाने के लिए इजराइल को अपने सैन्य अभियानों को सटीक ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। जॉर्डन और अन्य अरब देश इजराइल की जवाबी कार्वाइयो की आलोचना करते रहे है और दीर्घकालिक योजना के लिए सार्वजनिक समर्थन से बचते रहे है।

इजराइल–हमास युद्ध के बाद गाजा में एक सकारात्मक भूमिका के लिए प्रतिबद्ध तुर्किए : ब्लिंकन

चानिया (यूनान)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को कहा कि तुर्किए, इजरायल-हमास युद्ध के बाद गाजा मे सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध और इस संघर्ष को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए क्षेत्र में अपने प्रभाव का उपयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने नए मिडईस्ट मिशन के अंतर्गत तुर्किए और यूनान के साथ बातचीत शुरू की है, जो क्षेत्र मे स्थाई शांति और सुरक्षा के निर्माण की इच्छा रखने वाले सहयोगियो और साझेदारो के लिए कोई आसान काम नही था। मिस्र की अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले ब्लिंकन मंगलवार और बुधवार को इजराइल और वेस्ट बैंक का दौरा करेंगे।ब्लिकंन ने कहा कि उनकी प्राथमिकताएं नागरिकों की रक्षा करना है क्योकि अब तक बहुत से फलस्तीनी मारे जा चुके है।

जाने-माने संवाददाता का बेटा गाजा पर इजराइली हमलों में मारे गए अपने परिवार का पांचवां सदस्य

राफा। दक्षिणी गाजा में रविवार को इजराइली हमले में दो फिलिस्तीनी पत्रकारों की मौत हो गई, जिनमें अल जज़ीरा के जाने–माने अरबी संवाददाता वाएल दहदौह का बेटा भी शामिल है। दहदौह इस जंग में अपनी पत्नी, दो अन्य बच्चों और एक पोते को पहले ही खो चुके हैं और युद्ध के शुरुआती चरण में वह भी मौत के मुंह में जाने से बाल बाल बचे थे। हालांकि, दहदौह ने इजराइल और हमास के बीच लड़ाई की रिपोर्टिंग जारी रखी है, जबकि इस युद्ध ने उनके परिवार को तबाह कर दिया है। उनके परिवार की तबाही फलस्तीनी पत्रकारों के सामने जारी खतरों का प्रतीक बन गई है। काफी संख्या में फलस्तीनी पत्रकार इस युद्ध को कवर करते वक्त मारे गए हैं। अल जजीरा के लिए काम कर रहे हमजा दहदौह और स्वतंत्र पत्रकार मुस्तफा थराया की उस वक्त मौत हो गई।

राजनाथ की ब्रिटेन यात्रा 22 साल में किसी रक्षा मंत्री की पहली यात्रा

भाषा। लंदन,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार से ब्रिटेन की तीन दिवसीय यात्रा पर होंगे। उनकी इस यात्रा को रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी। जून 2022 में राजनाथ सिंह की ब्रिटेन की पूर्व नियोजित यात्रा को भारतीय पक्ष ने प्रोटोकॉल कारणों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया था। इसलिए सोमवार से शुरू होने वाली इस यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरान राजनाथ ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स के साथ विभिन्न मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करेंगे तथा लंदन में स्थित महात्मा गांधी और डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्मारक भी जाएंगे। रक्षा मंत्री सिंह के ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। लंदन स्थित विचार समूह इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में दक्षिण और मध्य एशियाई देशों के रक्षा, रणनीति और कूटनीतिक मामलों के वरिष्ठ फेलो राहुल रॉय चौधरी ने कहा, राजनाथ सिंह की यह यात्रा रणनीतिक और सामरिक दोनों ही दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बीते 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली ब्रिटेन यात्रा होगी। पिछली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने 22 जनवरी 2002 को ब्रिटेन की यात्रा की थी। रॉय–चौधरी के अनुसार, राजनाथ सिंह की प्रस्तावित यात्रा ब्रिटेन के साथ भारत के राजनीतिक संबंधों में सुधार का संकेत देती है। इसके अलावा पिछले साल सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में विकसित होती आपसी विश्वास की भावना का भी पता चलता है। उन्होंने कहा, वास्तविक रूप से राजनाथ की यह यात्रा ब्रिटेन के साथ सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में सार्थक प्रयास करेगी। नवंबर 2023 में दोनों देशों के बीच सचिव स्तर पर दिल्ली में रक्षा सलाहकार समूह (डीसीजी) की बैठक हुई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2023 में संयुक्त सचिवों के स्तर पर भारत और ब्रिटेन के बीच 22 विदेश और रक्षा वार्ता की पहली बैठक हुई थी।रॉय–चौधरी ने कहा, ब्रिटेन अब भारत के शीर्ष पांच रणनीतिक साझेदारों में से एक नहीं है। हालांकि, रोल्स–रॉयस के साथ एयरो–इंजन पर चल रही परियोजनाओं की आपूर्ति के माध्यम से एक मजबूत भारत–ब्रिटेन रक्षा तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रमुख हथियार निर्माण स्थलों में से एक का दौरा करने की भी संभावना है। भारतीय रक्षा मंत्री की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक हिंसा को लेकर भारत ने चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा भारत को ब्रिटेन की रक्षा आपूर्ति पर कुछ विवादास्पद ऐतिहासिक मुद्दों पर भी बातचीत होने की उम्मीद है।

अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी दो दिवसीय यात्रा पर जेद्दा पहुंचीं

जेद्दा (सऊदी अरब)। अल्पसंख्यक मामलो की मंत्री स्मृति ईरानी हज सम्मेलन में भाग लेने और भारत तथा सऊदी अरब के बीच हज समझौते 2024 पर हस्ताक्षर करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंची। राजदूत डॉ. सुहेल खान, महावाणिज्य दूत मोहम्मद शाहिद और सऊदी अरब के हज तथा उमरा मंत्रालय के अधिकारियो ने जेद्दा हवाई अड्डे पर ईरानी की अगवानी की। जेद्दा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर कहा, अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी हज सम्मेलन मे भाग लेने और द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए जेद्दा पहुंच गई है। इसने एक बयान में कहा कि ईरानी सऊदी अरब के हज और उमरा मामलो के मंत्री तौफीक बिन फौजान अल राबिया के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी करेंगी और आगामी हज यात्रा से जुड़े परस्पर हित के मुद्दो पर चर्चा करेगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी द्विपक्षीय हज समझौते 2024 पर हस्ताक्षर करने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। वह सोमवार को जेद्दा मे हज और उमरा सम्मेलन के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह मे भी भाग लेंगी जिसका आयोजन सऊदी अरब का हज और उमरा मामलो का मंत्रालय कर रहा है।

पाकिस्तान में हमले में चार लोगों की मौत, तीन घायल

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत मे रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने दो वाहनो पर गोलीबारी की जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। डॉन न्यूज की खबर के अनुसार जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) मोहम्मद इमरान ने कहा कि स्वचालित हथियारो से लैस हमलावरो ने पाराचिनार से पेशावर जाने वाले रास्ते में दो वाहनो को निशाना बनाया। उन्होने कहा कि खुर्म जिले के सद्दा बाजार के निकट हुए हमले मे मारे गए लोगो मे दो सुरक्षाकर्मी भी शामिल है। डीपीओ ने बताया कि हमलावरो की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। किसी भी समूह या व्यक्ति ने इस हमले की जिम्मेदारी नही ली है, लेकिन इस क्षेत्र मे सुन्नी और शिया के बीच सांप्रदायिक झड़प की घटनाएं होती रहती है।

स्लोवेनिया में बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने के चलते पांच लोग गुफा में फंसे

जुब्लजाना। दक्षिण-पश्चिमी स्लोवेनिया मे भारी बारिश के कारण पांच लोग एक गुफा में फंस गए है और जल स्तर बढ़ने के कारण वहां से निकलने में असमर्थ है। अधिकारियो ने रविवार को यह जानकारी दी। समूह मे तीन लोगो का एक परिवार और दो गाइड शामिल है जो शनिवार से क्रिजना जामा गुफा मे फंसे हुए है। गुफा के अंदर जलस्तर बढ़ने के कारण बाहर निकलने का रास्ता अवरुद्ध हो गया। स्लोवेनियाई बचाव दल का कहना है कि गोताखोर उन लोगो तक पहुंच गए है। उन्हे एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है और जलस्तर कम होने के बाद उन्हे बाहर निकाला जाएगा। स्लोवेनिया के स्पेलोलॉजिकल एसोसिएशन के प्रमुख इगोर बेन्को ने कहा कि सभी पांचो लोग ठीक है।

अफगानिस्तान की राजधानी में बस में हुए धमाके की जिम्मेदारी आतंकी संगठन आईएस ने ली

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अफगानिस्तान की राजधानी मे शनिवार देर रात एक मिनी बस मे हुए धमाके की जिम्मेदारी ली है। इस धमाके मे दो लोगो की मौत हो गई थी। पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान के अनुसार, काबुल के पश्चिमी क्षेत्र दश्ती बार्ची मे हुए इस हमले मे 14 लोग घायल हो गए।विस्फोट के तुरंत बाद शनिवार को जारी एक बयान मे सुन्नी आतंकी संगठन ने कहा कि इसके सदस्यो ने शिया मुसलमानो को ले जा रही बस मे एक विस्फोटक उपकरण से धमाका किया। शिया मुसलमानो को आईएस गैर-मुसलमान मानता है। काबुल के दश्ती बार्ची इलाके को आईएस के सहयोगी संगठन द्वारा बार-बार निशाना बनाया जाता रहा है। आतंकी संगठन ने स्कूल, अस्पताल और मस्जिदो पर कई बार हमले किए है और देशभर के अन्य शिया क्षेत्रो को भी निशाना बनाया है। इससे पहले काबुल के इसी इलाके मे पिछले साल नवंबर मे आईएस ने एक बस मे हुए धमाके की जिम्मेदारी ली थी, जिसमे सात लोग मारे गए थे और 20 अन्य घायल हो गए थे।

डाकघर घोटाले को लेकर कार्रवाई का संकल्प लिया सुनक ने

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को कहा कि सरकार एक लेखांकन घोटाले मे मुआवजे की प्रक्रिया की समीक्षा कर रही है जिसमे सैकड़ो उप-डाकपालों पर धोखाधड़ी का गलत आरोप लगाया गया जिनमे से कई भारतीय मूल के है। सुनक से बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में 1990 के दशक मे हॉरिजोन नाम की त्रुटिपूर्ण आईटी प्रणाली से जुड़े ऐतिहासिक घोटाले के बारे में पूछा गया और उन्होने इस बात की पुष्टि की कि उनके न्याय मंत्री देख रहे है कि गलत तरह से दोषसिद्धियों को पलटने और मुआवजा देने की प्रक्रिया को तेज कैसे किया जा सकता है।

चीन ने ताइवान को हथियार बेचने पर अमेरिका की पांच रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

बीजिंग। चीन ने ताइवान को हथियार बेचने और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों पर प्रतिबंध लगाए जाने के जवाब में अमेरिका की रक्षा से जुड़ी पांच कंपनियों पर रविवार को प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। विदेश मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी एक बयान में कहा कि इन प्रतिबंधों के तहत चीन में इन कंपनियों की संपत्ति कुर्क हो जाएगी और चीनी संगठनों और लोगों के उनके साथ कारोबार करने पर मनाही होगी। जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें बीएई सिस्टम्स लैंड एंड आर्मामेंट, एलियंट टेकसिस्टम्स ऑपरेशन, एयरोविरोनमेंट वियासैट एंड डेटा लिंक सॉल्यूशंस शामिल हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रतिबंधों का इन कंपनियों पर क्या असर होगा। ऐसे प्रतिबंध अक्सर सांकेतिक होते हैं क्योंकि अमेरिकी रक्षा ठेकेदार आमतौर पर चीन को सामान नहीं बेचते हैं। अमेरिका के कदमों ने चीन की संप्रभुत्ता और सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचाया है, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता को कमजोर किया है और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के अधिकारों व हितों का उल्लंघन किया है। चीन की सरकार राष्ट्रीय संप्रभुत्ता और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा और चीनी कंपनियों तथा नागरिकों के कानूनी अधिकारों और हितों की रक्षा के हमारे संकल्प पर अडिग है। यह घोषणा ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव से महज एक सप्ताह से भी कम समय पहले की गई है। चीन उसके पूर्वी तट पर स्थित स्व:शासित ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि किस हथियार सौदे या अमेरिका के किन प्रतिबंधों पर चीन यह प्रतिक्रिया दे रहा है लेकिन प्रवक्ता वांग वेनबिन ने तीन सप्ताह पहले आगाह किया था कि दिसंबर में ताइवान को 30 करोड़ डॉलर के सैन्य पैकेज की अमेरिकी सरकार की स्वीकृति के बाद चीन जवाबी कदम उठाएगा।

जापान भूकंप : बर्फबारी के कारण सुदूर क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान में बाधा

वाजिमा (जापान)। जापान के पश्चिमी तट पर पिछले सप्ताह आए भूकंप के बाद राहत एवं बचाव दलों को सुदूर क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में राहत सामग्री की आपूर्ति पहुंचाने में बर्फबारी के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। भूकंप के कारण अब तक 128 लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र इशिकावा प्रांत में रविवार को रात भर बर्फबारी होने का अनुमान है, जिससे स्थिति और विकट हो सकती है। सोमवार को आए 7.6 तीव्रता वाले भूकंप के बाद से 195 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं और भूकंप के कारण 560 लोग घायल हुए हैं। इस भीषण भूकंप के बाद नोटो प्रायद्वीप में कई बार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। ताइयो मत्सुशिता अपने परिवार के लिए भोजन और अन्य सामान खरीदने के लिहाज से वाजिमा शहर में एक सुपरमार्केट तक पहुंचने के लिए कीचड़ में तीन घंटे पैदल चले। वह अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ इलाके में रहते हैं। भूकंप के कारण उनका और आसपास के लगभग 20 घर प्रमुख इलाकों और बाजार से पूरी तरह से कट चुके हैं। उन्होंने जीजी प्रेस को बताया कि भूकंप के कारण बिजली चली गई और कुछ ही घंटों में वे अपने सेल फोन का उपयोग भी नहीं कर पा रहे थे। मत्सुशिता ने कहा, हम चाहते हैं कि हर किसी को पता चले कि कुछ जगहों पर राहत सामग्री की मदद नहीं मिल रही है। हम यहां रहने वाले लोगों से ऐसा लगाव महसूस करते हैं। लेकिन, जब मैं अपने बच्चों के बारे में सोचता हूं, तो यह कल्पना करना कठिन होता है कि हम यहां रह सकते हैं। इशिकावा प्रांत के अधिकारियों का कहना है कि भूकंप के कारण1,370 घर पूरी तरह अथवा आंशिक रूप से नष्ट हो गए हैं। मुख्य द्वीप के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में कई घर पुराने और लकड़ी के हैं। टूटी-फूटी, उबड़-खाबड़ सड़कों पर गाड़ियां उलटी पड़ी हैं।

तनाव, व्यग्रता से निपटने के तरीके तलाश रहे हैं लोग

भाषा। जोहानिसबर्ग

तनाव, व्यग्रता और पर्यावरणीय एवं मानवीय आपदाओं से भरी दुनिया में, लोग इससे निपटने के तरीके तलाश रहे हैं। कई लोगों ने मार्गदर्शन के लिए प्राचीन प्रथाओं की ओर रुख किया है। इनमें से एक है सचेतन, जो ध्यान से जुड़ी प्रक्रिया है। वास्तव में सचेतन का क्या अर्थ है? सचेतन किसी चीज के प्रति सचेत रहना या जागरूक होने की स्थिति है। यह आपकी नैतिकता, हर पल और व्यवहार करने के सही तरीके को याद रखने के बारे में है। मैं जिस शब्द का उपयोग करना पसंद करता हूं वह है जागरूकता। अपने दिन की शुरुआत साक्ष्य–आधारित समाचारों से करें। सचेतन कवायद आपको वर्तमान में वापस लाने का एक तरीका होगा। आप योग की तरह अपनी इंद्रियों, अपनी सांस या अपने शरीर का इस्तेमाल करेंगे।ध्यान आपको शांत करने में मदद करता है क्योंकि बहुत सारे अवसाद या अवसादग्रस्त विचार अतीत और उन चीजों से जुड़े होते हैं जिनका हमें अफसोस होता है। बहुत सारी चिंताएं भविष्य से जुड़ी हुई हैं। इन विशेष प्रवृत्तियों पर शोध जारी है। यदि लोग बहुत अधिक चिंता का अनुभव करते हैं, तो अकसर ऐसा होता है कि उनका मन भविष्य में इस बात को लेकर चिंता में रहता है कि आगे क्या होगा।अवसाद के लिए भी यही बात है। मन अतीत में वापस चला जाता है और उन चीजों के बारे में सोचता रहता है जो पहले घटित हो चुकी होती हैं। हम ध्यान को अपने दैनिक जीवन में कैसे शामिल करें? ध्यान लगाकर हम तनाव और अवसाद से कुछ हद तक निजात पा सकते हैं। मुझे लगता है कि आदत शब्द वास्तव में अच्छा है। ध्यान एक तरह से मानसिक स्वच्छता है। दिन के एक विशेष समय में इसे दैनिक अभ्यास बनाने से लोगों को मदद मिलती है। ज्यादातर लोगों के लिए गहरी सांस लेने से उन्हें फायदा मिलता है और उन्हें शांति मिलती है। यह सचमुच मदद कर सकता है।

शाकाहारी भोजन में प्रोटीन की कमी होती है, इस सदियों पुराने मिथक को तोड़ते है

प्रोटीन स्वस्थ आहार का एक आवश्यक अंग है। जो विभिन्न शारीरिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन भारत को प्रोटीन की कमी की चिंताजनक समस्या का सामना करना पड़ रहा हैए कई लोग आवश्यक दैनिक सेवन को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। भारत में एक औसत वयस्क के लिए अनुशंसित प्रोटीन सेवन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम है। हालाँकि औसत खपत आम तौर पर शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम लगभग 0.6 ग्राम होती है। भारत में मांस और मछली जैसे मांसाहारी खाद्य पदार्थों के साथ प्रोटीन का एक आम संबंध है। इस ग़लतफ़हमी को चुनौती देते हुएए आलमंड बोर्ड ऑफ़ कैलिफोर्निया ने हाल ही में कानपुर में एक सेशन की मेजबानी की। डायटीशियन रितिका समद्दर ने इस बात पर जोर दिया कि बादाम जैसे प्राकृतिक प्रोटीन स्रोत अक्सर किसी की प्रोटीन की जरूरतों को पर्याप्त रूप से पूरा कर सकते हैं। उन्होंने शाकाहारी भोजन में प्रोटीन की कमी, वजन बढ़ने की चिंता और प्रोटीन पाचन से संबंधित मुद्दों के बारे में आम गलतफहमियों को संबोधित किया। दुर्भाग्य आज बड़ी संख्या में भारतीयों में प्रोटीन की महत्वपूर्ण आहार आवश्यकता के बारे में जागरूकता का अभाव है। एक सर्वेक्षण के अनुसारए73 प्रतिशत भारतीय अनुशंसित दैनिक प्रोटीन सेवन को पूरा करने में विफल रहते हैं 90 प्रतिशत से अधिक में इस कमी के बारे में जागरूकता की कमी है। इसके अलावाए एक अन्य सर्वेक्षण ने एक महत्वपूर्ण मैक्रोन्यूट्रिएंट के रूप में प्रोटीन के महत्व के बारे में समझ की व्यापक कमी को उजागर किया हैए विशेष रूप से भारतीय परिवारोंए विशेषकर माताओं के बीच। फिटनेस से संबंधित आहार के बढ़ते व्यावसायीकरण ने कई लोगों को गलती से प्रोटीन पूरक की आवश्यकता पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने यह पहचानने के महत्व पर जोर दिया कि बादामए दालें और दाल सहित प्राकृतिक प्रोटीन स्रोत अक्सर किसी की प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त से अधिक होते हैं। उन्होंने सोयाबीनए दालेंए दालें और नट्स जैसे पौधे.आधारित प्रोटीन विकल्पों की उपलब्धता पर भी चर्चा कीए जिनमें बादाम एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी आम चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को एक चुनाव न्यायाधिकरण ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, एक अपीलीय चुनाव न्यायाधिकरण ने शनिवार को कुरैशी के नामांकन पत्र को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, अपीलीय चुनाव न्यायाधिकरण ने 67 वर्षीय कुरैशी को सिंध के उमरकोट शहर में एनए–214 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी जबकि दो नेशनल असेंबली और पंजाब प्रांत में मुल्तान की इतनी ही विधानसभा सीटों के लिए पूर्व विदेश मंत्री के नामांकन पत्रों को खारिज करने के निर्वाचन अधिकारी के फैसले के खिलाफ दायर उनकी अपील को खारिज कर दिया।

क्विक न्यूज

इजराइल-हमास युद्ध में संघर्ष विराम की मांग को लेकर प्रदर्शन से सिएटल की सड़कें जाम

सिएटल (अमेरिका)। इजराइल-हमास युद्ध में संघर्ष विराम की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की वजह से शनिवार को सिएटल में इंटरस्टेट 5 पर उत्तर की ओर जाने वाले सड़कों पर लंबा जाम लग गया।सिएटल टाइम्स की खबर के अनुसार, एक नजदीकी पुल पर प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन के समर्थन में नारे भी लगाए। प्रदर्शन की शुरुआत अपराह्न करीब एक बजकर 15 मिनट पर हुई। राज्य परिवहन विभाग ने एक्स पर कहा कि एक जगह पर करीब 9.7 किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लग गया और चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने के लिए कहा गया। प्रदर्शनकारियों ने फ्री, फ्री फलस्तीन (फलस्तीन को मुक्त करो) और हे, हो, हो, ऑक्यूपेशन हैज टू गो (आक्रमणकारियों को वापस जाना होगा) के नारे लगाए। सात अक्टूबर को हमास ने गाजा पट्टी से दक्षिणी इजराइल पर ताबड़तोड़ हमले किए थे, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। यह इजराइल के इतिहास का सबसे भयानक हमला था।

जापानः राजनीतिक चंदा घोटाले में पहली गिरफ्तारी हुई

तोक्यो। जापान के एक बड़े राजनीतिक चंदा घोटाले के सिलसिले में अभियोजकों ने रविवार को पहली गिरफ्तारी की है। इस घोटाले ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की सरकार को हिलाकर रख दिया है। अधिकारियों और स्थानीय मीडिया खबरों के अनुसार, तोक्यो डिस्ट्रिक्ट पब्लिक प्रोसिक्यूटर ऑफिस ने पूर्व उप-शिक्षा मंत्री योशिताका इकेदा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर अपने गुट से धन के रूप में जुटाई गई धनराशि में घपला करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है।इकेदा का गुट किशिदा की सत्तारूढ़ पार्टी में सबसे बड़ा और प्रभावशाली माना जाता है। पहले इस गुट का नेतृत्व दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे करते थे। इस गुट पर चंदे के रूप में जुटाई गई धनराशि में घपला कर 60 करोड़ येन (4.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक के लेखाजोखा साझा नहीं करने का आरोप है।मीडिया की खबरों में बताया गया कि पूर्व उपमंत्री पर करीब 4.8 करोड़ येन (लगभग 276,500 अमेरिकी डॉलर) से अधिक की जानकारी नहीं देने का आरोप है। उन्हें यह राशि राजनीतिक कार्यक्रम की टिकट बिक्री से जुटाई गई राशि में से रिश्वत के तौर पर वापस प्राप्त हुई थी, जो राजनीतिक निधि नियंत्रण कानून का उल्लंघन है। प्रधानमंत्री किशिदा ने रविवार को कहा कि इकेदा की गिरफ्तारी बेहद अफसोसजनक है और पार्टी ने उन्हें निष्कासित करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया है और वह चंदा जुटाने के नियमों को सख्त बनाने के लिए इस सप्ताह के अंत में एक विशेषज्ञ समिति गठित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। किशिदा ने संवाददाताओं से कहा, हमें इसके कारण पार्टी को हुए नुकसान को समझना चाहिए और जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने का प्रयास करना चाहिए।

उत्तर कोरिया ने समुद्री सीमा के पास लगातार तीसरे दिन तोप के गोले दागेः दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया का कहना है कि उत्तर कोरिया ने लगातार तीसरे दिन तनावपूर्ण समुद्री सीमा के पास तोपों से गोले दागे हैं।दक्षिण कोरिया की सेना का कहना है कि उत्तर कोरिया ने रविवार दोपहर को 90 से अधिक गोले दागे। उसने कहा कि दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया से उकसावे वाली हरकतें रोकने का पुरजोर आग्रह किया है।उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन ने उत्तर कोरिया द्वारा दागे गए हथियारों का पता लगाने की दक्षिण कोरिया की क्षमता का रविवार को मजाक उड़ाया। उन्होंने सियोल के इस दावे का खंडन किया कि उत्तर कोरिया ने एक दिन पहले समुद्र में तोपों से गोले दागे थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने तुरंत उनके बयान को निम्न-स्तरीय मनोवैज्ञानिक युद्ध रणनीति करार देकर खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि वह उत्तर कोरिया के किसी भी उकसावे का कड़ा जवाब देगी।दक्षिण कोरिया की सेना ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों की विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा के पास गोले दागे। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने 200 से अधिक गोले दागने के एक दिन बाद शनिवार को 60 से अधिक गोले दागे।उत्तर कोरिया ने स्वीकार किया कि उसने शुक्रवार को तोपों से गोलाबारी की लेकिन कहा कि उसने शनिवार को एक भी गोला नहीं दागा। किम की बहन किम यो जोंग ने रविवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरियाई सेना की पता लगाने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए समुद्र तट पर तोपों से केवल ब्लास्टिंग पाउडर दागा।उन्होंने कहा, परिणाम हमारी अपेक्षा के अनुरूप था। उन्होंने विस्फोट की आवाज को गलत तरीके से गोलाबारी की आवाज समझा और इसे उकसावे की कार्रवाई बताया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि वह उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखता है।

बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लगने से 1,000 से अधिक आश्रय स्थल खाक हुए

कॉक्स बाजार (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के दक्षिण तटीय जिले कॉक्स बाजार में एक रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लग गई, जिससे 1,000 से अधिक आश्रय जलकर खाक हो गए और हजारों लोग बेघर हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी और संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को यह जानकारी दी। उखिया दमकल केंद्र के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उखिया के कुटुपलोंग शिविर में शनिवार आधी रात को आग लग गई और हवा तेज होने के कारण आग ने कम समय में ही विकराल रूप ले लिया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग काफी व्यापक थी और इससे शिविर में लगभग 1,040 आश्रय स्थल जलकर खाक हो गए। हमे उखिया और जिले के अन्य दमकल केंद्रो से 10 इकाइयो को बुलाना पड़ा। आग पर काबू पाने मे लगभग दो घंटे लग गए। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने बताया कि आग जब तेजी से फैलने लगी तो महिलाओ और बच्चो सहित हजारो शरणार्थी अपने सामान लेकर खुले मैदान मे जाने लगे। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने एसोसिएटेड प्रेस को एक ईमेल मे कहा कि आग पर काबू पाने के लिए कई स्वयंसेवको ने भी दमकलकर्मियो के साथ काम किया।यह भी कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। यह स्पष्ट नही है कि आग कैसे लगी। हालांकि, इस्लाम ने कहा कि शरणार्थियो के बयानो से पता चलता है कि मिट्टी के चूल्हे के कारण आग लगी।

पीटीआई के 76 प्रतिशत उम्मीदवारों के नामांकन पत्र मंजूर किए गए : ईसीपी ने न्यायालय को बताया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने रविवार को यहां उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 76 प्रतिशत उम्मीदवारो के नामांकन पत्र स्वीकार कर लिए गए है। खान फिलहाल जेल मे बंद है। ईसीपी ने पीटीआई पार्टी की ओर से दायर उस अवमानना याचिका के जवाब में डेटा प्रस्तुत किया, जिसमे कहा गया है कि ईसीपी ने चुनाव मे समान अवसर न मिलने की पार्टी की चिंताओ को दूर करने के शीर्ष अदालत के निर्देश का पालन नही किया था। ईसीपी ने शीर्ष अदालत को बताया कि नेशनल असेंबली के लिए पीटीआई उम्मीदवारो के कुल 843 नामांकन पत्रो मे से 598 को स्वीकार कर लिया गया, जबकि प्रांतीय असेंबली के लिए 1,777 उम्मीदवारो में से 1,398 को मंजूरी दे दी गई। ईसीपी ने कहा, देश और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव के लिए पीटीआई उम्मीदवारो के नामांकन पत्रो की स्वीकृति का अनुपात 76.18 प्रतिशत है। उन्होने कहा कि पीटीआई को अपीलीय चुनाव न्यायाधिकरण के समक्ष उम्मीदवारो की अस्वीकृति के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। इसमे यह भी कहा गया है कि डेटा से पता चलता है कि पीटीआई उम्मीदवारों, उनके प्रस्तावको और अनुमोदको को समान अवसर प्रदान किए गए थे। ईसीपी ने अदालत को यह भी बताया कि उसके अधिकारियो ने पीटीआई नेताओ से मुलाकात की और पार्टी को आश्वासन दिया कि सभी उम्मीदवारो को समान अवसर प्रदान किए जाएंगे।इसके बाद ईसीपी ने अदालत से पीटीआई द्वारा उसके खिलाफ दायर अवमानना याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने 22 दिसंबर को ईसीपी को चुनाव प्रक्रिया के दौरान पीटीआई को समान अवसर न मिल पाने के बारे में पार्टी की शिकायतो पर तत्काल ध्यान देने का निर्देश दिया था।

रूस के बेल्गोरोद से 100 से अधिक लोगों को अन्य जगह स्थानांतरित किया गया

मास्को। रूसी सीमावर्ती शहर बेल्गोरोद के 100 से अधिक निवासियों को यूक्रेन की सीमा से दूर एक क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। बेल्गोरोद से करीब 115 किलोमीटर दूर स्तारी ओस्कोल जिले के प्रभारी आंद्रे चेस्नोकोव ने कहा, क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैदकोव की ओर से, हम पहले बेल्गोरोद के निवासियों से मिले, जिन्होंने सबसे सुरक्षित स्थान पर जाने का फैसला किया। हमारे 100 से अधिक लोगों को अस्थाई आवास केंद्रों में रखा गया था। वहां के अधिकारियों ने कहा कि 30 दिसंबर को बेल्गोरोद में यूक्रेन के हमलो में 25 लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि इस पूरे सप्ताह रॉकेट और ड्रोन हमले जारी रहे। इस बीच, रूसी सैन्यकर्मियों ने रविवार को ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस मनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सैन्य पादरियों ने रविवार और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अग्रिम पंक्ति में प्रार्थना सेवाओं का नेतृत्व किया।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध में जान गंवाने वाले सैन्य कर्मियों के परिवारों के साथ मॉस्को के पश्चिमी उपनगर में अपने नोवो-ओगारियोवो स्थित आवास पर मिले। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को कहा कि यूक्रेन में, हवाई रक्षा प्रणाली ने रात के दौरान रूस द्वारा दागे गए 28 ड्रोन में से 21 को मार गिराया। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ तीन विमान भेदी मिसाइलें भी दागी। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि दक्षिणी शहर खेरसॉन पर रविवार को नीपर नदी के पार, खेरसॉन क्षेत्र के रूसी कब्जे वाले हिस्सों से कई गोले दागे। खेरसॉन शहर प्रशासन के प्रमुख रोमन म्रोचको ने कहा कि हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

आस्ट्रेलिया ने भारत से हिसाब किया बराबर

● छह विकेट से जीती कंगारू महिला टीम, श्रृंखला 1-1 से ड्रा

भाषा। नवी मुंबई

आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने रविवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को एक ओवर रहते छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला।-। से बराबर की। भारतीय बल्लेबाज शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सकीं जिससे टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आठ विकेट पर 130 रन ही बना सकी।जवाब में आस्ट्रेलिया ने 19 ओवर में चार विकेट पर 133 रन बनाकर जीत हासिल की। पहले टी20 मैच में भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले भारतीय बल्लेबाज शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सकीं जिससे मेजबान टीम रविवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट पर 130 रन ही बना सकी। स्मृति मंधाना (23), ऋचा घोष (23) और जेमिमा रोड्रिग्स (13) अच्छी शुरूआत करने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सकीं और आस्ट्रेलिया ने लगाातर विकेट झटककर भारत पर दबाव बनाए रखा। दूसरे छोर पर विकेट गिर रहे थे लेकिन दीप्ति शर्मा ने पारी की अंतिम गेंद पर रन आउट होने से पहले 27 गेंद में पांच चौके से 31 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। आस्ट्रेलिया के लिए किम गार्थ ने शुरूआती झटके दिए, उन्होंने पहले शेफाली वर्मा (01) को पगबाधा आउट किया और फिर रोड्रिग्स की पारी खत्म की जिन्होंने तेजी से तीन चौके जड़कर शुरूआत की थी। पहले मैच में भारतीय टीम ने पावरप्ले में लगभग 10 रन प्रति ओवर बनाए थे लेकिन रविवार को दो विकेट पर 33 रन ही बना सकी जिसमें मंधाना के कुछ आकर्षक स्ट्रोक्स शामिल थे। भारतीय उप कप्तान मंधाना ने गार्थ पर डीप स्क्वायर लेग में एक छक्का और फिर कवर पर चौका जड़ा। पर आठवें ओवर में मंधाना भी अनाबेल सदरलैंड की शॉर्ट गेंद का शिकार हो गईं और उनका कैच डीप मिडविकेट पर एलिसे पैरी ने झटका। भारत की परेशानी बढ़ती जा रही थीं और कप्तान हरमनप्रीत कौर (12 गेंद में छह रन) बल्ले से फिर कमाल नहीं दिखा सकीं। टीम को वापसी के लिए किसी खिलाड़ी के क्रीज पर टिके रहने की जरूरत थी और हरमनप्रीत के पास भारत को मुश्किल से बाहर निकालने का अच्छा मौका था, पर वह अपने पसंदीदा स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में पवेलियन पहुंच गईं। ऋचा ने इसी ओवर में गार्डनर पर एक गगनदाई छक्का जड़ा लेकिन वह भी बड़ा स्कोर बनाने में से चूक गईं। वह जॉर्जिया वारेहैम की धीमी गेंद पर पगबाधा आउट हुईं। आस्ट्रेलिया ने अपील की लेकिन मैदानी अंपायर ने इसे ठुकरा दिया और यहां तक कि वारेहैम को भी लगा कि गेंद बाहर की ओर पिच हुई थी, पर कप्तान एलिसा हीली ने डीआरएस अपील की जो मेहमान टीम के पक्ष में रही। वारेहैम ने फिर पूजा वस्त्राकर (09) के रूप में अपना दूसरा विकेट झटका। इस तरह उन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इस बार गेंदबाज और कप्तान दोनों ने सही डीआरएस अपील की। सदरलैंड ने अमनजोत कौर (04) को आउट कर अपना दूसरा शिकार बनाया।

स्कोरबोर्ड

भारत : शेफाली पगबाधा बो गार्थ 01, मंधाना का पैरी बो सदरलैंड 23, रोड्रिग्स का हीली बो गार्थ 13,कौर का पैरी बो गार्डनर 06,घोष पगबाधा बो वारेहैम 23,शर्मा रन आउट 30, वस्त्राकर पगबाधा बो वारेहैम 09,कौर का मैक्ग्रा बो सदरलैंड 04,पाटिल नाबाद 07,**अतिरिक्त** : 14,**कुल** : 20 ओवर में आठ विकेट पर 130 रन ,**विकेट पतन** :।-4, 2-20, 3-42, 4-54, 5-87, 6-102, 7-107, 8-130,**गेंदबाजी** : मेगान 4-0-29-0,गार्थ 4-0-27-2,गार्डनर 4-0-33-।,सदरलैंड 4-0-18-2, वारेहैम 4-0-17-2

रोहित व कोहली की टी-20 टीम में वापसी

● अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा

भाषा। केपटाउन

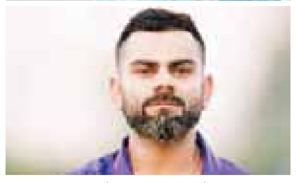

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली ने रविवार को भारतीय टीम में वापसी की। राष्ट्रीय पुरुष चयन समिति ने 11 जनवरी से मोहाली में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए रोहित की अगुवाई में 16 सदस्ईय टीम की घोषणा की। रोहित और कोहली ने इस प्रारूप में भारत के लिए अपना पिछला मैच नवंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा लोकेश राहुल को पावरप्ले में धीमी बल्लेबाजी करते देखा गया था। उस विश्व कप के बाद हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया था। वनडे विश्व कप में पंड्या की खुद की चोट और हाल ही में सूर्यकुमार यादव की मांसपेशियों में गंभीर समस्या के कारण शीर्ष क्रम में काफी अनुभवहीनता आ गई है। पिछले सप्ताह खबर दी थी कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए इन दोनों दिग्गजों को चुनने के लिए तैयार है। भारत के एक पूर्व चयनकर्ता ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, रोहित और विराट पर फैसला सिर्फ चयन समिति नहीं ले सकती। बहुत कुछ दांव पर है, प्रसारक, प्रायोजक। आप दोनों में से सिर्फ एक को नहीं चुन सकते है। अजीत और उनकी टीम को यथास्थिति बनाए रखने की जरूरत थी। अब रोहित की टी20 विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने की संभावना काफी बढ़ गई है, जो वैश्विक प्रतियोगतिता में हार्दिक की कप्तानी की महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ा झटका है। टी20 टीम में विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन और जितेश शर्मा भी शामिल हैं जबकि इशान किशन की अनदेखी की गई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

पिस्टल और राइफल निशानेबाज पेरिस ओलंपिक कोटा के लिए लगाएंगे निशाना

जकार्ता। भारतीय राइफल और पिस्टल निशानेबाज सोमवार से यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन में जीत दर्ज करने के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा स्थानों को सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कुल 16 ओलंपिक कोटा स्थान उपलब्ध हैं और भारतीय पिस्टल निशानेबाज अधिकतम पांच स्थानों के दावेदार होंगे। पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारतीय निशानेबाजों के पास सबसे अधिक तीन कोटा स्थान सुनिश्चित करने का मौका होगा। प्रतियोगिता के पहले दिन दो ओलंपिक स्पर्धाओं में से प्रत्एक में तीन भारतीय दावेदार हैं। अर्जुन सिंह चीमा, वरुण तोमर और उज्जवल मलिक शीर्ष तीन में जगह बनाने के साथ और एक कोटा स्थान पक्का करना चाहेंगे। सरबजोत सिंह पिछले साल ही देश के लिए कोटा हासिल कर चुके है। इसके बाद ईशा सिंह, रिदम सांगवान और सुरभि राव पर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारतीय उम्मीदों को पूरा करने की जिम्मेदारी होगी। भारत ने इस वर्ग में अभी तक पेरिस ओलंपिक का एक भी कोटा हासिल नहीं किया है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला में कम मैच के लिए टी20 क्रिकेट जिम्मेदार : डिविलियर्स

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स इस बात से खफा है कि हाल में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच समाप्त हुई श्रृंखला मे केवल दो टेस्ट मैच ही खेले गए जिसके लिए उन्होने दुनिया भर मे धड़ल्ले से चल रही टी20 लीग को जिम्मेदार ठहराया। डिविलियर्स ने बड़ी श्रृंखला की वकालत करते हुए कहा कि अगर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम का पता करना है तो कुछ तो बदलना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई टेस्ट श्रृंखला।-। से बराबरी पर छूटी जिसमे मेजबान टीम ने सेचुरियन मे शुरुआती टेस्ट पारी और 32 रन से जीता जबकि मेहमान टीम ने केप टाउन मे सात विकेट से दूसरा टेस्ट मैच जीता। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मै इससे खुश नही हूं कि श्रृंखला मे तीसरा टेस्ट नही था। आपको इसके लिए टी20 क्रिकेट को जिम्मेदार ठहराना होगा जो दुनिया भर मे खेली जा रही है। उन्होने कहा, मै नही जानता कि किसे दोषी ठहराया जाए लेकिन मै समझता हूं कि कुछ तो गलत है। अगर आप सभी टीमो को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखना चाहते हो और दुनिया मे कौन सर्वश्रेष्ठ टीम है, यह देखना चाहते तो कुछ तो बदलाव करना होगा। दक्षिण अफ्रीका अब फरवरी मे न्यूजीलैड का दौरा करेगी जो भी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए ही होगा।

कोच बनना चाहते हैं वार्नर, जल्द खत्म हो जाएगी छींटाकशी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर भविष्य में कोचिंग से जुड़ना चाहते है और उन्होने इसके साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसी घरेलू प्रतियोगिताओ मे आपस मे ड्रेसिंग रूम साझा करने के कारण अगले एक दशक के अंदर क्रिकेट से छींटाकशी समाप्त हो जाएगी। इस 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने शनिवार को सिडनी मे अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचो की श्रृंखला मे क्लीनस्वीप किया था। वार्नर पहले ही एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर चुके है लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय और विश्व भर की टी20 लीग मे खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। वार्नर ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, हां मेरी भविष्य मे कोचिंग से जुड़ने की इच्छा है। पहले मुझे अपनी पत्नी से बात करनी होगी कि क्या मुझे कुछ और दिन तक घर से बाहर रहने की अनुमति है।

भारत विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमों से एक : अश्विन

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान की भारत को अपेक्षानुरूप प्रदर्शन नही कर पाने वाली टीम की टिप्पणी खारिज करते हुए कहा कि भारतीय टीम समकालीन क्रिकेट मे विदेशो मे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल है। वान ने हाल मे कहा था कि भारतीय क्रिकेट टीम के पास जितने संसाधन है उसे देखते हुए उसको विशेषकर आईसीसी की प्रतियोगिताओ मे और बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, माइकल वान ने हाल मे बयान दिया था कि भारतीय टीम अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नही कर पाई है। यह सही है कि हमने पिछले कुछ समय से आईसीसी ट्रॉफी नही जीती है और हम खुद को इस खेल की महाशक्ति मानते है। लेकिन यह सिक्के का एक पहलू है।

विश्व कप की तैयारी के सिलसिले में एसए20 टीमों से अभ्यास मैच खेलेंगे नीदरलैंड और नामीबिया

जोहानिसबर्ग। नीदरलैंड और नामीबिया की टीमें इस साल जून मे होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के सिलसिले मे दक्षिण अफ्रीका के टी20 लीग एसए20 की टीमो के साथ अभ्यास मैच खेलेगे।नीदरलैंड और नामीबिया के खिलाड़ियों को एसए20 मे खेलने वाले कई शीर्ष खिलाड़ियों का सामना करने का मौका मिल सकता है। एसए20 लीग बुधवार से शुरू हो रहा है। नीदरलैंड का सामना सनराइजर्स ईस्टर्न केप, पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन से होगा, जबकि नामीबिया जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।नामीबिया के मुख्य कोच पियरे डी ब्रुइन ने कहा कि एसए20 की मजबूत टीमों के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना उनकी टीम के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज मे होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आदर्श तैयारी होगी।

रोहित को टी20 विश्व कप में कप्तान होना चाहिए : गांगुली

कोलकाता। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने जून मे होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रविवार को भारतीय टीम मे रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल करने का समर्थन किया। इन दोनो दिग्गज खिलाड़यो ने लगभग 14 महीनो से किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच मे हिस्सा नही लिया है, पर दोनो ने खुद को खेल के सबसे छोटे प्रारूप के लिए उपलब्ध बताया है। जिससे यह देखना होगा कि उन्हे 11 जनवरी से मोहाली मे अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचो की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चुना जाता है या नही। निश्चित रूप से रोहित को टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप मे टीम की कप्तानी करनी चाहिए। विराट कोहली को भी टीम मे होना चाहिए। विराट शानदार खिलाड़ी है।

ज्वेरेव ने में हुर्काज को हराकर युनाइटेड कप फाइनल को रोमांचक बनाया

सिडनी। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए दो मैच प्वाइंट बचाए और पुरुष एकल मे पोलैंड के हुबर्ट हुर्काज को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में रविवार को हराकर यूनाइटेड कप फाइनल को निर्णायक मिश्रित युगल मैच मे पहुंचा दिया। छठी रैंकिंग वाले ज्वेरेव ने एक सेट और दो मैच प्वाइंट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए काफी दमखम दिखाया और रैंकिंग में नौवे नंबर पर काबिज हुर्काज को 6-7 (3-7) 7-6 (8-6) 6-4 से हराया। इससे पहले महिला एकल मे शीर्ष रैंकिंग की टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने एंजेलिक कर्बर के खिलाफ सीधे सेटो मे जीत दर्ज करके जर्मनी के खिलाफ पोलैंड की टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

जूनियर महिला हॉकी राष्ट्रीय शिविर के लिए 41 खिलाड़ियों का चयन किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में सोमवार से शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए रविवार को 41 सदस्ईय टीम घोषित की। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 2023 में घरेलू चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। एक महीने तक चलने वाले इस शिविर मे भाग लेने वाले खिलाड़ियों को कोच तुषार खांडेकर के पास रिपोर्ट करनी होगी। शिविर छह फरवरी को समाप्त होगा।

मैड्रिड और एटलेटिको मैड्रिड कोपा डेल रे के अंतिम 16 में

मैड्रिड। रियाल मैड्रिड ने चौथे डिविजन के क्लब अरंडिना को आसानी से 3-। से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 मे प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड ने शुरू से दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से जोसेलु, ब्राहिम डियाज़ और रोड्रिगो ने गोल किए। अरंडिना की टीम शुरू से जूझती नजर आई। रियाल मैड्रिड के डिफेंडर नाचो फर्नांडीज ने अंतिम क्षणो मे आत्मघाती गोल करके उसका खाता खोला। एटलेटिको मैड्रिड की अंतिम 16 मे जगह बनाने में सफल रहा।

वाधवान अखिल भारतीय स्नूकर ओपन के दूसरे दौर में

मुंबई। समय वाधवान ने रविवार को यहां एनएससीआई बॉल्कलाइन 3.0 अखिल भारतीय स्नूकर ओपन मे बेस्ट ऑफ सेवन फ्रेम क्वालीफाइंग ड्रा के पहले दौर मे मोहम्मद शफीक खत्री पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की। समय ने 60-52, 51-7, 75-45, 62-8 के फ्रेम से जीत हासिल कर दूसरे दौर मे जगह बनाई। एक अन्य मैच मे शिवम अरोड़ा ने होर्मुज पर्दीवाला को 4-0 से मात दी। राहुल नारंग, आकाश इसरानी और गौरव प्रभु भी अगले दौर मे पहुंच गए।

ब्रांच ने जीता डकार रैली का पहला चरण

अल हिनाकिया (सऊदी अरब)। हीरो मोटोस्पोर्ट्स के राइडर रोस ब्रांच ने डकार रैली के बाइक वर्ग का पहला चरण शनिवार को यहां अपने नाम कर इतिहास रचा। ब्रांच की इस जीत से भारतीय बाइक निर्माता कंपनी पहली बार डकार रैली मे किसी चरण की तालिका के बाद शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। डकार रैली का यह 46वां सत्र है जबकि सऊदी अरब मे लगातार पांचवें साल इसका आयोजन हो रहा है। दुनिया के सबसे मुश्किल रैली रेस मे से एक डकार रैली के बाइक वर्ग मे 136 राइडर ने अल उला से अल हिनाकिया के बीच हुए पहले चरण मे भाग लिया।

आर्यन जुयाल का शतक, उत्तर प्रदेश की बढ़त

● रणजी राउंडअप : केरल से 278 रन आगे

भाषा। अलाप्पुझा

कप्तान आर्यन जुयाल के शतक की मदद से उत्तर प्रदेश ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन स्टंप तक केरल पर अपनी कुल बढ़त 278 रन की कर ली। केरल की टीम सुबह छह विकेट पर 220 रन से खेलते हुए स्कोर में महज 23 रन ही जोड़ सकी और 243 रन पर आउट हो गई जिससे उत्तर प्रदेश को 59 रन की बढ़त मिली। तेज गेंदबाज अंकित राजपूत (64 रन देकर पांच विकेट) ने बचे हुए चार विकेट अपनी झोली में डालकर पांच विकेट हासिल किए। दूसरी पारी में उत्तर प्रदेश ने शानदार शुरूआत की जिसमें जुयाल (नाबाद 115 रन) और समर्थ सिंह (43 रन) ने पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। जलज ने समर्थ को आउट किया जिसके बाद जुयाल और प्रियम गर्ग नाबाद 49 रन) ने नाबाद 120 रन की साझेदारी निभाकर टीम को बढ़त दिलाई। विशाखापत्तनम में ग्रुप बी के एक अन्य मैच में रिकी भुई के नाबाद शतक से आंध्र प्रदेश ने बंगाल के 409 रन के जवाब में स्टंप तक पहली पारी में छह विकेट पर 339 रन बना लिए। आंध्र ने तीन विकेट पर 119 रन से आगे खेलना शुरू किया। भुई (नाबाद 107 रन) और कप्तान हनुमा विहारी (51 रन) ने चौथे विकेट के लिए 87 रन की भागीदारी निभाई।

पुडुचेरी, दिल्ली पर बड़ी जीत के करीब

नई दिल्ली। मध्यम गति के गेंदबाज अबिन मैथ्यू (30 रन देकर चार विकेट) ने रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच मे दिल्ली का शीर्ष क्रम झकझोर दिया जिससे पुडुचेरी बड़ी जीत के करीब खड़ा है। पुडुचेरी ने पहली पारी मे 244 रन और दिल्ली ने 148 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर 96 रन से पिछड़ रही दिल्ली की दूसरी पारी की शुरूआत काफी चुनौतीपूर्ण रही जिसमे मैथ्यू ने कप्तान यश धुल (23), लक्ष्य थरेजा (24) और हिम्मत सिंह (05) को आउट कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 84 रन कर दिया। पहली पारी मे सात विकेट झटकने वाले गौरव यादव ने 39 रन देकर दो और सौरभ यादव ने 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दिल्ली के लिए ऋतिक शौकीन ने कुछ देर टिककर खेलते हुए 19 रन जोड़े लेकिन टीम ने स्टंप तक 40 ओवर मे आठ विकेट पर 126 रन बनाए। इससे उसकी बढ़त महज 30 रन की है। हर्ष त्यागी 13 और इशांत शर्मा एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। पुडुचेरी अंतिम दिन मजबूत स्थिति में होगी और दिल्ली की पारी जल्द समेटकर जीत हासिल करना चाहेगी। देहरादून मे मध्य प्रदेश ने दूसरी पारी तीन विकेट पर 243 रन पर घोषित कर उत्तराखंड को जीत के लिए 376 रन का लक्ष्य दिया।

पुजारा के 17वें दोहरे शतक से सौराष्ट्र ने झारखंड पर शिकंजा कसा

राजकोट। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के 17वें दोहरे शतक के दम पर सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन झारखंड पर शिकंजा कस दिया। पुजारा ने प्रेरक मांकड़ (नाबाद 104) के साथ पांचवें विकेट के लिए 256 रन की अटूट साझेदारी की जिससे सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी चार विकेट पर 578 रन पर घोषित कर झारखंड पर 436 रन की बढ़त हासिल की। पुजारा दिन ने 356 गेंद की नाबाद पारी में 30 चौके जड़े।

रयबाकिना के सिर सजा खिताबी ताज

● दिमित्रोव को छह साल में पहला खिताब

भाषा। ब्रिस्बेन

ऐलेना रयबाकिना ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करते हुए रविवार को यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त रयबाकिना ने फाइनल में सबालेंका को आसानी से 6-0, 6-3 से हराकर अपने करियर का छठा खिताब जीता तथा ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता नमूना भी पेश किया। इससे पहले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच जो सात मुकाबले हुए थे उनमें से पांच में सबालेंका ने जीत दर्ज की थी लेकिन रविवार को विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी रयबाकिना के ग्राउंडस्ट्रोक्स का उनके पास कोई जवाब नहीं था। सबालेंका ने पिछले साल रयबाकिना को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था लेकिन यहां पहले सेट में उन्होंने अपनी तीन सर्विस गंवाई। रयबाकिना ने पहला सेट केवल 24 मिनट में जीता। रयबाकिना ने दूसरे सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाई लेकिन उन्होंने तुरंत ही अगले गंम में ब्रेक प्वाइंट लेकर हिसाब बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगाया।

ॉफ ने लगातार दूसरी बार ऑकलैंड क्लासिक जीता

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके रविवार को यहां फाइनल मे दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को हराकर ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। गॉफ ने स्वितोलिना को 6-7 (4), 6-3, 6-3 से हराया। पूरे सप्ताह मे यह पहला अवसर था जबकि गॉफ को तीन सेट तक जूझना पड़ा। वह बिना सेट गंवाए फाइनल मे पहुंची थी। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने पिछले साल यहां बिना सेट गंवाए खिताब जीता था। लेकिन इस बार फाइनल मे उन्हे कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

वापसी के बाद चोटिल नडाल आस्ट्रेलियाई ओपन से हटे

मेलबर्न (आस्ट्रेलिया)। राफेल नडाल ने चोट के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन से हटने का फैसला किया जबकि उन्होंने 12 महीने तक खेल से बाहर रहने के बाद वापसी में केवल एक ही टूर्नामेंट खेला था। नडाल ने कहा कि उन्हें अपने सर्जरी हुए कूल्हे की चिंता है क्योंकि शुक्रवार को ब्रिसबेन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मुकाबले के तीसरे सेट में उन्हें मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा था जिसमें वह जोर्डन थाम्पसन से हार गए थे। इस 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता ने कहा था कि उन्हें शुरू में टेंडन मुद्दे के बजाय यह मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या लगी थी। पिछले साल इसी दौरान उन्हें टेंडन की समस्या से काफी दर्द झेलना पड़ा था। लेकिन उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेलबर्न से आने के बाद हुए स्कैन में पता चला है कि उनकी मांसपेशी में एक छोटा सा घाव है और इसके उपचार के लिए वह वापस स्पेन जा रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, इस समय मैं उच्चतम स्तर के पांच सेट के मैच में हिस्सा लेने के लिए तैयार नहीं हूं। मैंने इस वापसी के लिए पूरे साल बहुत कड़ी मेहनत की थी और जैसा कि मैंने हमेशा जिक्र किया है कि मेरा लक्ष्य तीन महीनों में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचने का है। उन्होंने कहा, मेरे लिए दुखद खबर है कि मैं मेलबर्न में दर्शकों के सामने नहीं खेल पाऊंगा।

लीग राउंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से लखनऊ बना चैंपियन

● ऑल इंडिया मीडिया प्रीमियर लीग : कानपुर उपविजेता

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच अभिनव शुक्ला -1 विकेट 32 रन के आलराउंड खेल से पिछली विजेता मेजबान लखनऊ ने ऑल इंडिया मीडिया प्रीमियर लीग-2024 के अंतिम लीग मैच में चंडीगढ़ को सात विकेट से हराया। इसी के साथ लखनऊ ने लीग राउंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से विजेता ट्रॉफी जीत ली। वहीं कानपुर ने उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर लखनऊ तीन मैचों में तीन जीत के चलते 6 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा। कानपुर व चंडीगढ़ के दो मैचों में एक जीत और एक हार के चलते तीन.तीन अंक रहे लेकिन नेट रन रेट के चलते कानपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया। रविवार को स्पोर्ट्स कॉलेज मैदान पर लखनऊ ने पिछली उपविजेता चंडीगढ़ को सात विकेट से हराया। चंडीगढ़ पहले बल्लेबाजी करते हुए 13.4 ओवर में 73 रन ही बना सका। गम्मू ने सबसे ज्यादा 17 रन बनाए। लखनऊ से प्रशांत चतुर्वेदी ने तीन जबकि मयूर शुक्ला व रोहित कुमार सिंह ने दो-दो विकेट की सफलता हासिल की। जवाब में लखनऊ ने 10.3 ओवर में तीन विकेट पर 76 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव श्रीवास्तव ;19द्ध और अभिनव शुक्ला-32 ने दूसरे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की। इससे पहले माइक्रोलिट जिमखाना मैदान पर कानपुर ने मैन ऑफ द मैच वैभव शुक्ला 3 विकेट 41 रन के आलराउंड प्रदर्शन से प्रयागराज को सात विकेट से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। विशेष पुरस्कारों में मैन ऑफ द टूर्नामेंट कानपुर के वैभव शुक्ला, सर्वश्रेष्ठ बैटर लखनऊ के अभिनव शुक्ला, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज लखनऊ के रोहित कुमार सिंह, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक प्रयागराज के रोशन और सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर लखनऊ के शरददीप अग्रवाल चुने गए। सबसे लंबा छक्का मारने के लिए 5 हजार रुपए का विशेष पुरस्कार कानपुर के मोण् ओवेश को दिया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने पुरस्कार वितरित किए। अंत में आयोजन सचिव गुलशन ने प्रायोजकों धन्यवाद दिया।

ग्रीन गैस लिमिटेड विजयी

स्पोर्ट्स कॉलेज मैदान पर फेस्टिवल मैच में ग्रीन गैस लिमिटेड ने हाइपर स्पोर्ट्स इलेवन को 7 विकेट से मात दी। हाइपर स्पोर्ट्स इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 9 विकेट पर 62 रन बनाए। ग्रीन गैस लिमिटेड से अरुण कुमार को तीन और सुनील भट्ट को दो विकेट की सफलता मिली।जवाब में ग्रीन गैस लिमिटेड ने 9.3 ओवर में 3 विकेट पर 63 रन बनाकर मैच जीत लिया। जीत में अखंड ने 18 व अरुण कुमार ने नाबाद 19 रन बनाए। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक राजेश सिंह ने इस मैच में पुरस्कार वितरित किए।

उप्र जूनियर बालक हैंडबॉल टीम घोषित, लखनऊ के निहाल होंगे कप्तान

लखनऊ। लखनऊ के निहाल जायसवाल को आगामी 46वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित उत्तर प्रदेश की बालक जूनियर हैंडबॉल टीम का कप्तान बनाया गया है। चयनित टीम की घोषणा रविवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने की। उन्होंने अपने आर्शीवचन में उत्तर प्रदेश टीम में शामिल खिलाड़ियों को किट प्रदान करते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि 46वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक हैंडबॉल चैंपियनशिप करौली ;राजस्थानद्ध में आगामी 9 से 13 जनवरी 2024 तक खेली जाएगी। चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश टीम के कोच लखनऊ के मोण्तौहीद होंगे। उत्तर प्रदेश की चयनित बालक जूनियर हैंडबॉल टीम इस प्रकार हैं- ज्ञान, मनीष यादव, मानवेंद्र गोरखपुर, जय सिंह सुल्तानपुर, निशांत मेरठ, गोपाल, भारत बस्ती सुमित गौड़, कामरान अमेठी,शुभम अयोध्या हरिनाथ, सोनू, दिव्यांशु, मनीष आजमगढ़, निहाल जायसवाल, अमन भारती, शुभम ;लखनऊ अनुभव प्रयागराज। टीम कोच- तौहीद।

शाहिद इलेवन व जमन लाल शर्मा इलेवन फाइनल में

लखनऊ। अखंड प्रताप सिंह अंडर-14 हॉकी के सेमीफाइनल में मो. शाहिद इलेवन व जमन लाल शर्मा इलेवन ने अपने-अपने मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। मो. शाहिद इलेवन ने सैयद अली को 3-0 से हराया जबकि जमल लाल इलेवन ने केडीसिंह बाबू को 1-0 से हराकर खिताबी जंग का टिकट पा लिया।

आईसीसी ने आर्मबैंड प्रतिबंध के खिलाफ ख्वाजा की अपील खारिज की

मेलबर्न। आर्मबैंड (काली पट्टी) पहनने के कारण लगे प्रतिबंध के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की अपील को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने खारिज कर दिया। यह दावा सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में रविवार को किया गया। ख्वाजा ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट के दौरान गाजा में इस्राइल और फलस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष से प्रभावित होने वाले बच्चों के समर्थन में बांह पर काली पट्टी बांधी थी। इसके लिए आईसीसी ने उन्हें फटकार लगाई। पाकिस्तान में जन्में 37 साल के ख्वाजा आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेलने वाले पहले मुस्लिम क्रिकेटर हैं। रविवार को सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान मैदान पर काली पट्टी पहनने के लिए उस्मान ख्वाजा को आईसीसी ने फटकार लगाई थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।